E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -104 | प्रयागराज, मंगलवार 01 जुलाई, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान के धर्मगुरु का ट्रम्प और नेतन्याहू के खिलाफ फतवा,बोला- पछताने पर मजबूर कर दो,मुसलमानों से एकजुट होने की अपील की

नयी दिल्ली। ईरान के सबसे सीनियर शिया धर्मगुरु ग्रैंड अयातुल्ला नासिर मकारिम शिराजी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ एक धार्मिक फतवा जारी किया है। उन्होंने इन दोनों नेताओं को अल्लाह का दुश्मन बताया है। साथ ही दुनिया भर के मुसलमानों से कहा है कि वे एकजुट होकर इन नेताओं को ईरान पर हमले के लिए पछताने के लिए मजबूर करें। मकारिम शिराजी ने अपने फतवे में कहा...'जो कोई भी ईरान के सर्वोच्च नेता या किसी मरजा को नुकसान पहुंचाने या धमकाने की कोशिश करता है, वह मोहरिब यानी जंग को पसंद करने वाला अपराधी होगा।' फतवा इस्लामी कानून की व्याख्या होती है। इसे मरजा की तरफ से जारी किया जाता है। मरजा बारह इमामी शिया मुसलमानों के सबसे ऊंचे धार्मिक पद को कहा जाता है।ईरान ने इजराइल के साथ युद्धविराम पर शक जताया। ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ अब्दोलरहीम मूसवी ने रविवार को सऊदी रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान से फोन पर बातचीत में कहा- हमें दुश्मन (इजराइल) के साथ युद्धविराम पर शक है। अगर फिर से कोई हमला हुआ, तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। मूसवी ने कहा कि जब ईरान

अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में व्यस्त था, तब इजराइल ने उस पर हमल कर दिया और अमेरिका ने उसका साथ दिया। इससे पता चलता है ये दोनों देश किसी भी अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून का पालन नहीं करते। उन्होंने यह भी कहा-जंग हमने शुरू नहीं की है, लेकिन हमने हमलावर को अपनी पूरी ताकत से जवाब दिया। दोनों अधिकारियों ने डिफेंस के साथ-साथ कई द्विपक्षीय मुद्दे पर भी बात की। इजराइल और ईरान के बीच 12 दिन की लड़ाई के बाद 24 जून को सीजफायर हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसका ऐलान किया है। इस लड़ाई में ईरान के 610 और इजराइल के 28 लोग मारे गए। यूएन की इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी ने रविवार को कहा कि ईरान कुछ महीनों में अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर से शुरू कर सकता है। जबकि अमेरिकी ने बी-2 बॉम्बर से हमला कर ईरान के फोर्डो, नतांज और इस्फहान न्यूक्लियर साइट्स को तबाह करने का दावा किया था। आईएईए डायरेक्टर राफेल ग्रॉसी ने एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि ईरान की कुछ न्यूक्लियर फैसिलिटी अभी भी बची हुई हैं। उन्होंने कहा- 'ईरान के पास 60फीसदी प्योर यूरेनियम का भंडार है, जो एटम बम बनाने के लिए काफी है। इस भंडार को अमेरिकी हमले से पहले हटा दिया गया था या फिर ये तबाह हो गया, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है।' ईरान की न्यायपालिका ने रविवार को बताया कि तेहरान की इविन जेल पर 23 जून को इजराइल के हमले में कम से कम 71 लोग मारे गए हैं। यह एक कुख्यात जेल है, जहां कई पॉलिटिकल एक्टिविस्ट्स को रखा गया है। मारे गए लोगों में जेल कर्मचारी, सैनिक, कैदी और मिलने आए परिवार के सदस्य शामिल हैं।ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चेतावनी दी है कि वे ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल बंद करें। अराघची ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ट्रम्प का यह रवैया न सिर्फ खामेनेई का, बल्कि उनके लाखों समर्थकों का भी अपमान करता है। ट्रम्प अगर ईरान से कोई समझौता चाहते हैं तो उन्हें अपनी भाषा बदलनी होगी। अराघची का यह बयान ट्रम्प के उस दावे के बाद आया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि उन्होंने खामेनेई को मरने से बचाया, नहीं तो उनकी बहुत बुरी मौत होती।

'पुलिस तैनात, फिर कैसे बिगड़ा माहौल,लोग बोले- हिंसा नहीं हुई सिर्फ अफवाह फैली, सीएम हिमंत ने बताया धुबरी छीनने की साजिश

नयी दिल्ली। 'ईद के दिन मंदिर के पास मांस मिलने के बाद माहौल बहुत बिगड़ गया था। सब ने इसे संभालने की कोशिश की, लेकिन अगले दिन फिर वही घटना हो गई। इस बार तो मंदिर पर पुलिस भी तैनात थी। ये सब देखकर यहां लोग डरे हुए हैं। बच्चे स्कूल-कॉलेज जाने में डर रहे हैं। लोग बाहर निकलने से कतरा रहे हैं। हम चाहते हैं कि धुबरी में फिर से शांति हो।'सलीम खान असम के धुबरी जिले में रहते हैं। 7 जून को बकरीद के दिन यहां हनुमान मंदिर के सामने कथित तौर पर गोमांस मिलने के बाद हिंसा भड़क गई। इसके बाद बिगड़े माहौल को लेकर सलीम परेशान हैं। वे कहते हैं कि हम सब यहां मिलजुलकर रहते आ रहे हैं। पिछले दिनों हालात कैसे बिगड़े, समझ नहीं आ रहा। धुबरी के लोगों का कहना है कि यहां कोई साम्प्रदायिक हिंसा नहीं हुई, सिर्फ दंगों की अफवाह फैल गई।हालांकि, असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा इसके पीछे धुबरी में पनप रहे 'नए बीफ माफिया' का हाथ बताते हैं। उन्होंने 'नबीन बांग्ला' नाम के एक संगठन पर धुबरी को बांग्लादेश में शामिल करने वाले भड़काऊ पोस्टर लगाने का भी आरोप लगाया। सीएम हिमंत दो बार धुबरी भी पहुंचे। उनके दौरे के बाद पुलिस ने जिले में शूट-एट-साइट के आदेश दे दिए।धुबरी बांग्लादेश की सीमा से सटा इलाका है, इसीलिए काफी संवेदनशील माना जाता है। हिंसा भड़कने के बाद अब धुबरी में क्या हालात हैं? हिंदू-मुस्लिम पक्ष का क्या कहना है? ये जानने के लिए दैनिक भास्कर ग्राउंड जीरो पर पहुंचा।असम का धुबरी जिला ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसा है। ये बांग्लादेश की सीमा पर भारत का अंतिम जिला है। यहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है। यहां 7 जून को बकरीद के दिन वार्ड नंबर-3 में हनुमान मंदिर के सामने कथित तौर पर गोमांस के टुकड़े मिले। इसे लेकर इलाके में तनाव बढ़ा। हालात देखते हुए जिला प्रशासन ने हिंदू और मुस्लिम पक्ष के लोगों को साथ बैठाकर मीटिंग की। इसमें शांति बनाए रखने की अपील की गई। 8 जून को मंदिर के सामने दोबारा मांस के टुकड़े मिले। इसके बाद

हिंसा भड़क गई। रात को ही जिले में कई जगह पत्थरबाजी की घटनाएं हुईं। देखते ही देखते प्रदर्शन हिंसक हो गया। दुकानों और गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। इसके कई वीडियो भी सामने आए।सलीम खान धुबरी जिला मरकज कमेटी के सेक्रेटरी भी हैं। वे 7 जून की घटना को लेकर सवाल उठाते हुए कहते हैं कि जब मंदिर पर पुलिसबल तैनात था, फिर दोबारा ये घटना कैसे हो गई। उन्होंने बताया-, 'ईद के एक दिन बाद हम लोग एक साथ बैठे थे। डीसी उपायुक्त, एसपी और एडिशनल एसपी समेत सभी अधिकारी थे। तब तक मामला ठंडा हो चुका था। रात में वहां पुलिस भी तैनात हो गई। फिर अगले दिन दोबारा ऐसा कैसे हुआ।'

धुबरी के माहौल को लेकर वे आगे कहते हैं, 'फिलहाल तो यहां माहौल पहले से शांत है, लेकिन लोग अब भी डरे हुए हैं। वे स्कूल-मार्केट जाने से भी कतरा रहे हैं।' वे कहते हैं, 'धुबरी में सब एक साथ रहते हैं, एक साथ उठते-बैठते हैं। हम नहीं चाहते कि यहां माहौल बिगड़े। हर दिन ऐसे ही भाईचारा बना रहे।'धुबरी के ही रहने वाले सोशल एक्टिविस्ट दिलीप मजूमदार इसे शरारती तत्वों का काम बताते हैं। वे कहते हैं,'धुबरी के लिए ये शर्म की बात है कि ऐसी घटनाएं हो रही हैं और इन्हें कवर करने के लिए नेशनल मीडिया आ रहा है। धुबरी का कल्चर हमेशा अच्छा रहा है, यहां का नाम मीडिया में हमेशा अच्छे कामों के लिए आना चाहिए।' वे आगे कहते हैं, 'मंदिर के पास ऐसा कुछ रखने का काम कोई अपराधी ही कर सकता है। मुझे नहीं लगता कोई जानबूझकर ऐसा करेगा। कोई बदमाश ही होगा जो पूरे धुबरी का माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है।' अफवाहों पर भरोसा न करने की अपील करते हुए वे कहते हैं, 'मैं सबसे रिक्वेस्ट करूंगा कि प्लीज अफवाहों पर यकीन मत कीजिए। हमारी गवर्नमेंट अच्छा काम कर रही है। अशांति से लोगों का बिजनेस डिस्टर्ब हो रहा है। धुबरी के लोग बहुत अच्छे हैं। बहुत कोऑपरेटिव हैं। किसी एक के बुरे काम के लिए हम माहौल नहीं खराब करना चाहते।'हमने बकरीद पर बने माहौल को लेकर धुबरी के लोगों से भी बात की। यहां रहने वाले दिलीप कुमार दत्त बताते हैं कि अभी तो यहां शांति है। हिंदू-मुसलमान सब पहले की तरह साथ रह रहे हैं। वे कहते हैं, 'असम के सीएम ने हालात संभाल लिया है। फिलहाल यहां ज्यादा दिक्कत नहीं है।' दिलीप मानते हैं कि उस दिन भी साम्प्रदायिक हिंसा जैसी कोई स्थिति नहीं बनी थी, बल्कि बस इसकी अफवाह फैल गई।'यहां शांति कमेटी बन गई। यहां रैपिड एक्शन फोर्स, असम पुलिस, सीआरपीएफ, पैरा मिलिट्री कमांडो वाहिनी मौजूद हैं। सब एकदम अच्छा चल रहा है।' दिलीप आगे कहते हैं, 'लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। अगर कोई गलत जानकारी हो तो वो पुलिस को बताएं, खुद कुछ करने की जरूरत नहीं है। धुबरी के रहने वाले सोशल एक्टिविस्ट तौफीक अहमद भी लोगों से अफवाहों पर गौर न करने की अपील करते हैं। वे भी मानते हैं कि यहां का माहौल अफवाहों की वजह से बिगड़ा। वे कहते हैं, 'धुबरी के लोग अब घबराएं नहीं। बस किसी गलत जानकारी या अफवाह पर ध्यान न दें। शांत रहें और संयम बरतें। अगर कोई दिक्कत आती है, तो तुरंत लोकल प्रशासन, पुलिस अधीक्षक या अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से संपर्क करें।' घटना के बाद से लोगों में डर को लेकर वे कहते हैं कि अब हालात सामान्य हो रहे हैं। प्रशासन हमेशा हमारे लिए सतर्क रहा है। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा 24 जून को फिर धुबरी पहुंचे। साम्प्रदायिक हिंसा के बाद सीएम का ये दूसरा दौरा रहा। यहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए दावा किया कि अब तक हिंसा के आरोप में 150 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीएम ने कहा, 'हिंसा के पीछे मुख्य साजिशकर्ता की पहचान कर ली गई है। गिरफ्तार किए गए लोगों में 11 लोग असम के बाहर के हैं, जिनके खिलाफ पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं।' कर्फ्यू को लेकर उन्होंने बताया कि रात के कर्फ्यू के दौरान गोली मारने का आदेश अब भी लागू है। इससे पहले 13 जून को भी सीएम हिमंत ने धुबरी का दौरा किया था।

शार्क की जगह नया गुट बनाकर भी भारत को नहीं घेर पाएंगे चीन-पाकिस्तान और बांग्लादेश, समझें क्यों

नयी दिल्ली। भारत के साथ सीमा विवाद के बीच चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। हाल ही में चीन ने युन्नान के कुनमिंग में पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ मिलकर मीटिंग की है। ऐसे में चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच बढ़ते सहयोग को भारत के दृष्टिकोण से अहम माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से खबर है कि चीन सार्क को एक नए क्षेत्रीय संगठन का गठन कर रिप्लेस करने की तैयारी में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दिशा में पाकिस्तान और चीन के बीच बात आगे बढ़ चुकी है। बांग्लादेश भी दोनों देशों के साथ ही नए संगठन के लिए भीतरखाने सहमति जता चुका है।इसे भारत के लिए एक रणनीतिक चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। हाल के वर्षों में दक्षिण एशिया में भू-राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। यह गठबंधन भारत को क्षेत्रीय स्तर पर अलग-थलग करने और उसकी रणनीतिक स्थिति को कमजोर करने की चीन की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा दिखाई दे रहा है।चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव और क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाने की रणनीति के तहत बांग्लादेश और पाकिस्तान के साथ उसका गठजोड़ भारत के लिए चिंता का विषय है। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के पतन और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ा है। बांग्लादेश का चीन की ओर झुकाव, विशेष रूप से तीस्ता नदी प्रबंधन परियोजना में चीनी कंपनियों को आमंत्रित करना, भारत के हितों के लिए सीधे-सीधे चुनौती है।इसके अलावा, बांग्लादेश के सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के पास एयरबेस निर्माण की योजना भारत की रणनीतिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती है। यह कॉरिडोर भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों को मुख्यभूमि से जोड़ता है, और इस क्षेत्र में चीन और पाकिस्तान की बढ़ती उपस्थिति भारत की कनेक्टिविटी और सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है।चीन का पाकिस्तान में ण्ड्ढिं (चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा) के तहत 62 अरब डॉलर का निवेश और बांग्लादेश में 7.07 अरब डॉलर तक का निवेश दक्षिण एशिया में उसकी आर्थिक पकड़ को दर्शाता है। बांग्लादेश में चीनी निवेश, विशेष रूप से बुनियादी ढांचा और रक्षा क्षेत्र में, भारत की क्षेत्रीय प्रभुत्व को चुनौती देता है।इसके साथ ही, पाकिस्तान को चीन से मिलने वाले हथियार (2020-2024 में 81इ हथियार आयात) और बांग्लादेश द्वारा चीनी मिसाइलों की खरीद भारत के लिए सैन्य असंतुलन पैदा कर सकती है। हालांकि, ऑपरेशन सिंदूर में चीनी हथियारों की नाकामी, जैसे इ्न-15 मिसाइलों का विफल होना दर्शाता है कि तकनीकी श्रेष्ठता के मामले में भारत अभी भी मजबूत स्थिति में है।भारत के पास इस चुनौती का जवाब देने के लिए मजबूत कूटनीतिक, आर्थिक और सैन्य विकल्प मौजूद हैं। भारत ने ऍिं के बजाय ँघ्श्एऊिं (बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन) को प्राथमिकता दी है, जिसमें बांग्लादेश भी शामिल है।

मंत्री असीम अरूण बोले- देश में बांटने वाली राजनीति गलत

वाराणसी। समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण वाराणसी पहुंचे। उन्होंने बीएचयू के कार्यवाहक कुलपति सहित अधिकारियों से बैठक की। इस दौरान कहा कि नवंबर में अंतरराष्ट्रीय गौरव सप्ताह का आयोजन वाराणसी में किया जाएगा। इससे पहले आयोजन लखनऊ में किया जा रहा था इस आयोजन को भव्य और दिव्य मनाने की पूरी योजना बनाई गई है।इस आयोजन में सांस्कृतिक आयोजन होंगे। इसके अलावा पेंटिंग प्रतियोगिता भी होगी। जिसमें प्रदेश भर के प्रतिभागी भाग लेंगे। जनजातीय परिवार इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे इसकी तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी मजबूत इच्छा शक्ति प्रदेश की ऐसी समस्याओं का हल किया जिन्हें पिछली सरकारें नहीं कर पाईं। विकास कार्यों, गड्ढामुक्त सड़कों, बेहतर कानून-व्यवस्था और सुशासन की बदौलत उत्तर प्रदेश अब सुरक्षित प्रदेशों में गिना जाने लगा है।

ताजमहल के पश्चिमी गेट पार्किंग के पास हवाई फायरिंग:कार को बैरिकेडिंग के अंदर ले जा रहा था आरोपी, पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ा

आगरा। आगरा में ताजमहल की पार्किंग गेट पार्किंग के पास फायरिंग की घटना हुई। जिसका पुलिस ने सात घंटे में अनावरण कर दिया। फायरिंग करने वाले आरोपी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस का कहना है कि फायरिंग करने वाला मानसिक रोगी है। आजमगढ़ का रहने वाला है। घटना आज सुबह लगभग 9:30 बजे की है। ताजमहल के पास पश्चिमी गेट पार्किंग के पास अमरूद का टीला है। यहां बैरिकेडिंग की गई है । किसी भी तरह के वाहन अंदर नहीं जा सकते हैं। पुलिस तैनात रहती है। वाहनों को पार्किंग पर खड़ा किया जाता है। सुबह मथुरा नंबर की एक कार पार्किंग के पास बैरिकेडिंग पर पहुंची। पुलिस ने कार सवार को इशारे से पार्किंग पर जाने को कहा। वो बैरिकेडिंग के पास कार ले आया। पुलिस ने उसे समझाया कि कार

अंदर नहीं जाती है। इस पर वो बहस करने लगा। बहुत देर तक बहस के बाद उसने कार तो मोड़ ली लेकिन कार में सवार एक व्यक्ति ने हवाई फायरिंग कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि तीन राउंड फायरिंग की। फायरिंग करते ही वो वहां से फरार हो गए। इससे वहां हड़कंप मच गया। पुलिस ने उनका पीछा करने की कोशिश की लेकिन वो भाग गए।घटना के बाद पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर एडिशनल डीसीपी आदित्य के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया। सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए। फुटेज से कार का नंबर निकाला गया। कार को कब्जे में लिया गया।कार ड्राइवर गोवर्धन का रहने वाला है। पुलिस ने उससे पूछताछ की। ड्राइवर ने बताया पंकज ने वृंदावन से कार को बुक किया था। पंकज ने ही पश्चिमी गेट के पास हवाई फायरिंग की थी। यहां से जाने के बाद पंकज ने एत्माउद्दौला में कार छोड़ दी थी। वहां से दूसरी कार बुक कर ली थी। पुलिस ने दूसरी कार का नंबर ट्रेस किया तो वो कार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर थी। पुलिस ने तुरंत कन्नौज, उन्नाव और लखनऊ पुलिस को दी।

संगम में डूबी आठवीं की छात्रा,चार सहेलियों में से तीन को बचाया, एक लापता,सर्च ऑपरेशन जारी

प्रयागराज। संगम में रविवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। स्नान के दौरान चार छात्राएं गहरे पानी में चली गईं। जलपुलिस और नाविकों ने तीन को बचा लिया,

लेकिन एक छात्रा लापता हो गई।लापता छात्रा की पहचान सरायममरेज के प्रतापपुर बाबूपुर बेंदो की रहने वाली वर्षा पटेल के रूप में हुई है। वर्षा आठवीं कक्षा की छात्रा है और अपनी मौसी के साथ दारागंज में रह रही थी। वह अपनी मौसी रोशनी और तीन अन्य सहेलियों के साथ संगम स्नान करने गई थी।घटना उस समय हुई जब पांच लड़कियों में से एक किनारे पर सामान की देखभाल कर रही थी और चार स्नान कर रही थीं। अचानक चारों लड़कियां गहरे पानी में चली गईं। मौके पर मौजूद नाविक और जलपुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तीन लड़कियों को बचा लिया। लेकिन वर्षा तेज धारा में बह गई।जलपुलिस प्रभारी जनार्दन शाहनी के अनुसार, गोताखोरों की टीम ने शाम तक सर्च ऑपरेशन चलाया। लेकिन वर्षा का कोई पता नहीं चल सका। सोमवार सुबह से फिर से खोजबीन शुरू की जाएगी। वर्षा के पिता सूर्य बली पटेल राजस्थान में निजी क्षेत्र में काम करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए और देर शाम तक वर्षा की तलाश में जुटे रहे।

नजरबंद किए गए चंद्रशेखर, भीम आर्मी ने किया बवाल, कई वाहन फूंके

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में जबरदस्त बवाल हुआ है। उपद्रवियों की भीड़ ने 2 घंटे तक प्रयागराज की सड़कों पर खुला तांडव किया है। उग्र भीड़ ने पुलिस की गाड़ियों पर हमला किया, पथराव किया और डायल 112 की गाड़ी को पलट दिया। उपद्रवियों ने पुलिस टीम पर पथराव भी किया। रोडवेज की बसों में तोड़फोड़ की और कई बाइकों को फूंक दिया। ये पूरा पूरा बवाल प्रयागराज में भीम आर्मी के चीफ और सांसद चंद्रशेखर आज़ाद के समर्थकों ने किया है। चंद्रशेखर आज़ाद कौशाम्बी जाना चाहते थे लेकिन पुलिस ने उन्हें प्रयागराज में ही रोक दिया। इसके बाद भीम आर्मी के कार्यकर्ता भड़क गए और उन्होंने करछना में जमकर उपद्रव मचाया। प्रयागराज का करछना दो घंटे उपद्रव की आग में जला है। भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर के समर्थकों ने पुलिस के वाहनो हमला किया। चंद्रशेखर प्रयागराज से कौशांबी जा रहे थे। पुलिस को चंद्रशेखर को हाउस अरेस्ट करना पड़ा। इसके बाद जमकर हिंसा हुई। उपद्रवियों द्वारा जमकर प्राइवेट और सरकारी सम्पत्ति को नुकसान

पहुंचाया गया है। करछना के भडेवरा बाजार में उपद्रवियों ने आम नागरिकों पर भी ईंट-पत्थर चलाए। इससे मची भगदड़ में कई लोग जख्मी भी हुए हैं। उपद्रवियों ने मौके पर मौजूद कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की. पुलिस की गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई. बसों समेत प्राइवेट गाड़ियों को भी तोड़ा गया है।प्रयागराज के करछना में हुए बवाल के दौरान भड़ेवरा बाजार दो घंटे तक उपद्रव की आग में जलता रहा। 3:30 बजे के करीब पथराव-तोड़फोड़ करते हुए भीड़ आगे बढ़ी तो बाजार में भगदड़ मच गई। भीड़ का उग्र रूप देख पहले डायल 112 और फिर भुंडा चौकी व करछना थाने के पुलिसकर्मी भाग खड़े हुए। इसके बाद भीड़ ने जमकर तांडव किया। कई थानों की फोर्स व पीएसी लेकर पहुंचे एडिशनल सीपी अपराध डॉ. अजयपाल शर्मा ने करीब 5:30 बजे काफी मशक्कत के बाद भीड़ को काबू किया।हिंसा करने वालों पर पुलिस का एक्शन शुरू हो गया है। अब तक हिंसा में शामिल भीम आर्मी के 20 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज के जरिए बाकी उपद्रवियों की भी पहचान की जा रही है। हिंसा में शामिल आरोपियों पर एनएसए और गैंगस्टर एक्ट लगाने की तैयारी है। वहीं, हिंसा के दौरान हुई सरकारी संपत्तियों के नुकसान की भारपाई भी आरोपियों से की जाएगी।

दलित लड़की को आतंकी बनाया:ब्रेनवॉश करके केरल ले गए, जेहाद की ट्रेनिंग दी पुलिस ने 2 को अरेस्ट किया

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज की नाबालिग दलित लड़की को केरल में आतंकी बनाने की ट्रेनिंग दी जा रही थी। पुलिस के मुताबिक,

आरोपियों ने नाबालिग लड़की का अपहरण किया। उसे प्रयागराज से केरल ले गए। जबरन धर्म परिवर्तन कराया। फिर उसे जिहाद के नाम ट्रेनिंग देने लगे। इसी बीच पीड़िता वहां से भागकर केरल के एक रेलवे स्टेशन पहुंची। जहां रेलवे पुलिस को उसने आपबीती सुनाई। केरल पुलिस ने प्रयागराज पुलिस को सूचना दी। पुलिस नाबालिग को प्रयागराज लेकर आई। पीड़ित की मां की शिकायत पर आरोपी मोहम्मद कैफ और कहकशा बानो को अरेस्ट कर आतंकी माड्यूल का खुलासा किया। आतंकी माड्यूल में कौन-कौन शामिल हैं? यह गिरोह अब तक कितने लोगों को शिकार बना चुका है? इसकी जांच के लिए पुलिस की 3 टीमें बनाई गई हैं।डीसीपी गंगानगर जोन कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया- 28 जून को एक दलित महिला ने फूलपुर थाने में शिकायत की थी। इसमें बताया था- 8 मई को मेरी नाबालिग बेटी (15) गांव में ही कोटेदार के यहां शादी में दावत खाने गई थी। लेकिन वहां से नहीं लौटी। एक दिन मेरे पास बेटी का फोन आया, उसने बताया कि फूलपुर के लिलहट गांव निवासी कहकशा बानो (19) उसे अपहरण कर केरल लेकर आई है। यहां उसने मेरा धर्म परिवर्तन करा दिया है। प्रयागराज पुलिस नाबालिग की तलाश में थी।

पूरी ख़बर पेज संख्या 2 पर...

प्रयागराज में बढ़ रही हैं गंगा,यमुना का जलस्तर भी बढ़ा,घाट डूबे, पुरोहित और दुकानदार सुरक्षित स्थानों की ओर गए

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर लगातार तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे में हुई बारिश

और विभिन्न बांधों से छोड़े गए पानी के कारण दोनों नदियों में उफान दर्ज किया गया है। इससे संगम क्षेत्र में स्थित घाट जलमग्न हो गए हैं और बाढ़ का पानी तीर्थ पुरोहितों के तख्तों तक पहुंच गया है। सुबह 8 बजे की जलस्तर रिपोर्ट के अनुसार, गंगा नदी फाफामऊ में 76.78 मीटर और छतनाग में 74.78 मीटर पर बह रही है, जो क्रमशः 14 सेंटीमीटर और 228 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्शाती है। वहीं यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 75.61 मीटर दर्ज किया गया है, जिसमें पिछले 24 घंटे में 175 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि खतरे का निशान अभी भी करीब 10 मीटर दूर है – संगम में डेंजर लेवल 84.734 मीटर है। जलस्तर के बढ़ते ही संगम क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है। दुकानदारों और घाटियों ने अपना सामान समेटना शुरू कर दिया है। लोग नावों, सिर पर बोझ और ठेलों के सहारे सुरक्षित स्थानों की ओर जाते दिख रहे हैं। तीर्थपुरोहितों ने भी घाट किनारे लगी अपनी छावनियां और तख्त हटाना शुरू कर दिया है। प्रशासनिक स्तर पर भी निगरानी तेज हो गई है। सिंचाई विभाग का कंट्रोल रूम 24 घंटे स्थिति पर नजर बनाए हुए है। संगम क्षेत्र में जल पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं, जबकि जिले की बाढ़ चौकियों को अलर्ट कर दिया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदियों के किनारे न जाएं और सतर्क रहें।

दलित लड़की को आतंकी बनायाःब्रेनवॉश करके केरल ले गए, जेहाद की ट्रेनिंग दी, पुलिस ने 2 को अरेस्ट किया

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज की नाबालिग दलित लड़की को केरल में आतंकी बनाने की ट्रेनिंग दी जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने नाबालिग लड़की का अपहरण किया। उसे प्रयागराज से केरल ले गए। जबरन धर्म परिवर्तन कराया। फिर उसे जिहाद के नाम ट्रेनिंग देने लगे। इसी बीच पीड़िता वहां से भागकर केरल के एक रेलवे स्टेशन पहुंची। इसी बीच, केरल की रेलवे पुलिस ने प्रयागराज पुलिस को फोन करके नाबालिग के बारे में जानकारी दी। पुलिस नाबालिग को प्रयागराज लेकर आई।लड़की पुलिस को बताया- कहकशा बानो ने मेरा ब्रेन बॉश किया। मुझे पैसे देने का लालच दिया। वह मुझे अपने साथ ले गई। उसके दोस्त लिलहट गांव निवासी मोहम्मद कैफ ने हम दोनों को बाइक से प्रयागराज जंक्शन स्टेशन तक पहुंचाया। इस दौरान मोहम्मद कैफ ने मेरे साथ छेड़खानी की। कहकशा बानो मुझे पहले दिल्ली ले गई। फिर ट्रेन से ही केरल लेकर पहुंची। यहां कहकशा बानो ने मुझे कुछ संदिग्ध लोगों से मिलवाया। जिन्होंने पहले

मुझे पैसे का लालच दिया। फिर बाद में मेरा जबरन धर्म परिवर्तन कराया। वहां पर रखकर जिहाद के लिए दबाव बनवाया। एक दिन मैं मौका पाकर वहां से भाग निकली। रेलवे स्टेशन पर पुलिस के पास गई और आपबीती सुनाई। केरल पुलिस ने मेरे परिजनों और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मुझे केरल में सीडब्ल्यूसी के सुपुर्द कर दिया। इसके बाद फूलपुर पुलिस पहुंची और मुझे घर लेकर आई। मां ने बताया- बेटी ने फोन कर कहा, मुझे बचा लो पीड़ित मां ने बताया- एक दिन मेरे पास बेटी ने फोन किया। उसने बताया कि कहकशा ने उसे केरल में पकड़ कर रखा है। उसका धर्म परिवर्तन करा दिया। उसने रोते हुए मुझसे कहा- मम्मी मुझे बचा लो। फिर मैं पुलिस के पास पहुंची और तहरीर दी। जब पुलिस में मैंने तहरीर दी तो आरोपियों ने फोन कर मुझे जान से मारने की धमकी दी। डीसीपी बोले- संगठित गिरोह चला रहे आरोपी डीसीपी कुलदीप सिंह ने बताया- पीड़िता की मां की तहरीर पर मोहम्मद कैफ और कहकशा पर केस दर्ज कर लिया गया। दोनों आरोपियों को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया। कहकशा बानो और मोहम्मद कैफ संगठित गिरोह चलाते हैं।जो दलित नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर कर आतंकवादी और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में धकेलने का काम करते हैं। इस मामले में पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है। इसके लिए तीन टीम बनाई गई हैं। बताया कि पीड़िता को बरामद कर सीडब्ल्यूसी के आदेश पर वन स्टाफ सेंटर प्रयागराज भेजा गया है।

थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा 01 बच्चे को बरामद कर सकुशल परिजनों को किया गया सुपुर्द

सोनभद्र। थाना हाथीनाला पर हाथीनाला पार्क के वॉचर द्वारा थाना पर सूचना दिया गया कि दिनांक 29.06.2025 को समय करीब 15.00 बजे एक 2.5 वर्ष का बच्चा हर्षित पटेल अपने माता-पिता से बिछड़ गया है। प्राप्त उक्त सूचना पर थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए काफी खोजबीन के प्रयास के पश्चात हर्षित पटेल उपरोक्त के परिजनों का पता लगाया गया। हर्षित पटेल उपरोक्त के माता-पिता सरदार पटेल पुत्र कामता सिंह व पूनम पत्नी सरदार पटेल निवासीगण वार्ड नम्बर 02 दुद्धी थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र को सकुशल सुपुर्द किया गया। अपने बच्चें को सकुशल वापस पाकर बच्चे के परिजनों एवं आमजनमानस द्वारा पुलिस टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी। बरामद करने वाली टीम- 01.प्रभारी निरीक्षक भैया एसपी सिंह थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र।02.उ0नि0 रामबचन सिंह यादव थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र। 03.हे0का0 तेरसू यादव थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र। 04.म0का0 स्वाती सिंह थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र।

सीएम डैशबोर्ड से संबंधित विकास कार्यों एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न,डीएम ने कहा- जनपद की रैंकिंग में सुधार लाए अधिकारी

रायबरेली। जनपद के हर पात्र व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जिलाधिकारी

हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड के अंतर्गत विकास एवं निर्माण कार्यों सहित संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों व कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों को समय से और गुणवत्तापरक पूर्ण किया जाए। जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड में जिन विभागों की रैंकिंग ठीक नहीं है,नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि अपने कार्यों की प्रगति में सुधार लाए, जिन विभागीय अधिकारियों द्वारा अपने कार्यों की प्रगति में संतोषजनक सुधार नहीं किया जाएगा, उनकी जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। जल जीवन मिशन के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की प्रगति भी संतोषजनक न होने पर निर्देशित किया गया कि समयबद्ध कार्यों को गुणवत्ता व मानक के अनुरूप पूर्ण कराया जाए। छात्रवृति व फैमिली आईडी की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि लक्ष्य के सापेक्ष शतप्रतिशत कार्यवाही सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को दिलाया दिलाया जाए।बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अमृता सिंह,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नवीन चंद्रा,जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार,पीडी सतीश प्रसाद मिश्रा सहित अन्य संबंधित विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान की द्वितीय टास्क फोर्स बैठक सम्पन्न,जिलाधिकारी के निर्देश पर संचारी रोग को सफल बनाने के लिए लगाए गए जिला स्तरीय अधिकारी

रायबरेली। संचारी रोग नियंत्रण अभियान की द्वितीय जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय में हुई ।जिलाधिकारी ने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान को सफल बनाने के लिए ग्रामीण स्तर पर भी जिला स्तरीय अधिकारियों को भेजा जाए। इसके लिए अधिकारी कम से कम पांच ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर यह सुनिश्चित कराएंगे की कार्य माइक्रो प्लान के अनुसार हो रहा है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में साफ सफाई, झाड़ियों की कटाई, एंटी लारवा का छिड़काव,फॉगिंग आदि कार्य के अलावा जन जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नवीन चंद्र ने बताया कि ब्लॉक एवं तहसील स्तर की टास्क फोर्स की बैठक खंड विकास अधिकारी एवं उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न की जा चुकी है। अभियान को सफल बनाने के लिए विभागीय अधिकारियों द्वारा भी माइक्रो प्लान बना लिए गए है।बैठक में स्वास्थ्य विभाग से डीएमओ रमेश चन्द्र यादव, डा अरुण कुमार, डा राकेश यादव, डा शरद कुमार, डा अरविन्द कुमार, डा अम्बिका प्रकाश,डॉ अशोक, डब्लूएचओ से एसएमओ सी एल पटेल, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेंद्र सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी, जिला उद्यान अधिकारी जयराम वर्मा, ईओ नगर पालिका स्वर्ण सिंह जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पांडेय,जिला कार्यक्रम अधिकारी विनय सिंह व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

यश दयाल के कई लड़कियों से संबंध,गाजियाबाद की पीड़िता बोली-15 दिन उनके घर रही, ऊटी ट्रिप पर गई

'यश दयाल का कई लड़कियों से संबंध है। यह शक मुझे पहले से था, लेकिन मुझे विश्वास नहीं हो रहा था। अचानक से 17 अप्रैल को यश से बात करने वाली एक लड़की ने मुझे फोन किया। उसने

यश के धोखेबाज होने और अन्य लड़कियों से बात करने के प्रूफ दिए।' ऐसा बताया क्रिकेटर यश दयाल पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली गाजियाबाद की युवती का। वो ल्कि टेक कंपनी में मोटिवेटर और काउंसलर के तौर पर काम करती थीं। पीड़िता ने कहा कि यश दयाल को 2020 में नवंबर-दिसंबर से जानती हूं। सोशल मीडिया पर पहले कनेक्ट हुई थी। प्रयागराज में ही पहली मुलाकात हुई थी। हमारी दोस्ती पिछले करीब साढ़े 4 साल से है। उनके घर पर कई बार रही हूं। परिवार के साथ में समय बिताया है। शादी का आश्वासन यश दयाल और उनका परिवार देकर उम्मीद बांधता रहा। 2022 में यश दयाल गुजरात टाइटंस टीम का हिस्सा थे। टीम चैंपियन बनी थी। मैं भी उनके परिवार के साथ में फाइनल के दौरान मौजूद थी। सबकुछ सही ढंग से आगे बढ़ रहा था, लेकिन पिछले ढाई साल में यश दयाल ने कई लड़कियों से संबंध बनाए। जिसके बाद उनके परिवार और दोस्तों ने उनको लेकर कई तरह की बात कही है।पीड़िता ने बताया कि 17 अप्रैल को बहुत अजीब चीजें देखीं। जिसके बाद मैं यश दयाल से डिस्कनेक्ट रहने की कोशिश करने लगी हूं। यश मैरिज टर्म पर मेरे साथ में थे, लेकिन एक लड़की के तौर पर आप एक पार्टनर को वहीं तक ले जा सकते हैं, जहां पर वो आपको ईमानदार और लॉयल दिखेगा। यह चीजें दिखनी बंद हो गई थीं। इनकी फेमिली भी हमें पिछले ढाई साल से उम्मीद दे रही थी, लेकिन इसी समय यह लोग कुछ और लड़कियों के साथ में यह कर रहे थे। सोशल मीडिया पर कई चीजें चल रही हैं।पीड़िता ने कहा कि यश दयाल के पिता का कहना है कि वो मुझे नहीं जानते हैं। 2022 आईपीएल में गुजरात टाइटंस की टीम चैंपियन बनी थी। उस समय मैं, यश दयाल के फादर और मदर भी साथ में थे। सितंबर 2022 में 13-15 दिनों के लिए और नवंबर-दिसंबर 2023 में उनके घर पर रहकर आई हूं। बीच-बीच में

भी लगातार आना-जाना लगा रहता था। उनकी बहन से भी मुलाकात होती रहती थी। जैसे मेरे साथ संबंध थे, इनके परिवार के लोगों का और लड़कियों के साथ ही इसी तरह से व्यवहार था।युवती ने बताया कि तीन लड़कियां ऐसी हैं, जो मेरे टच में हैं। इन लड़कियों से भी यश दलाल के संबंध थे। इन्हें भी धोखा दिया गया है। जिस ऐप से यश दयाल घरेलू सामान मंगाते हैं, वो ऐप उनके मोबाइल में भी खुलता है। रिंकू- प्रिया सरोज की सगाई से एक दिन पहले यश दयाल 7 जून को लखनऊ के एक होटल में ठहरे थे। इस दौरान उस ऐप से कई आपत्तिजनक सामान ऑर्डर किए गए थे। जिसे देखने के बाद और धक्का लगा। इसकी जानकारी अन्य लकड़ी को भी दी। जिसके बाद उन लड़कियों को भी अपने हैंडल से हटा दिया और ब्लॉक कर दिया।पीड़िता का कहना है कि लोग बोल रहे हैं कि यह तो कॉमन है। ब्रेकअप कर लेती, लेकिन सामने वाला आदमी अगर आपको नहीं बता रहा है तो आपको कैसे पता होगा? सामने वाला यह जाहिर ही नहीं होने दे रहा था कि धोखा कर रहा है। यश ने हमेशा कहा कि वो उनके साथ है। जब सामने वाला यह नहीं दिखा रहा तो ब्रेकअप कैसे कर लें? मैंने भगवान के भरोसे इनको छोड़ दिया था, लेकिन उसके बाद इनके परिवार और यश दयाल ने बहुत बुरा बोला। प्यार में आत्मसम्मान नाम की एक चीज होती है, जिसे लड़कियां खो देती हैं। मैं उस चीज के लिए भी लड़ रही हूं, जिस छोटी लड़की के साथ में यश दयाल ने गलत किया। यश दयाल छिपे हैं, छिपे रह जाएं। उनके परिवार और उन्होंने यही किया है।युवती ने कहा कि सोशल मीडिया से ही यश दयाल से मिली थी। वह मैनिपुलेट करने वाले हैं। 2023 से यश दयाल से परेशान रहने के कारण मैं थक गई थी। एजुकेशन टेक्नोलॉजी सेक्टर में काम कर रही थीं। यश दयाल ने कहा कि फेमस होने के बाद चीजें बदल गई हैं। मेरे पास में प्रूफ नहीं था, इसलिए मैं कुछ नहीं कर पा रही थी। मैं इनके लिए इमोशनली सेंसिटिव थी। इनके दोस्तों ने मुझे बताया कि आईपीएल के बाद वह उनके पास आएंगे। यह 4 से 5 लड़कियों के साथ में रिलेशन में थे। इनमें से कुछ नाम भी मेरे पास में हैं। पिछले ढाई साल से यह संपर्क में थे। इसने मुझे साइको का टैग दिया था।पीड़िता ने बताया कि इस साल इंगेजमेंट का भी ऑफर दिया था।

01 से 07 जुलाई तक जन्मजात कटे होंठ एवं कटे तालू के मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण/उपचार कैंप का होगा आयोजन

रायबरेली। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नवीन चंद्रा ने बताया है कि जनपद रायबरेली में स्माइल ट्रेन संस्था द्वारा राष्ट्रीय

बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के सहयोग से जन्मजात कटे होंठ एवं कटे तालू के मरीजों का निःशुल्क आपरेशन एवं उपचार हेतु 01 जुलाई से 07 जुलाई 2025 तक (प्रातः 10:00 सायं 02:00 तक) पंजीकरण कैम्प का आयोजन किया जाना है। निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण/उपचार किए जाने के लिए परीक्षण कैलेंडर के अनुसार विकासखंडवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी जनपद रायबरेली में निशुल्क पंजीकरण का आयोजन किया गया है। निर्धारण परीक्षण कैलेंडर के अनुसार 01 जुलाई को ब्लॉक बछरावां, शिवगढ़, महाराजगंज, अमावां व हरचंदपुर के लिए परीक्षण स्थल- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महाराजगंज रायबरेली में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण/पंजीकरण का आयोजन किया जाएगा।इसी प्रकार 02 जुलाई को ब्लॉक जगतपुर, ऊंचाहार, व दीनशाहगौरा का स्वास्थ्य परीक्षण/पंजीकरण का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगतपुर रायबरेली में किया जाएगा। 03 जुलाई को ब्लॉक लालगंज, सरेनी, डलमऊ व खीरों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज रायबरेली में, 04 जुलाई 2025 को ब्लॉक रोहनिया, सलोन, डीह व न0पं0 नसीराबाद का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलोन रायबरेली में, 05 जुलाई को ब्लॉक राही, नगरीय क्षेत्र, सतावं, समस्त ब्लॉक के छूटे हुए मरीजों एवं जिले के समीप के ब्लॉक के लिए कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी रायबरेली में आयोजन किया गया है। संस्था द्वारा बच्चों का पंजीकरण कर हेल्थ सिटी ट्रामा सेन्टर एवं सुपर स्पेशिलिटी हास्पिटल विजय खण्ड-2 गोमती नगर लखनऊ में डा0 वैभव खन्ना (एम0एस0एम0सी0एच0) प्लास्टिक सर्जन / प्रोजेक्ट डायरेक्टर स्माइल ट्रेन द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण / उपचार किया जायेगा।मुख्य चिकित्साधिकारी ने समस्त चिकित्सा अधीक्षक/प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सामु0/प्रा0स्वा0 केंद्र रायबरेली को निर्देशित किया है कि अपने अधीनस्थ आर0बी0एस0 टीम के सदस्यी/ए0एन0एम0 तथा आशा/क्षेत्रीय कार्यकर्ता (महिला/पुरुष)/आंगनवाड़ी कार्यकत्री को निर्देशित करें कि क्षेत्र भ्रमण में जो भी बच्चे जन्म से कटे होठ व कटे तालू से ग्रसित पाये जाये उनके अभिवावकों को इस सम्बन्ध में जानकारी देना सुनिश्चित करे जिससे अधिक से अधिक लोग निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण/उपचार का लाभ उठा सके। अधिक जानकारी के लिये डी0ई0आई0सी0 प्रबंधक रायबरेली नितेश जायसवाल, मोबाइल नं0 8795838400 एवं स्माइल ट्रेन संस्था के प्रतिनिधि नीरज कुमार शर्मा के मोबाइल नं0 9454159999, 9565437056 पर संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

सपा नेता रामगोपाल यादव का 79वां जन्मदिन मनायाःप्रयागराज में यज्ञ और सेवा कार्यक्रम का आयोजन, साधु-संतों को वस्त्र वितरण

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव और

राज्यसभा सांसद प्रो. रामगोपाल यादव के 79वें जन्मदिन पर रविवार को प्रयागराज में श्रद्धा और संस्कार का अनूठा संगम देखने को मिला। सपा के प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में शहर के जार्ज टाउन स्थित श्रीपीठम् आश्रम की यज्ञशाला में भव्य यज्ञ और हवन का आयोजन किया गया। योगिराज श्री रमेश जी महाराज के मार्गदर्शन में विद्वान आचार्यों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें प्रो. यादव के उत्तम स्वास्थ्य, प्रसन्नचित्तता और दीर्घायु की प्रार्थना की गई। इस अवसर पर संगम तट पर साधु-संतों और जरूरतमंदों को वस्त्र व फल वितरण कर सेवा कार्य भी किया गया।इस आयोजन के माध्यम से नरेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रो. रामगोपाल यादव राजनीति के उस स्वरूप का प्रतिनिधित्व करते हैं जहाँ संयम, मर्यादा और जनकल्याण सर्वोपरि होता है। उन्होंने कहा, 'प्रो. साहब अपने सार्वजनिक जीवन में वाणी और व्यवहार दोनों में मर्यादा का अनुपालन करते हैं। वे कर्म और मर्यादा के वास्तविक संगम हैं।' नरेन्द्र सिंह ने ईश्वर से प्रार्थना की कि प्रो. यादव को स्वस्थ, सक्रिय और दीर्घजीवी रखें ताकि वे समाज और देश के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रो. यादव की सहजता, संवेदनशीलता और राजनीतिक संत जैसा स्वभाव उन्हें विशिष्ट बनाता है। इस अवसर पर आगमाचार्य योगिराज श्री रमेश जी महाराज, श्री महंत बृज भूषण दास, महंत लक्ष्मण दास, महंत रामदास, संत बक्स सिंह, पीयूष सिंह, हिमांशु सिंह, भरत महाराज, पप्पू पंडित, आर.एन. यादव, पूर्व प्रमुख संदीप यादव सहित बड़ी संख्या में साधु-संत, समाजसेवी और राजनैतिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समाजवादी विचारधारा के इस सशक्त स्तंभ के जन्मदिवस पर मन, मंथन और सेवा के साथ श्रद्धांजलि दी गई, जो आने वाली पीढ़ियों को राजनीति के संस्कार से जोड़ने का सशक्त माध्यम बना।

आगामी त्यौहार मोहर्रम व सावन माह के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व मे थाना रॉबर्ट्सगंज पर धर्मगुरुओं/गणमान्य व्यक्तियों के साथ की गयी पीस कमेटी की बैठक,शांति व सद्भाव बनाए रखने की, की गयी अपील

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में आगामी त्यौहार

मोहर्रम, सावन माह/कांवड़ यात्रा पर शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत आज दिनांक 29.06.2025 को क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 चारू द्विवेदी के द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज पर पीस कमेटी की गोष्ठी आयोजित की गयी। इस दौरान गोष्ठी में उपस्थित सभी सम्प्रदाय के धर्मगुरुओं व सम्भ्रान्त व्यक्तियों से वार्ता कर आगामी त्यौहार मोहर्रम जुलूस व सावन माह/कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की गयी, साथ ही सभी से अपील की गयी कि अराजक तत्वों के सम्बंध में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें। इसके अतिरिक्त बैठक में उपस्थित अधिकारी/ कर्मचारीगण को भी थाना क्षेत्र में सतर्क दृष्टि रखते हुए आगामी त्यौहार को सकुशल व शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु निर्देशित किया गया।

आरडीए ने अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई

रायबरेली। रायबरेली विकास

प्राधिकरण द्वारा अवैध रुप से की गयी प्लाटिंग को ध्वस्तीकरण अभियान के अन्तर्गत प्राधिकरण टीम द्वारा सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार एवं पुलिस बल थाना-भदोखर एवं मिल एरिया की उपस्थिति में जोन-6 में की गयी अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी, जिसमें अजय कुमार अग्रवाल एवं रीता अग्रवाल द्वारा लगभग-20,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल पर ग्राम-राधानगर, जगदीशपुर, गजोधर पुर, दूली महरानी मन्दिर के निकट।इसी प्रकार अजय कुमार अग्रवाल एवं रीता अग्रवाल द्वारा लगभग-25,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल ग्राम-बेहटासुई, दूली महरानी मन्दिर के निकट नाला पुल के समीप एवं बृजेश सोनकर द्वारा लगभग 2000 वर्गमीटर क्षेत्रफल पर गंदानाला के निकट परशदेपुर रोड़ किशुन का पुरवा, रायबरेली। अवैध निर्माण/अवैध प्लाटिंग के विरुद्ध आगे भी ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जाती रहेगी।

आरटीई एक्ट का उल्लंघन कर बच्चों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा-राजेश शुक्ला

रायबरेली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ,शाखा-रायबरेली की बैठक आज पूर्व मा0 विद्यालय चक अहमदपुर नजूल में

जिलाध्यक्ष श्री राजेश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्री राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि विभाग आज मनमानीपूर्ण तरीके से विद्यालय बंद करने पर आमादा है,आरटीई एक्ट कहता है कि प्रत्येक बच्चे को एक किलोमीटर के अंदर प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध होनी चाहिए लेकिन विभाग अपनी मनमानी के आगे कुछ भी सुनने को तैयार नहीं है।संघर्ष समिति के अध्यक्ष श्री पंकज द्विवेदी ने कहा कि विद्यालय प्रबंध समिति की अनदेखी करके आनन फानन में गुप चुप तरीके से मर्जर आदेश बांटे जा रहे हैं। जनपदीय संयुक्त मंत्री डा चंद्र मणि बाजपेई ने कहा कि संगठन का संघर्ष का इतिहास रहा है,संगठन इसकी भी लडाई लडेगा।जनपदीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री राजेश यादव ने कहा कि इस उत्पीडन के खिलाफ क्रमबद्ध लडाई लडनी पडेगी। जनपदीय उपाध्यक्ष श्री सत्येश सिंह व श्री अनुराग शुक्ला ने कहा कि विद्यालय प्रबंध समिति की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी,आगामी 30 जून को ब्लाक स्तरीय बैठक के माध्यम से ग्राम प्रधान,विद्यालय प्रबंध समिति,अभिभावकों की आवाज को बुलंद किया जाएगा। बैठक का संचालन जिला मंत्री मुकेश चंद्र द्विवेदी ने किया।इस अवसर पर हरचंदपुर अध्यक्ष श्री अरविन्द द्विवेदी,जगतपुर अध्यक्ष डा संजय सिंह,सरेनी अध्यक्ष श्री राकेश द्विवेदी,महराजगंज अध्यक्ष श्री विनोद अवस्थी,सलोन अध्यक्ष श्री राजेश पाण्डेय,डीह अध्यक्ष श्री कमलेश ओझा,खीरों अध्यक्ष श्री नीरज हंस,छतोह अध्यक्ष श्री आदित्य पाण्डेय,बछरावां अध्यक्ष श्री अमन शुक्ला,रोहनियां अध्यक्ष श्री पवन शुक्ला,श्री मोहम्मद सगीर,श्री अभिषेक मिश्र,श्री अनुज त्रिवेदी,श्री रमेश सिंह,श्री मुकुट बिहारी मिश्र,श्री शांत कुमार सिंह आदि शिक्षक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

परिषदीय विद्यालयों को बंद करने के आदेश का किया विरोध

सोनभद्र । रॉबर्ट्सगंज : भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) माकपा , जिला कमेटी सोनभद्र के जिला मंत्री नन्दलाल आर्य के

नेतृत्व में कार्यकताओं ने योगी सरकार के जन विरोधी नीतियों के तहत प्रदेश के 5000 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक परिषदीय विद्यालयों को बंद करने की आदेश का विरोध किया कहा कि जनपद सोनभद्र के 84 प्राथमिक विद्यालय भी शामिल हैं। सवाल है कि आखिर क्या है इसके पीछे की बड़ी वजह योगी सरकार को इतना बड़ा फैसला लेना पड़ा । क्या सरकार बच्चों के भविष्य और गांव की शिक्षा प्रणाली को खत्म करना चाह रही है ? क्या वास्तविक में विद्यालय चलाने के लिए संसाधन की कमी है या जान बूझकर परिषदीय विद्यालयों को सरकार चलाना नहीं चाहती । प्रदेश की सरकार के पास शराब की दुकान चलाने के लिए संसाधन है लेकिन परिषदीय विद्यालय के लिए नहीं है जबकी यहां प्राइवेट स्कूलें धड़ल्ले से बगैर आंकड़े के संचालित हो रही है तो सरकार का ध्यान कहां है विद्यालयों में बच्चे कैसे कम हो रहे हैं इसे बढ़ाया क्यों नहीं जा रहा । प्रतीत होता है कि योगी सरकार का पूरा प्लान ही सरकारी स्कूलों को बंद कर प्राइवेट के हवाले करने का है। वैसे भी उत्तर प्रदेश में पहले से ही 1,93000 शिक्षकों की जगह खाली है इसके अलावा बेरोजगारों की लम्बी लाइन है दूसरी तरफ राइट टू एजुकेशन संविधान के मौलिक अधिकार में शामिल है के वावजूद राज्य सरकार ने प्रदेश में पांच हजार विद्यालयों को बंद कर बड़ा अपराध किया है। स्कूल को बेहतर बनाने के लिए 2015 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने भी एक आदेश पारित कर सभी सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को के साथ जन प्रतिनिधि के बच्चे भी सरकारी स्कूलों में पढ़ेंगे जिससे आपसी भाईचारा, समानता और शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ेगी। जबकि भाजपा की योगी सरकार धीरे धीरे शिक्षा व्यवस्था को खत्म कर प्रदेश को अंध विश्वास के तरफ ले जाकर कहीं न कहीं परदा के पीछे से मनु के क़ानून को लाना चाहती है जबकि इंसान को भोजन कपड़ा और आवास के बाद सबसे बड़ा जरूरी शिक्षा की है । इस लिये भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) माकपा, के कार्यकर्ताओं ने सात सूत्रीय मांगों के साथ महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश राज भवन लखनऊ के नाम जिलाधिकारी सोनभद्र को मांग ज्ञापन सौंपकर सरकार के फैसले को वापस लेने की मांग किया है। इस अवसर पर जिला मंत्री परिषद सदस्य का. प्रेमनाथ , का. पुरुषोत्तम का. श्याम नारायणन सिंह, जिला कमेटी सदस्य का. लल्लन राम , ब्रांच मंत्री चुर्क हनुमान प्रसाद , वरिष्ट समाज सेवक माथुर प्रसाद , एड. चन्द्रमा प्रताप , जगनारायण, सुजीत कुमार सिंह , अजीत कुमार सिंह आदि साथी मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ ने विद्यालय मर्जर के खिलाफ एमएलसी को ज्ञापन सौंपा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद इकाई प्रयागराज ने बातों का समर्थन किया और कहा कि वह सरकार के इस फैसले के खुद भी

जिलाध्यक्ष शंकर चंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में एमएलसी मान सिंह यादव से मुलाकात करके विद्यालयों के मर्जर के खिलाफ ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष ने एमएलसी मान सिंह यादव को अवगत कराया कि जनपद में पचास से कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों का मर्जर किया जा रहा है यह कहीं से भी उचित नहीं है क्योंकि इससे ग्रामीण क्षेत्रों के नौनिहालों की शिक्षा बाधित होगी। एमएलसी ने उनकी खिलाफ है। उन्होंने कहा कि वह संघ के इस मुद्दे को विभिन्न माध्यमों से हर मंच पर उठायेंगे और इस फैसले को रद्द कराने में पूरा सहयोग प्रदान करेंगे।इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अब्दुल कुद्दूस खान, संयुक्त मंत्री मनोज पाण्डेय, कमलेश यादव, मिथिलेश यादव, पल्लवी त्रिपाठी, मनोज खन्ना,अखिलेश द्विवेदी,मो.अब्दुल आदि लोग उपस्थित रहे।

वर्षाऋतू में बीमारियों से बचने के दिए निर्देश

मैहर/जिला सिविल अस्पताल प्रभारी डाक्टर आर एन पाण्डेय ने बताया कि वर्षा

ऋतु में मुख्य रूप से दूषित जल के उपयोग से होने वाली बिमारियों से बचने की सलाह दी है उन्होंने कहा कि जिले में वर्षाकाल शुरू है वर्षाकाल में दूषित जल के सेवन से टाईफाइड, पीलिया, डायरिया, पेचिस, एवं हैजा जैसी बीमारिया फैलती है अतः भोजन बनाने एवं पेयजल के उपयोग में शुद्ध उबला हुआ जल का उपयोग करें कुछ भी खाने से पहले व शौच के पश्चात साबुन से अवश्य हाथ धोये पानी और स्वच्छता आदतों से फैलने वाली बीमारियों मोटे तौर पर दस्त संक्रमण त्वचा और आंखों के रोग मच्छरों एवं मक्खियों से फैलने वाले रोग सम्मिलित हैं बच्चों में दूषित पानी और खाघ पदार्थों के कारण उल्टी - दस्त का प्रकोप अधिक गंभीर रूप धारण कर सकता है सड़े-गले फल एवं खाद्य पदार्थों का उपयोग न करे खुले में शौच न करें एवं शौचालय का उपयोग करें श्री पांडेय ने कहा कि परिवार के सभी सदस्य अलग अलग तौलिया एवं रुमाल का उपयोग करें स्वच्छ पानी का उपयोग करें बार बार आंख को हाथ न लगायें धूप के चश्मे का प्रयोग करें चिकित्सक को दिखाये बरसात में मलेरिय और डेगू रोग भी फैलता है जिसमें मरीज़ को ठण्ड लगकर बुखार आता हैं।

कमलेश ओझा को बिहार के चुनाव का ओबजरवर बनाया गया

सोनभद्र। जिला/शहर कांग्रेस कमेटी कार्यालय मे पूर्व प्रदेश सचिव व पूर्व प्रत्याशी राबर्टसगंज विधान सभा कमलेश ओझा को बिहार प्रदेश के चुनाव के लिए ओबजरवर नियुक्त किए जाने पर इनका स्वागत किया गया स्वागत करने वालो मे निवर्तमान प्रदेश सचिव इद जितेंद्र पासवान शहर अध्यक्ष फरीद अहमद व शहर उपाध्यक्ष विशिष्ट चौबे ने किया ने स्वागत करते हुए कहा कि ओझा को बहुत ही महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व राहुल गाँधी द्वारा दी गयी है जिसके लिए शीर्ष नेतृत्व आभार ब्यक्त करते कहा कि राहुल गांधी का निर्देश की नवजवान नेताओं को वरियता दी जाएगी वो सत्य साबित हो रही हैं इसके लिए शीर्ष नेतृत्व का हृदय से व्यक्त करते हैं ओझा एक अच्छे संगठन कर्ता है मुझे आशा ही नहीं पूरा विश्वास है कि वो अपने कार्यो को बखूबी

निभाएंगे शहर अध्यक्ष फरीद ने स्वागत करते हुए कहा कि बिहार चुनाव की तैयारी कौंग्रेस जिस तरह कर रही है उसमे लगता है कि गठबंधन की सरकार बनना तय है। उपस्थित लोगों ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया तदुपरांत प्रेस से वार्ता करते हुए कमलेश ओझा ने कहा की मैं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व जननायक राहुल गाँधी प्रियंका गांधी का आभार व्यक्त करते हैं कि एक अदना कार्यकर्ता को ये महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है उसे मैं पूरे तन मन धन के साथ निभाते हुए प्रत्याशियों को जिताने का प्रयास करूँगा. मेरे लिए यह चुनौती पूर्ण कार्य है जिसे पूर्ण लगन व ईमानदारी से निभाने की कोशिश करूंगा।

संविधानिक लोकतन्त्र आयोजित सम्मेलन प्रतिभाग करेगी चेयरमैनः रूबी प्रसाद

सोनभद्र। अपर निदेशक नगर निकाय निदेशालय उ0प्र0 सेक्टर-7 गोमतीनगर विस्तार लखनऊ से आया है वही 03-04 जुलाई, को

हरियाणा के गुरुग्राम में 'संविधानिक लोकतन्त्र को मजबूत करने और राष्ट्र निर्माण में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका विषयक' पर आयोजित सम्मेलन हेतु राज्य की नगरीय निकायों के मेयर/पार्षद/ सभासद को नामित किया गया है जिसमें पूर्वान्चल से अल्का, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद देवरिया एवं जनपद सोनभद्र से रूबी प्रसाद, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद सोनभद्र का चयन किया गया है। नगर पालिका परिषद सोनभद्र एवं जनपद सोनभद्र के लिये यह एक गौरव का क्षण एवं हर्ष का विषय है। जनपद की महिला जनप्रतिनिधि का चयन इस बात को इंगित करता है कि राज्य सरकार/केन्द्र सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु कितनी गम्भीर एवं सजग है। नगर पालिका परिषद सोनभद्र के सभासद अनवर अली , सभासद मनोज कुमार चौबे, गायत्री , उषा जैन के अतिरिक्त कर्मचारियों द्वारा अध्यक्ष महोदया को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गयी। रूबी प्रसाद, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि उक्त सम्मेलन में अपने जनपद का प्रतिनिधित्व करते हुये राष्ट्र निर्माण में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका विषय पर अपना पक्ष मजबूती से रखूँगीं।

व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाई गई दानवीर भामाशाह की जयंती

रायबरेली। रविवार को राज्य कर विभाग के तत्वाधान में दानवीर भामाशाह की जयंती को व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाया जाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक केंद्र रतापुर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने दीप प्रज्वलित व भामाशाह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी के दानवीर भामाशाह जयंती वेब सजीव प्रसारण कार्यक्रम को भी एलईडी स्क्रीन पर देखा गया। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने इस अवसर पर व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि दानवीर भामाशाह ने जिस तरह महाराणा प्रताप की सहायता कर देश भक्ति का परिचय दिया। उसी प्रकार हमारे व्यापारी भाई अपनी मेहनत की कमाई का कर देकर देश,राज्य, और जनपद के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे

हैं। उन्होंने दानदाताओं और करदाताओं को आधुनिक भामाशाह कह कर संबोधित किया। राष्ट्र निर्माण में करदाताओं का सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है। यदि व्यापारियों को किसी प्रकार की भी समस्या हो तो उसके लिए तत्काल प्रशासन से संपर्क कर सकते है। प्रशासन उनके व्यापार को सुरक्षा उपलब्ध कराएगा। संस्कृति विभाग ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राज्य मंत्री ने प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल अतुल गुप्ता, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष उदित आजाद, लघु उद्योग भारती जिलाध्यक्ष राजकमल आजाद, प्रदेश महासचिव सुरेश गुप्ता, अध्यक्ष प्रदेश व्यापार मंडल चौहान गुट जी सी चौहान को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर सीडीओ अर्पित उपाध्याय,एडीएम (प्रशासन) सिद्धार्थ के अतिरिक्त वाणिज्य कर और सांस्कृतिक विभाग के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में दी गई जानकारी

सोनभद्र। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के आदेशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र के निर्देशानुसार शनिवार को पंचशील स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल रावर्टसगंज सोनभद्र में मिशन शक्ति विषय पर विधिक

जागरूकता शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे सत्यारमण त्रिपाठी डिप्टी चीफ एल ए. डी. सी. एस. सोनभद्र जय प्रकाश असिस्टेण्ट एल.ए.डी.सी एस. सोनभद्र डा0 अनुपमा मौर्या एम.बी.बी.एस. डी. जी. सी. पंचशील हास्पिटल रावर्टसगंज सोनभद्र डा0 दीप नरायण, पवीत मौर्या एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। जिसमे उपस्थित सभी लोगों को आवाज उठाओ राष्ट्रीय महिला आयोग-1990 दहेज प्रतिषेद अधिनियम 1961 समान पारिश्रमिक अधिनियम-1976 अधिनियम 1956 विशेष विवाह अधिनियम 1954 सती प्रथा रोकथाम अधिनियम 1987 वन स्टाफ सेन्टर 181 यौन उत्पीडन भारतीय दण्ड संहिता धारा 354 के तहत ईव टीजिंग (लड़की को छेडना) तथा कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम निषेध व निवारण अधिनियम 2013 पति के मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना, दाम्पत्ति पुरस्कार योजना, दहेज से पीडित महिलाओं को आर्थिक सहायता मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) स्पान्सरशिप योजना, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ, सेनेटरी नैपकीन योजना दहेज प्रतिषेध कानून घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 लैंगिक अपराधों से संरक्षण कार्यस्थल पर यौन शोषण संबंधी अधिनियम गर्भ का चिकित्सीय समापन अधिनियम 1971 बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम गिरफ्तारी से पूर्व गिरफ्तारी के समय एवं उसके बाद महिलाओं के अधिकार संबंधी प्रावधान व कानून पूर्वगभीधान और प्रसवपूर्व निदान तकनीक अधिनियम 1994 तथा विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 अधिनियम की धारा 12 के अन्तर्गत महिलाओं को निशुल्क विधिक सेवा प्राप्त करने के अधिकार के बारे में उन्हे जागरूक किया गया। तथा महिला हेल्पलाइन नं0 1090 एवं नालसा पोर्टल 15100 हेल्पलाइन न0 एवं विभिन्न साइबर अपराधों के बारे में भी जागरूक किया गया।यह जानकारी शैलेन्द्र यादव अपर जनपद न्यायाधीश/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा दी गयी ।

समाधान दिवस पर आए 25 शिकायतो का हुआ निस्तारण

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय

निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र, एवं मुकेश कुमार चौधरी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र, की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। तत्कम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 5, नगर पंचायत घोरावल में 3. नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2. नगर पंचायत चोपन में 4, नगर पंचायत ओबरा में 2. नगर पंचायत रेनुकूट में 0, नगर पंचायत पिपरी में 3, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बाजार में 1, नगर पंचायत अनपरा मे 3, समस्त निकायों में कुल 25 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। मुकेश कुमार चौधरी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर सदस्यगण एवं नगर पालिका कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

थाना ओबरा पुलिस द्वारा मा0न्यायालय से निर्गत वारंट के क्रम में 01 नफर वारण्टी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के द्वारा अपराध एवं अपराधियों की

रोकथाम व फरार चल रहे वांछित /वारण्टी अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा के कुशल पर्यवेक्षण/नेतृत्व में थाना ओबरा पुलिस द्वारा मा0 न्यायालय सोनभद्र द्वारा निर्गत वारण्ट व कुर्की के आदेश के क्रम में 01 नफर वारण्टी अभियुक्त 1. रामआसरे पुत्र राम प्रसाद निवासी फफराकुण्ड थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 45 वर्ष, को आज दिनाँक 29.06.2025 को समय करीब 08.00 बजे गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार वारण्टीगण का विवरण - रामआसरे पुत्र राम प्रसाद निवासी फफराकुण्ड थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 45 वर्ष। गिरफ्तार करने वाली टीम - 01.उ0नि0 रामसागर पटेल थाना ओबरा जनपद सोनभद्र। 02.हे0का0 संतोष कुमार पटेल थाना ओबरा जनपद सोनभद्र।03.का0 यशवंत सरोज थाना ओबरा जनपद सोनभद्र।

दबंगों से परेशान आदिवासियों ने दुद्धी सीओ को शिकायती पत्र सौंपा,घर ढहाने, जमीन हड़पने व दहशत फैलाने का लगाया आरोप

सोनभद्र। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बघाडू के आदिवासियों ने दबंगों से परेशान होकर सोमवार को सीओ कार्यालय पहुंच कर शिकायती

पत्र दुद्धी सीओ आरके रॉय को सौंपा। उन्होंने मामले को गम्भीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। दिए शिकायती पत्र में आदिवासियों ने आरोप लगाया है कि दबंगों द्वारा आदिवासियों का घर व मकान ढहा दिया गया है। जमीन भी हड़पने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा दहशत भी फैलाया जा रहा है। जिसकी वजह से आदिवासियों का जीना दुश्वार हो गया है। अगर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई नहीं की जाती तो किसी भी दिन बड़ी घटना घटित हो सकती है। आदिवासियों ने दिए शिकायती पत्र में एक विशेष वर्ग के लोगों के ऊपर घर ढहाने, जमीन हड़पने व दहशत फैलाने का आरोप लगाया है। जिसमें गांव के शमशुल हक,अनायतुल्लाह,एजाज अहमद, अब्दुल करीम, मुस्ताक अहमद, अलामुद्दीन, अब्दुल, बहादुर अली, अजमत अली, तजुद्दीन शामिल हैं। इनलोगों पर आरोप है कि बाबूलाल गोड़, रामसुंदर, रामप्रसाद, लालबहादुर, अमृतलाल, रीता देवी व लीलावती की जमीन हड़पने व घर ढहाने का प्रयास किया जा रहा है। आए दिन जाति सूचक शब्दों से गाली देकर अपमानित करने के साथ ही दहशत फैलाने का काम किया जा रहा है। अगर शीघ्र मामले को गम्भीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई नहीं की जाती तो किसी भी दिन बड़ी घटना घटित हो जाएगी।दुद्धी सीओ आरके रॉय ने कहा कि मामले की जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। शिकायती पत्र देने वालों में रीता देवी, सावन्ती गोड़, बाबूलाल गोड़, रजनी गोड़, इंद्रावती, रामरक्षा,लीलावती देवी, शिवशंकर गोड़, कमला देवी, मुन्नी देवी, अवध बिहारी,पार्वती, मानकुंवर, राधेश्याम, गंगा प्रसाद, मीना देवी,अनीता, दौलतिया, देवकुमार, नारद, रामप्रकाश, रजवंती, प्रमिला,रामरतन, समुंद्री देवी, अमर सिंह मरकाम, पनमतिया देवी आदि शामिल रही।

होनहार बच्चों को पूर्व विधायक चेयमैन ने किया पुरस्कृत

नगर के होटल अरिहंत पर आयोजित हुई प्रतियोगिता

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज नगर के होटल अरिहंत पर रविवार को आयोजित हुई बच्चों की एक दिवसीय प्रतियोगिता अतिथियों ने किया बच्चों को पुरस्कृत बढ़ाया उत्साह। मुख्य अतिथि सपा पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा एवं नपा चेयरमैन रूबी प्रसाद व विजय कुमार जैन ने बताया कि होटल अरिहंत पर एक दिवसीय बच्चों का स्विमिंग प्रतियोगिता लेबल वन आयोजित किया गया जिसमें दो ग्रुप के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया जिससे अंडर 10 अंडर 14 के बीच स्विमिंग प्रतियोगिता शुरू की भूमिका निभा रहे जय प्रकाश शुक्ला ने किया वहीं दोनों टीमों ने सीनियर ग्रुप से प्रथम रहे अंश गुप्ता, द्वितीय अभय जालान, शौर्य वीर कुशवाहा तृतीय स्थान पाए वही जूनियन ग्रुप से श्याम कुमार प्रथम ,भास्कर द्वितीय,यशवीर तृतीय रहे इसके अलावा छात्राओं में प्रथम आस्था, द्वितीय नवनी, यश्विका तृतीय जूनियन ग्लास से आद्या गुप्ता प्रथम,आहू केसरी द्वितीय , अध्या सिंह तृतीय स्थान पाकर हुए सम्मानित।इस मौके पर डॉ जितेंद्र त्रिपाठी,सोनम सिंह,आरती मौर्या मौजूद रहे।

फाइनेंस के रिकवरी एजेंट ने बेटी से किया अश्लील हरकतःआरोप

युवती की मां ने चोपन थाने पर एप्लीकेशन देकर लगाई न्याय की गुहार

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के भभाईच गांव निवासी जगवंती पत्नी तीरथ ने बताया कि प्रार्थनी उपरोक्त

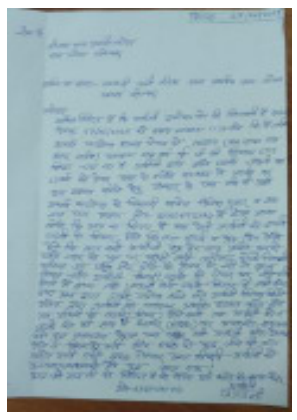

पते की निवासनी है घटना शुक्रवार को समय लगभग 11:30 बजे कि है प्रार्थनी उत्कर्ष फाइनेंस शाखा चोपन से (एक लाख दस हजार रुपए) लगभग एक वर्ष पूर्व ली थी जिसका ईंट किस्त चल रहा है प्रार्थनि आज अपने लड़की 10वर्ष को लेकर पास के मार्केट रजधन में लड़की का दवा इलाज कराने हेतु डॉक्टर के पास गई थी तभी उत्कर्ष फाइनेंस के रिकवरी एजेंट दिनेश कुमार व एक नाम पता अज्ञात मो. है कॉल आया बोले की आपका किस्त है कब देंगी प्रार्थनी को अपनी लड़की के बीमार होने की बात बताई व कुछ दिन पैसे बाद पैसे देने की बात कहीं प्रार्थनी कुछ देर बाद अपने घर से पहले नहर के पुल पर पहुंची तभी उपरोक्त दोनों रिकवरी एजेंट आ पहुंचे बोले कि किस्त दो नहीं तो ब्रांच चोपन चलो प्रार्थनी बीमारी लड़की को लेकर घर जाने लगी बोली मैं ब्रांच नहीं जाऊंगी मेरी लड़की बीमार हैं तभी एजेंट द्वारा युक्त गाली ग्लोज करने लगे प्रार्थनी विरोध की तो एजेंट द्वारा प्रार्थनी को पकड़कर अश्लील हरकते करने लगे तभी प्रार्थनी की लड़की (बीमार) रोने लगी तभी प्रार्थनी को व लड़की को भी साथ में बैठाकर बाइक पर मारकुंडी सलखन होते हुए बककटवा पेट्रोलपंप पहुंचा तभी प्रार्थनी भीड़ देखकर रोने व चिल्लाने लगी और बाइक से कूद जाने की बात कहने लगी तभी बाइक रोककर उक्त विपक्षी प्रार्थनी को उतारकर जान मारने की धमकी देते हुए भाग गया।अतः आप से निवेदन है रिपोर्ट दर्ज करने की कृपा करें।

बीजेपी ने सोनभद्र द्वारा आज जनपद के सभी 1515 बूथों पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस मनाया

सोनभद्र।भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र द्वारा आज जनपद के सभी 1515 बूथों पर भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए मोदी जी के मन की बात को सुना गया साथ ही एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत वृक्षारोपण भी किया गया। इस मौके पर भाजपा सोनभद्र के सभी पदाधिकारी, सभी जनप्रतिनिधिगण एवं कार्यकर्ताओं ने पूरे कार्यक्रम मे बढ़ चढ़कर सहभाग किया।इस अवसर पर जनपद सोनभद्र के भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी, बभनी मण्डल के बूथ सं0- 113 प्रा0वि0 चपकी में, भाजपा जिला प्रभारी अनिल सिंह जी, ओबरा मण्डल के बूथ सं0- 159 प्रा0वि0बिल्ली में, सदर विधायक भूपेश चौबे, डाला मण्डल में, घोरावल विधायक अनिल कुमार मौर्या, शाहगंज मण्डल के बूथ सं0- 59 पुरखास में उपस्थित रहे।साथ ही जनपद के सभी 1515 बूथों पर मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को सुना गया।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी ने कहा कि जिले मे कुल 1515 बूथ के सापेक्ष 15625 वृक्ष सभी मण्डल के सभी शक्ति केन्द्र के माध्यम से सभी बूथों पर उपलब्ध कराकर एक बूथ पर 10 वृक्ष का रोपण कर वृहद वृक्षारोपण सम्पन्न कराया गया। और

आगे कहा कि डॉ मुखर्जी ने एक देश में एक प्रधान, एक विधान, एक निशान के लिए 23 जून 1953 को अपना बलिदान दिया। डॉ मुखर्जी तत्कालीन सरकार में उद्योग मंत्री थे। उन्होंने धारा 370 के विरोध में मंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया। कश्मीर से धारा 370 हटाने के लिए आंदोलन शुरू किया और अंतिम सांस तक संघर्ष करते रहे। इस अवसर पर जिला प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि डॉ मुखर्जी को कुशल संगठनकर्ता और ओजस्वी वक्ता थे डॉ मुखर्जी ने भारतीय समाज और राजनीति में अमूल्य योगदान दिया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय राजनीति, शिक्षा और राष्ट्रवाद के क्षेत्र में अत्यंत प्रभावशाली व्यक्तित्व थे. वे स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग मंत्री, एक शिक्षाविद, और जनसंघ (भारतीय जनता पार्टी का पूर्ववर्ती स्वरूप) के संस्थापक थे. उनका जीवन देशभक्ति, सिद्धांतों और बलिदान का प्रतीक है. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को बंगाल (अब कोलकाता) में हुआ था।

संविधान विरोधी लोगों के खिलाफ जनजागरण व क्रांति जरूरीः कौशलेश पाठक

कांग्रेस सेवादल का मासिक ध्वज वंदन कार्यक्रम संपन्न

सोनभद्र। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष

लालजी देसाई के निर्देशानुसार व उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष डॉ0 प्रमोद पाण्डेय के आह्वान पर रविवार को जिला मुख्यालय स्थित चंडी तिराहे के संकट मोचन मंदिर प्रांगण में काँग्रेस सेवादल सोनभद्र द्वारा मासिक ध्वज वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । ध्वजारोहण हाजी सजाउदीन द्वारा किया गया।कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष कौशलेश पाठक ने कहा कि देश के सबसे पुराने क्रांतिकारी संगठन अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल द्वारा स्वाधीनता संग्राम के समय से ही सेनानियों को एकत्र करने और देश भर में क्रांति का संचार करने के लिए ध्वज वंदन होता रहा है। आज देश में जिन लोकतंत्र और संविधान विरोधी लोगों का शासन है उसके खिलाफ भी ऐसे ही जनजागरण और क्रांति की आवश्यकता है, जिसके लिए कांग्रेस सेवादल का एक एक कार्यकर्ता प्रतिबद्ध है। आगे सरकार पर निशाना साधते हुए श्री पाठक ने कहा कि जिस तरीके से आज लगातार महंगाई, बेरोजगारी बढ़ती जा रही है और सरकार का उस पर ध्यान नहीं है, बड़े उद्योगपतियों के हजारों करोड़ रुपये के कर्ज माफ कर दिए जा रहे हैं, किसानों के खाद, बीज, कृषि उपकरणों की कीमत बढ़ती जा रही है, लेकिन सरकार में बैठे लोग इससे निजात दिलाने में पूरी तरह से फेल हैं। आने वाले समय में निश्चित ही जनता इन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएगी । उक्त अवसर पर सोनभद्र कांग्रेस सेवादल के शहर अध्यक्ष शैलेन्द्र चतुर्वेदी, पूर्वी ज़ोन सेवादल महासचिव रामानंद पाण्डेय, आशुतोष पाठक,ब्रिजकिशोर शुक्ला, प्रमोद सिंह, सुरेंद्र कुमार, बदी पाल. लालमनी , राजेश सोनी, लालू विश्वकर्मा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पौधरोपण कर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मनाई बलिदान दिवस

सोनभद्र। अखण्ड भारत के प्रणेता जनसंघ के संस्थापक डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में भाजपा कार्यकर्ताओ ने रॉबर्ट्सगंज स्थित शिवाजी मिनी स्टेडियम बूथ संख्या

28 पर पौधरोपण किया तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतिव पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ धर्मवीर तिवारी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक बहुआयामी व्यक्तित्व के स्वामी ही नहीं, एक महान शिक्षाविद्, देशभक्त, राजनेता, सांसद, अदम्य साहस के धनी और सहृदय और मानवतावादी थे। भारत के राष्ट्रवादी महापुरूष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों में संपूर्ण भारत दिखता था। वे सम्पूर्ण भारत को एक रूप मानते थे। डॉ. मुखर्जी इस धारणा के प्रबल समर्थक थे कि सांस्कृतिक दृष्टि से हम सब एक हैं। इसलिए धर्म के आधार पर वे विभाजन के कट्टर विरोधी थे। की हम सब एक ही रक्त के हैं। एक ही भाषा, एक ही संस्कृति और एक ही हमारी विरासत है। परन्तु उनके इन विचारों को अन्य राजनैतिक दल के तत्कालीन नेताओं ने अन्यथा रूप से प्रचारित-प्रसारित किया। इसके बावजूद लोगों के दिलों में उनके प्रति अथाह प्यार और समर्थन बढ़ता गया। कहा कि डॉ. मुखर्जी ने अल्प आयु में ही बहुत बड़ी राजनैतिक ऊँचाइयों को पा लिया था। उन्होंने अपनी दृढ़ संकल्पशक्ति के साथ भारत के विभाजन की पूर्व स्थितियों का डटकर सामना किया। देशभर में विप्लव, दंगा-फंसाद, साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए भाषाई, दलीय आधार पर बलवे की घटनाओं से पूरा देश आक्रान्त था। उधर इन विषम परिस्थितियों में भी डटकर, सीना तानकर 'एकला चलो' के सिद्धान्त का पालन करते हुए डॉ मुखर्जी अखण्ड राष्ट्रवाद का पावन नारा लेकर महासमर में संघर्ष करते रहे। अगस्त, 1946 में मुस्लिम लीग ने जंग की राह पकड़ ली और कलकत्ता में भयंकर बर्बरतापूर्वक अमानवीय मारकाट की गई। गोष्ठी में श्याम उमर दिशांत द्विवेदी धर्मवीर त्यागी सत्यम सोनी माखन चौरसिया अभय रवि संदीप आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

पीएम ने कहा आपातकाल में लोगों को प्रताड़ित किया गयाः अजीत रावत

वेलकप गांव बूथ पर भाजपाइयों ने सुनी मन की बात

सोनभद्र। सदर तहसील क्षेत्र के वेलकप गांव बूथ संख्या 29 पर मुख्य अतिथि सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत व भाजपा मंडल अध्यक्ष दसरथ कुमार सोनी के नेतृत्व में भाजपाइयों ने सुनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात। वही मुख्य अतिथि अजीत रावत ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो शो मन की बात का 123वां एपिसोड जारी हो गया है। देशवासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार आप अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की ऊर्जा से भरे हुए हैं। यह 10 साल पहले शुरु हुआ था और आज पूरी दुनिया में छा गया है। योग दिवस की खूबसूरत तस्वीरें देखने को मिलीं। योग अब सशक्तिकरण का जरिया बन गया है। पीएम मोदी ने कहा, 'धार्मिक यात्राएं सेवा के अवसर का महाअनुष्ठान होती हैं। जितने लोग यात्रा में जाते हैं, उससे ज्यादा लोग उनकी सेवा में जुट जाते हैं। लंबे समय के बाद कैलाश मानसरोवर की यात्रा शुरू हुई है। हिंदू, बौद्ध, जैन परंपरा में कैलाश को श्रद्धा का केंद्र माना गया है। जब कोई तीर्थयात्रा पर जाता है तो एक भाव मन में आता है, चलो बुलावा आया है।' यही भाव हमारी धार्मिक यात्राओं की आत्मा है। ये यात्राएं शरीर के अनुशासन का, मन की शुद्धि का, आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ-साथ प्रभु से जुड़ने का माध्य है।वही श्री रावत ने बताया कि इमरजेंसी के दौर को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इमरजेंसी लगाने वालों ने ना सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाए रखने का था। इस दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया था। इसके ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। अभी इंटरनेशनल लेबल ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट आई है। इसमें सामने आया है कि देश के 95 करोड़ लोग किसी न किसी सरकारी योजना का लाभ उठा रहे हैं। इन सफलताओं ने एक विश्वास दिलाया है कि आने वाले समय में भारत और सशक्त होगा। साथियों, जनभागीदारी से देश और आगे बढ़ रहा है।इस मौके पर शक्ति केंद्र संयोजक आलोक पांडे ग्राम प्रधान संजय सिंह क्षेत्र पंचायत सदस्य कप्तान कोल , राम भारत कोल सुरेश कोल भोला कोल कवि शंकर यादव धर्मशिला कोल सुमन कोल शारदा कोल अनीता कोल प्रमिला कोल सरस्वती कोल रहे।

पंचायती राज विभाग की उदासी डांस झेल रहे रहवासी

अधिकारी सरकार की छवि को कर रहे धूमिल- अभय सिंह

सोनभद्र। जिले के चतरा विकास खण्ड के ग्राम पंचायत

चपईल में गांव के गलियों के पुनरुद्धार हेतु तथा गांव में लगी पानी की टंकी से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु विकास खण्ड अधिकारी को एक पत्र 2022 में दिया गया तथा 2024 में भी दूसरे विकासखण्ड अधिकारी से मुलाकात कर समस्याओं से अवगत कराया गया, किन्तु आजतक समस्या का समाधान नहीं हुआ। गांव के शिकायत कर्ता अभय सिंह पटेल ने 2022 में मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की तो हवा में ही पंचायत सचिव द्वारा सरकार से बजट नहीं होने की बात निस्तारण आख्या में लिखा गया तथा बजट प्राप्त होने पर गलियों के निर्माण की बात कही गई, किन्तु समस्या जस के तस रही तो शिकायत कर्ता द्वारा फिर 2025 में पोर्टल पर जब शिकायत की गई तो फिर निस्तारण आख्या कागज में तो दे दिया गया किन्तु जमीनी हकीकत कुछ और है। ग्राम प्रधान तथा सचिव गांव में बाउंड्री के अन्दर व्यक्तिगत रूप से एक व्यक्ति के लिए इंटरलाकिंग का कार्य करा रहे हैं, किन्तु सार्वजनिक कार्य कराने के लिए बजट नहीं है इनके पास। गांव में लोगों को पीने के लिए दूर से पानी लाना पड़ता है, लेकिन पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित नहीं करा सकते हैं माननीय लोग। यदि ग्राम पंचायत में हुए विकास कार्यों की जांच ईमानदारी से हो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। हर महीने जिस पैसे का बिल बनाया जा रहा है, उसका जमीन पर कुछ काम नहीं हो रहा है। शिकायत कर्ता ने माननीय मुख्यमंत्री से ट्वीट कर मामले की ईमानदारी पूर्वक जांच कर दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

1 जुलाई से खुल रहे सभी विद्यालयों में सफाई एवं प्लास्टिक मुक्त के लिए सदर विधायक ने चलाया अभियान

सदर विधायक ने सफाई के साथ बोरी टांग प्लास्टिक एकत्रीकरण के लिए दिलाई शपथ

सोनभद्र। 1जुलाई से जनपद के सभी स्कूल खुल रहे हैं बच्चों को पढ़ाई के लिए

स्वच्छ कैंपस दिया जाना सरकार की जिम्मेदारी है और बच्चों के स्वागत के लिए आज जनपद में सदर विधायक भूपेश चौबे के नेतृत्व में सभी ग्राम पंचायत के स्कूलों में सफाई अभियान तथा स्कूलों को प्लास्टिक मुक्त बनाए जाने के लिए आज अभियान चलाया गया। अभियान का शुभारंभ ग्राम पंचायत लसड़ा में सदर विधायक श्री भूपेश चौबे ने सफाई करते हुए स्कूलों में लगे झाले एवं गंदगी को साफ किया तथा बिखरे हुए कचरा एवं प्लास्टिक को इकट्ठा कर स्कूल में कल बच्चों के स्वागत के लिए एक स्वच्छ स्कूल का देने संदेश दिया।सदर विधायक भूपेश चौबे ने गांव के सभी ग्रामीण बच्चों एवं अध्यापकों का आह्वान किया कि सभी स्कूलों को साफ कर सत्र की शुरुआत की जाए तथा स्कूलों में एक बोरी भी टांगी जाए जिससे वहां मिड डे मिल का खाना बनाने में सामान प्रयोग के बाद निकलने वाले प्लास्टिक जैसे तेल का प्लास्टिक, नमक, मसाला, सब्जी एवं अन्य सामानों में जो प्लास्टिक आते हैं उसके प्रबंधन की जा सके इसके लिए हर स्कूल में एक बोरी लगाई और उसी में प्लास्टिक रखें तथा बच्चों को प्रतिदिन यह भी बताएं कि उनके द्वारा टॉफी एवं बिस्किट खाने के बाद जो भी प्लास्टिक या पैपर निकलता है उसको भी इस बोरी में रखें।माननीय विधायक ने स्कूलों में एमडीएम से निकलने वाले प्लास्टिक जैसे तेल, नमक तथा अन्य जो भी प्लास्टिक आता है एवं बच्चों के द्वारा टॉफी एवं बिस्किट खाकर जो पैपर फेंक दिया जाता है उसको इकट्ठा किया जाय जिससे उसका प्रबंधन किया जा सके और बच्चों में सफाई की आदत को विकसित किया जा सके क्योंकि कल यही बच्चे बड़े होकर भारत का भविष्य बनेंगे। सिंगल यूज प्लास्टिक

का प्रयोग नहीं करने एवं प्लास्टिक प्रबंधन के लिए अपने घर पर एक बोरी लगाने का शपथ भी सभी गांव के लोग को विधायक जी द्वारा दिलाया गया। माननीय विधायक जी ने स्कूल प्रांगण में पेड़ लगाकर यह संदेश दिया कि हमें इस धरती से प्लास्टिक कचरा को हटाने के साथ ही पेड़ लगाकर पर्यावरण की रक्षा करनी है। कार्यक्रम में चुर्क मंडल अध्यक्ष दिलीप चौबे, प्रधान प्रतिनिधि विमलेश पांडे, दयाशंकर पांडे, अनूप तिवारी, अनिल पांडे, सिद्धनाथ देव, संतोष भारती, विद्या शंकर, विनय, एडीओ पंचायत महिलपाल लकड़ा, डीसीअनिल केसरी सहित स्वास्थ्य, शिक्षा, आईसीडीएस और पंचायत राज विभाग के कर्मचारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

थाना चोपन पुलिस द्वारा शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत कुल 04 नफर अभियुक्तगण के विरुद्ध की गई निरोधात्मक कार्यवाही

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी रोकथाम लगाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे

अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण/नेतृत्व में आज दिनांक 28.06.2025 को थाना चोपन पुलिस द्वारा शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत कुल 04 नफर अभियुक्तगण के विरूद्ध धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण- 01. रविन्द्र कुमार शर्मा पुत्र दूधनाथ निवासी कोटा थाना चोपन, सोनभद्र उम्र करीब 27 वर्ष। 02. दिलीप शर्मा पुत्र रामअवध निवासी कोटा थाना चोपन, सोनभद्र उम्र करीब 45 वर्ष। 03. विरेन्द्र शर्मा पुत्र शिवपूजन शर्मा पुत्र स्व0 विगन शर्मा निवासी कोटा थाना चोपन,सोनभद्र उम्र करीब 55 वर्ष। 04. शिवपूजन शर्मा पुत्र स्व0 विगन शर्मा निवासी कोटा थाना चोपन, उम्र करीब 55 वर्ष। गिरफ्तार करने वाली टीम- 01. उ0नि0 मेराज खाँ थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 02. का0 केशव सरोज थाना चोपन जनपद सोनभद्र।

थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा चोरी से सम्बन्धित प्रकरण में दो नफर अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की स्ट्रीट लाइट बरामद की गयी

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 चारू द्विवेदी के निकट पर्यवेक्षण में आज दिनांक 28.06.2025 को थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 681/25 धारा 305(क)/317(2)/317(4) बीएनएस से सम्बन्धित से दो नफर अभियुक्तगण 1. संदिप पुत्र स्व0 रामचन्दर निवासी पसियान मोहाल वार्ड नं0-05 थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 41 वर्ष, 2. रामाश्रय अग्रहरी उर्फ बडक पुत्र तुलसी राम निवासी चण्डी होटल के पास थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र को मुखबीर की सूचना पर स्टेशन रोड रॉबर्ट्सगंज से गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय रवाना किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण का

विवरणः- 1. संदिप पुत्र स्व0 रामचन्दर निवासी पसियान मोहाल वार्ड नं0-05 थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 41 वर्ष। 2. रामाश्रय अग्रहरी उर्फ बडक पुत्र तुलसी राम निवासी चण्डी होटल के पास थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। बरामदगी का विवरणः- 1. अभियुक्तगण के पास चोरी की गई स्ट्रीट लाईट व चिटबन्दी 500 रुपया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम का विवरण- 1. उ0नि0 शिवकुमार सिंह चौकी प्रभारी कस्बाथाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 मनीष कुमार थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 3. का0 शिवाजी राव थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 4. का0 राजेश कुमार थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र।

बीजेपी सरकार में मछुआरों का हो रहा शोषणः शंख लाल माझी

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने बताया कि समाजवादी पार्टी का पीडीए पंचायत जनपद सोनभद्र के विधानसभा ओबरा के नगर पंचायत चोपन के मैरिज हाल में लगाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश से चलकर आए पूर्व सांसद/ पूर्व मंत्री शंख लाल माझी उपस्थित थे।पीडीए पंचायत को संबोधित करते हुए प्रदेश से चलकर आए पूर्व सांसद/ पूर्व मंत्री शंख लाल मांझी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में किए गए जनहित की जमीनी कामों को रेखांकित कर खास तौर से छुआ समाज के लोगों को दिए गए विशेष एकाधिकार मछुआ आवास, नदी, ताल, पोखरी का पट्टा, बालू, मोरंग का पट्टा एवं आरक्षण देकर समाज को रोजी-रोटी से जोड़ने का काम किया था। वहीं भाजपा सरकार में समाज को मिले सारे अधिकार छीन करके और सरकारी उपक्रमों को प्राइवेटाइजेशन कर किसान विरोधी कानून बनाकर देश में बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार कानून की व्यवस्थाध्वस्त कर जन सामान्य को समस्या से जूझने को भाजपा सरकार मजबूर कर रही है। इससे निजात देने के लिए मछुआ समाज के लोगों को खास तौर लाभबंद होकरके आने वाले आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में समाजवादी पार्टी को भारी मतों से जीतने का काम करें। पीडीए पंचायत को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव, सांसद छोटेलाल सिंह खरवार, पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा एवं रमेश चंद दुबे ने कहा कि भाजपा सरकार में आदिवासियों का शोषण चरम सीमा पर है । भाजपा सरकार में हर वर्ग के लोग बेरोजगारी महंगाई से जूझ रहे हैं । इस सरकार से छुटकारा पाना है तो सभी वर्गों को आगामी 2027 के चुनाव में समाजवादी पार्टी को जीतने का काम करें जिससे भाजपा सरकार से छुटकारा मिल सके।

संदिग्ध परिस्थितियों में संविदा ऑपरेटर की हुई मौत

सोनभद्र। बीना पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत शनिवार को शनि देव मंदिर के पीछे भाड़े पर रह रहे एक 37 वर्षीय संविदा ऑपरेटर के बंद कमरे में शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से अचेतावस्था में पड़े नधिरा बभनी निवासी उमाकांत तिवारी पुत्र स्व. राजकुमार तिवारी ने बीना अटल अस्पताल में भर्ती कराया। जहाँ चिकित्सकों में जाँच के बाद उमाकांत तिवारी को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक उमाकांत तिवारी बीना क्षेत्र में भाड़े का कमरा लेकर रहते थे। फिलहाल खड़िया खदान के ओबी कंपनी कलिंगा में वॉल्वो ऑपरेटर थे।शुक्रवार को दूसरी पाली की ड्यूटी कर रात में घर पर आए थे। परिवार के साथ खाना पीना खाकर एक कमरे में दरवाजा बंद कर सोने चले गए। सुबह बच्चों को स्कूल छोड़ने के लिए दरवाजा खटखटाया गया तो अंदर से कोई आवाज न आने पर आस पास लोगों के साथ पुलिस को सूचित किया गया।मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी।

किसानों की समस्या को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

सोनभद्र - विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जिलाध्यक्ष राम बहादुर सिंह ने कहा कि किसानों को डीएपी खाद की आपूर्ति नहीं की जा रही है उसके स्थान पर एपीएस खाद दिया जा रहा है इसको खेत में ज्यादा डालना पड़ता है डीएपी की तुलना में यह खाद डेढ़ गुना खेत में डालना पड़ रहा है जिससे किसानों के ऊपर भार बढ़ता है एपीएस को रवि की फसल में दिया जाए इस समय सिंचाई के लिए इस समय सिंचाई के लिए किसानों को समस्या हो रही है सोन पम्प लिफ्ट कैनाल से नहरों में पानी छोड़ा जाए इसके चार पंप को चलाया जाए जिससे किसानों की रोपाई समय से हो सके विगत वर्षों में लो वोल्टेज के कारण चार पंप नहीं चल सका इसलिए पर्याप्त विद्युत आपूर्ति कराई जाए जनपद के बंधियों और माईनरों के गेट खराब हैं जांच कराकर गेट को ठीक कराया जाए जिससे किसानों को समय पर पानी दिया जा सके नहरो की सफाई वह मरम्मत कराकर टेल तक के किसानो तक पानी पहुंचाया जाए जिससे टेल के किसान भी लाभान्वित हो सके प्रदर्शन करने वालों में प्रांत उपाध्यक्ष रामजी सिंह, प्रांत मंत्री सदानंद मौर्य, प्रभुपाल मौर्य, रामविलास मौर्य, डॉक्टर शंभू सिंह, दयाराम मौर्य, सुभाष पाल, रविंद्र कुमार, चेतनारायण, अमरेश, नंदलाल, पवन कुमार आदि किसान शामिल रहे।

क्या एजबेस्टन में भारत को पहली जीत दिला पाएंगे गिलःयहां कभी टेस्ट नहीं जीती टीम इंडिया, 2 जुलाई से दूसरा मैच

नयी दिल्ली। भारत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 0-1 से पिछड़ रहा है। टीम को लीड्स टेस्ट में इंग्लैंड ने 5 विकेट से हराया था। अब शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम को 5 मैचों की सीरीज में वापसी करने के लिए दूसरा टेस्ट जीतना होगा। यह मुकाबला 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाएगा।इस स्टोरी में 143 साल पुराने इस ऐतिहासिक मैदान पर भारत का रिकॉर्ड जानेंगे। साथ ही यहां भारत के टॉप स्कोरर और टॉप विकेट टेकर्स की लिस्ट भी देखेंगे हैं।भारतीय टीम ने एजबेस्टन मैदान पर पहला मैच 58 साल पहले 1967 में खेला था। 13 जुलाई से 15 जुलाई तक खेले इस गए मुकाबले में मंसूर अली खान पटौदी की कप्तानी वाली भारतीय टीम को 132 रनों की हार झेलनी पड़ी थी। तब से अब तक भारतीय टीम ने इस मैदान पर 8 टेस्ट मैच खेले, लेकिन किसी भी मैच में जीत नसीब नहीं हुई। भारतीय टीम ने यहां 39 साल पहले 1986 को एक ड्रॉ मैच खेला था। 3 से 8 जुलाई तक चले इस मुकाबले में मोहिंदर अमरनाथ (79 रन), मोहम्मद अजहर (64 रन) और सुनील गावस्कर (54 रन) ने अर्धशतकीय पारियां खेलकर मैच ड्रॉ कराया था। इस मैच की कप्तानी कपिल देव कर रहे थे।वर्तमान भारतीय टीम में ऋषभ पंत इकलौते खिलाड़ी हैं, जो एजबेस्टन मैदान पर भारत के टॉप प्लेयर्स की सूची में शामिल हैं। यहां के टॉप स्कोरर्स की सूची में विराट कोहली पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 4 पारियों में 57.75 के एवरेज से 231 रन बनाए हैं। इनमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है।5 प्लेयर्स की इस सूची में सुनील गावस्कर, ऋषभ पंत, सचिन तेंदुलकर और गुंडप्पा विश्वनाथ जैसे नाम हैं। टॉप 5 विकेट टेकर्स में शामिल कोई भी गेंदबाज इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। यहां चेतन शर्मा ने 10 विकेट झटके हैं। इस सूची में ईएएस प्रसन्ना, आर अश्विन, कपिल देव और ईशांत शर्मा के नाम हैं। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ अपना सबसे बड़ा रन चेज इसी मैदान पर किया था। 3 साल पहले 2022 में खेले गए इस मैच में भारत ने 378 रन का विशाल टारगेट सेट किया था। जिसे इंग्लैंड ने 3 सेशन में हासिल कर लिया था। टीम ने चौथे दिन लंच के बाद दूसरी पारी में खेलना शुरू किया और 5वें दिन लंच से पहले जीत हासिल कर ली थी। 1 से 5 जुलाई तक चले इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारत ने पहली पारी में ऋषभ पंत (146 रन) और रवींद्र जडेजा (104 रन) की शतकीय पारियों के दम पर 416 रन बनाए। इंग्लिश टीम पहली पारी में 284 रन पर ऑलआउट हो गई। यहां भारत को पहली पारी में 132 रन की बढ़त मिली। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 245 रन बनाते हुए इंग्लैंड को 378 रन का मुश्किल टारगेट दिया। इंग्लैंड ने जो रूट (142 रन) और जॉनी बेयरस्टो (114 रन) ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 269 रन की साझेदारी करके भारत से जीत छीन ली। इस मैच की कप्तानी जसप्रीत बुमराह कर रहे थे।भारतीय टीम के 8 प्लेयर्स के पास यहां खेलने का अनुभव है। इनमें कप्तान शुभमन गिल, ऋषभ पंत, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा औरर शार्दूल ठाकुर के नाम हैं। 11 प्लेयर्स ऐसे हैं, जिन्होंने इस मैदान पर मैच नहीं खेला है।

ललित मोदी को रु10.65 करोड़ के जुर्माने से राहत नहींःसुप्रीम कोर्ट से याचिका खारिज; 2009 आईपीएल में हुई गड़बड़ियों पर लगा था फाइन

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को ह्स्थ के पूर्व चैयरमैन ललित मोदी की याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में ललित ने बीसीसीआई को 10.65 करोड़ रुपए का जुर्माना भरने की मांग की थी। यह जुर्माना प्रवर्तन निदेशालय ने फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट का उल्लंघन करने के लिए उन पर लगाया था। जस्टिस पी. एस. नरसिंहा और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने मोदी की याचिका को जवाब लायक नहीं बताया और कहा, 'इस मामले में मोदी चाहें तो सिविल कोर्ट में कानूनी उपाय आजमा सकते हैं, लेकिन बीसीसीआई पर कोई सीधा आदेश नहीं दिया जा सकता।' पूरा मामला- साल 2009 में आईपीएल का आयोजन साउथ अफ्रीका में हुआ था। इस दौरान ईडी ने आईपीएल को शिफ्ट करने के दौरान हुए लेन-देन को लेकर मोदी पर रु10.65 करोड़ का जुर्माना लगाया था। उन पर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के उल्लंघन के आरोप लगे थे। इसके खिलाफ मोदी ने बॉम्बे हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने तर्क दिया था कि आईपीएल चेयरमैन और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष रहते हुए जो भी उन्होंने कार्य किया, उसका खर्च और नुकसान बीसीसीआई को उठाना चाहिए, क्योंकि बोर्ड के नियमों में ऐसा प्रावधान है। ललित मोदी ने अपनी याचिका में कहा कि उन्हें 2005 से 2010 तक का उपाध्यक्ष और 2007 से 2010 तक ह्स्थ का चेयरमैन बनाया गया था। बीसीसीआई के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन के रूल 34 के तहत बोर्ड को अपने अधिकारियों को उनके कार्यकाल के दौरान हुए नुकसान और खर्चों के लिए मुआवजा देना होता है। ललित मोदी ने याचिका में यह भी कहा कि बीसीसीआई ने पहले एन. श्रीनिवासन (पूर्व सचिव) और एम.पी. पंडोव (पूर्व कोषाध्यक्ष) को इसी तरह के मामलों में पेनल्टी से राहत दी थी। उनका आरोप था कि बीसीसीआई ने भेदभावपूर्ण ढंग से काम किया है। इस मामले में 19 दिसंबर 2024 को बॉम्बे हाईकोर्ट ने ललित मोदी की याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने तब कहा था कि याचिका, पूरी तरह से गलतफहमी पर आधारित है। फेमा के तहत लगाया गया जुर्माना व्यक्तिगत है, जिसे मोदी को ही चुकाना होगा। कोर्ट ने मोदी पर रु 1 लाख का जुर्माना भी लगाया था, जिसे टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल को जमा करने को कहा गया। कोर्ट ने कहा, बीसीसीआई भारत के संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत राज्य की परिभाषा में नहीं आता, इसलिए बीसीसीआई पर रिट याचिका (आदेश) नहीं डाली जा सकती। ललित मोदी का यह दावा बीसीसीआई एक पब्लिक बॉडी है और उसे खर्च की भरपाई करनी चाहिए न्यायिक रूप से सही नहीं है। 2010 आईपीएल सीजन के बाद ललित मोदी पर ऑक्शन में फिक्सिंग, आर्थिक गड़बड़ी के आरोप लगे। बीसीसीआई ने उन्हें तुरंत निलंबित कर जांच शुरू की। जांच कमेटी ने 2013 में उन्हें दोषी पाया, जिसके बाद 2013 में ललित पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया।नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने दरवाजा पूरी तरह बंद नहीं किया है। मोदी चाहें तो अब इस मामले में सिविल कोर्ट के जरिए बीसीसीआई से मुआवजे की मांग कर सकते हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने ये साफ कर दिया है कि इस तरह की रिट याचिका के जरिए सीधे आदेश की मांग करना कानून के दायरे में नहीं आता।

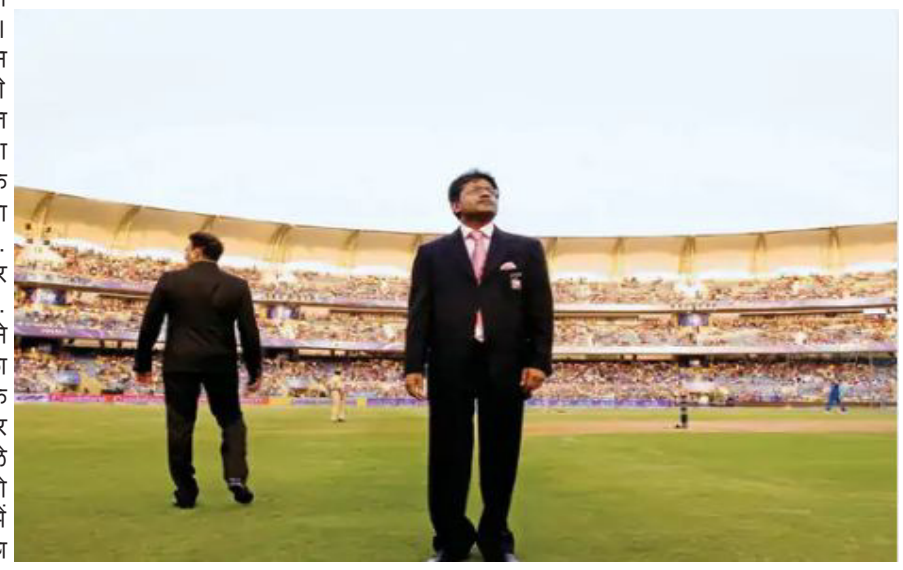

रु600 में जूनियर आर्टिस्ट से टीम इंडिया तक का सफर,भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आर्किटेक्ट और म्यूजिशियन बनने की कोशिश भी की

नयी दिल्ली। भारत की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले वरुण चक्रवर्ती का करियर काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा है। उन्होंने हाल ही में रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब शो 'कुट्टी स्टोरीज विद ऐश' में अपने करियर के बारे में बताया। क्रिकेट के मैदान पर सफलता पाने से पहले वरुण ने बतौर आर्किटेक्ट, म्यूजिशियन, फिल्मकार, और जूनियर आर्टिस्ट काम किया। उन्होंने कहा, मैंने आर्किटेक्ट, म्यूजिशियन बनने की कोशिश भी की। जूनियर आर्टिस्ट में 600 रुपए हर दिन मिलते थे। 2021 टी20 वर्ल्ड कप के बाद वरुण को टीम से बाहर कर दिया था, लेकिन फिर 33 साल के इस खिलाड़ी ने दुबई में हुए टूर्नामेंट में 9 विकेट लेकर भारत को चैंपियन बनाया।वरुण ने बताया कि कॉलेज के बाद उन्होंने एक आर्किटेक्चरल कंपनी में डेढ़ साल तक असिस्टेंट आर्किटेक्ट के तौर पर काम किया। शुरुआत में सैलरी रु14,000 थी, बाद में रु18,000 हो गई। लेकिन ऑफिस में बैठना मेरे लिए संभव नहीं था। आर्किटेक्चर छोड़ने के बाद वरुण ने कुछ समय गिटार बजाने और संगीत में करियर बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा 'मैं एक घंटे से ज्यादा गिटार प्रैक्टिस ही नहीं कर पाता था। 6-8 महीने में समझ आ गया कि अगर आपका मकसद सिर्फ दूसरों को इम्प्रेस करना है, तो कोई भी कला नहीं चलेगी। वरुण ने फिर इंटीरियर डिजाइन और कंस्ट्रक्शन का बिजनेस शुरू किया। उन्होंने कहा, एक साल सब ठीक चला, लेकिन फिर साइक्लोन वरदा आया और मेरी सारी कमाई बहा ले गया।वरुण का बिजनेस जब नहीं चला तो वे अपने दोस्तों के साथ फिल्म इंडस्ट्री में गए, जहां उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर बनने की कोशिश की। वहां जब एक डायरेक्टर ने उनसे पूछा, क्रिकेट खेलते हो? तब उन्होंने कहा, सिर्फ टेनिस-बॉल क्रिकेट। इसके बाद उन्हें एक फिल्म में जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर साइन किया गया। मुझे रु600 प्रतिदिन मिलते थे, उस वक्त ये काफी था। वरुण ने कुछ शॉर्ट फिल्में भी लिखीं और डायरेक्ट कीं, लेकिन उन्हें महसूस हुआ कि वह इमोशंस तो पकड़ पाते हैं, लेकिन उसे स्क्रीनप्ले में ढालना मुश्किल होता है। उन्होंने इस पर कहा, 20 दिन तक शूट चला, मुझे मजा आया। फिर मैंने कुछ स्क्रिप्ट्स लिखीं, लेकिन उन्हें पिच नहीं कर पाया। टेनिस-बॉल क्रिकेट खेलने वाले वरुण ने बाद में अपने क्रिकेट करियर पर ध्यान दिया। उन्हें लोकल टूर्नामेंट में उनकी मिस्ट्री स्पिन से पहचान मिली। बाद में उन्हें आईपीएल में कोलकाता नाईट राइडर्स ने खरीदा। यहीं से उन्हें पहचान मिली। 2021 टी20 वर्ल्ड कप में वरुण का सिलेक्शन हुआ लेकिन वे टीम के लिए कुछ खास नहीं कर सके। इसके बाद उन्हें टीम से निकाल दिया गया। फरवरी में उनकी इंग्लैंड सीरीज में वापसी हुई। जिसमें उन्होंने शानदार परफॉर्म किया। रोहित शर्मा के कहने पर वरुण को चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम में लाया गया। उन्होंने टूर्नामेंट में 9 विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई।

टेनिस का सबसे पुराना टूर्नामेंट विम्बलडन शुरू,जोकोविच 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने का प्रयास करेंगे, 1887 से ट्रॉफी नहीं बदली; जानिए रोचक फैक्ट्स

नयी दिल्ली। टेनिस के सबसे पुराने टूर्नामेंट विम्बलडन की शुरुआत आज से ऑल इंग्लैंड क्लब लंदन में हो रही है। 148 साल पुराने इस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट का यह 138वां संस्करण है। वर्ल्ड वार और 2020 में कोरोना महामारी के दौरान ही विम्बलडन का आयोजन ब्रेक हुआ है। इसे टेनिस के चार ग्रैंड स्लैम में सबसे प्रतिष्ठित भी कहा जाता है। विम्बलडन साल का तीसरा ग्रैंड स्लैम है। टेनिस में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं। चारों हर साल आयोजित होते हैं, इसकी शुरुआत जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से होती है। मई और जून में फ्रेंच ओपन होता है। जुलाई में विम्बलडन और अगस्त-सितंबर में यूएस ओपन होता है। यूएस ओपन साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच इस टूर्नामेंट में 25वां टाइटल जीतने का प्रयास करेंगे, लेकिन उनके सामने स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज की चुनौती होगी। 22 साल के अल्काराज ने पिछले साल ग्रॉस कोर्ट पर खेले गए फाइनल मुकाबले में जोकोविच को मात दी थी। विम्बलडन इकलौता ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है, जिसका आयोजन कोई नेशनल टेनिस एसोसिएशन नहीं करता है। इसे ऑल इंग्लैंड क्लब आयोजित करता है। क्लब की स्थापना 1868 में हुई थी। टेनिस पहले क्रॉकेट कहलाता था। 6 मेंबर्स ने मिल कर ऑल इंग्लैंड टेनिस और क्रॉकेट क्लब की शुरुआत की और फिर आगे चलकर इन्हीं ने 1877 में विम्बलडन टूर्नामेंट शुरू किया। आज यह प्राइवेट क्लब है और इसमें 500 मेंबर हैं। प्रिंसेस ऑफ वेल्स इस क्लब की मालकिन रहती है। इस समय कैथरीन एलिजाबेथ मिडिलटन इसकी मालकिन हैं। यहां के बॉल बॉय और गर्ल्स, इस चैम्पियनशिप को खास बनाते हैं। इन्हें बीबीजी के नाम से जाना जाता है। 2005 से बीबीजी 6 के दल में काम करते हैं, जिनमें से 2 नेट पर रहते हैं, 4 कोनों में रहते हैं। इनका काम बॉल को उठाकर खिलाड़ी तक पहुंचाना होता है। चैम्पियनशिप में बीबीजी 1920-30 के दशक में देखे गए थे। इन्हें स्कूल के प्रिंसिपल के द्वारा नामित किया जाता है, हालांकि इन सभी को टेनिस के नियमों पर बेस्ड एक लिखित परीक्षा पास करनी होती है । टूर्नामेंट में सभी खिलाड़ियों को पूरी तरह से सफेद कपड़े पहन कर ही टेनिस खेलने की परमिशन है। 2022 में विम्बलडन के दौरान इस पर प्रोटेस्ट भी हुए। प्रोटेस्टर्स का कहना था कि महिलाओं के लिए पीरियड्स के दौरान सफेद कपड़ों में टेनिस खेलना चुनौतीपूर्ण रहता है। इसलिए व्हाइट ड्रेस कोड को हटाया जाए, लेकिन विम्बलडन अपने नियमों पर कायम रहा। इस बार भी खिलाड़ी व्हाइट ड्रेस में ही उतरेंगे। टूर्नामेंट में दर्शकों के स्ट्रॉबेरी और क्रीम के अलावा ब्रिटिश वाइन सर्व किए जाने की परंपरा है।घास के कोर्ट पर आयोजन 1877 में विम्बलडन की शुरुआत घास के कोर्ट पर हुई थी। पिछले 146 साल से यह प्रतियोगिता घास के कोर्ट पर हो रही है। चार ग्रैंडस्लैम में यह इकलौता है, जो ग्रास कोर्ट पर खेला जाता है। ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन हार्ड कोर्ट पर, जबकि फ्रेंच ओपन क्ले कोर्ट पर खेला जाता है।पहले खिलाडी सेंटर कोर्ट में आते और कोर्ट छोड़ते समय रॉयल बॉक्स में बैठे शाही परिवार के सम्मान में सिर झुकाते थे। 2003 में ऑल इंग्लैंड क्लब के अध्यक्ष उनकी शाही महारानी ड्यूक ऑफ केंट ने इस परंपरा को बंद करने का फैसला लिया। अब खिलाड़ी तभी सिर झुकते हैं, जब वेल्स के राजकुमार या महारानी यहां उपस्थित हों। ऐसा 2010 में हुआ, जब 24 जून को विम्बलडन में महारानी खुद मौजूद थीं। 2009 से पहले महिला खिलाड़ियों को स्कोरबोर्ड पर 'मिस' या 'मिसेज' से संबोधित किया जाता था। इसे फॉलो करते हुए विवाहित महिला खिलाडियों को उनके पति के नाम से संबोधित किया जाता है। विम्बलडन में 1887 से पुरुष सिंगल के विजेता को ट्रॉफी दी जा रही है। पुरुष चैंपियन को 18.5 इंच लंबा और 7.5 इंच चौड़ा कप मिलता है। चैंपियन बनने वाले खिलाड़ी को ट्रॉफी की नकल सौंपी जाती है, जिस पर पिछले चैंपियन खिलाड़ियों का नाम होता है, जबकि असली ट्रॉफी ऑल इंग्लैंड क्लब के म्यूजियम में ही रखी जाती है। महिला सिंगल्स की चैंपियन को स्टर्लिंग सिल्वर साल्वर (प्लेट के शेप में बनी चांदी की ट्रॉफी) दी जाती है। इस पर देवी-देवताओं की मूर्तियां हैं। डबल्स इवेंट जीतने वाले प्लेयर्स को सिल्वर कप दिया जाता है। विम्बलडन में कबूतरों के भगाने के लिए बाज को रखा गया है। रूफस द हॉक एक हैरिस हॉक यानी स्पेशल बाज है, जिसे ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस और क्रोकेट क्लब ने कबूतरों को भगाने के लिए ही पाला है। हॉक को विम्बलडन परिवार का अहम सदस्य माना जाता है। रूफस पिछले 15 साल से सेवा दे रहा है। रूफस से पहले विम्बलडन में कबूतरों को भगाने का काम हामिश बाज करता था।

अजहर महमूद पाकिस्तान टेस्ट टीम के कोच बनेःसाउथ अफ्रीका सीरीज पहला असाइनमेंट होगा; पाकिस्तान के लिए 21 टेस्ट खेले

नयी दिल्ली।पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टेस्ट टीम का हेड कोच बनाया है। वह पहले टीम के असिस्टेंट कोच थे। सोमवार को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक बयान में कहा, अजहर महमूद बतौर असिस्टेंट कोच के रूप में काम कर चुके हैं और लंबे समय से टीम के कोर ग्रुप का हिस्सा रहे हैं। उन्हें खेल की गहरी समझ और अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव है। अजहर के पास हेड कोच बनने की हर क्वालिटी हैं।अजहर महमूद पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद की जगह लेंगे, जो जेसन गिलेस्पी के पद छोड़ने के बाद ये जिम्मेदारी निभा रहे थे। गिलेस्पी ने पिछले साल दिसंबर में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 2026 में समाप्त होने वाला था। गिलेस्पी टीम चयन और पिच तैयार करने के अधिकार छीने जाने से पीसीबी से नाराज थे। पीसीबी ने पिछले साल अप्रैल में अजहर महमदू को दो साल के लिए सहायक कोच बनाया था। वह अपने कार्यकाल 2026 अप्रैल तक टीम के हेड कोच बने रहेंगे। महमूद का पहला असाइनमेंट साउथ अफ्रीका के साथ 2 टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज होगी। साउथ अफ्रीका अक्टूबर-नवंबर में पाकिस्तान का दौरा करेगी। अफ्रीकी टीम 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के अलावा 3 वनडे और इतने ही टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। 50 साल के अजहर महमूद ने पाकिस्तान के लिए 21 टेस्ट और 141 वनडे मुकाबले खेले हैं। टेस्ट मैचों में उन्होंने 900 रन बनाए और 39 विकेट लिए। वहीं, वनडे इंटरनेशनल में उनके नाम पर 1521 रन और 123 विकेट दर्ज हैं। महमूद ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 3 शतक और 4 अर्धशतक लगाए हैं।अजहर महमूद 2012, 2013 और 2015 के आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) खेल चुके हैं। 2012 और 2013 में उन्होंने पंजाब किंग्स के लिए खेला। जबकि 2015 के सीजन में वो कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा रहे। महमूद ने आईपीएल में कुल 23 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 29 विकेट लेने के अलावा 388 रन बनाए।

रेसिंग ट्रैक पर धूं-धूं कर जलने लगी कार, ड्राइवर अंदर ही बैठा रहा, इस बेवकूफी पर भड़के लोग

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रियाई ग्रां प्री में उस वक्त एक बड़ा हादसा होते-होते बचा, जब रेसर कार्लोस सैंज की विलियम्स कार फॉर्मेशन लैप के दौरान ग्रिड से निकलने में विफल रही। इससे रेस 10 मिनट देरी से शुरू हुई। मार्शलों की कार से सैंज की कार को धक्का दिया। सैंज ने पिट लेन से शुरुआत करने की योजना बनाई, लेकिन उनकी कार के पिछले ब्रेक में आग लग गई। हालांकि, वह कार में ही बैठे रहे, जबकि कुछ लोग दौड़कर तुरंत आग बुझाने पहुंचे। इस पर फैंस भड़के हुए हैं। उनका मानना था कि सावधानी बरतते हुए रेसर को कार से बाहर निकल जाना चाहिए था। इसके बाद रेस को छोटा करके 70 लैप का कर दिया गया। लैंडो नॉरिस ने ऑस्ट्रियाई ग्रां प्री में जीत हासिल की। उन्होंने पूरी रेस में अपने मैकलारेन टीम के साथी ऑस्कर पियास्त्री को पीछे रखा। मैक्स वेरस्टैपेन और किमी एंटोनेली के बीच टक्कर के बाद चैंपियनशिप की लड़ाई अब मैकलारेन के बीच हो गई है। पियास्त्री, नॉरिस से 15 अंक आगे हैं। वेरस्टैपेन 61 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। अब हम इस घटनाक्रम को विस्तार से जानते हैं। कार्लोस सैंज की कार में खराबी के कारण रेस की शुरुआत में देरी हुई। उनकी कार को ठीक नहीं किया जा सका। इसलिए उन्हें रेस से बाहर होना पड़ा।रेस के दौरान हवा का तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और ट्रैक का तापमान 54 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। फर्नांडो अलोंसो ने री-स्टार्ट का इंतजार करते हुए कहा- मैं आपको सीट का तापमान नहीं बता सकता। यह शायद 200 डिग्री है! लैंडो नॉरिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। उन्होंने अपने टीम के साथी ऑस्कर पियास्त्री को कड़ी टक्कर दी। रेस की शुरुआत में नॉरिस और पियास्त्री के बीच आगे निकलने की होड़ लगी रही।पियास्त्री ने कुछ समय के लिए पहला स्थान हासिल भी किया था। लेकिन नॉरिस ने जल्द ही इसे वापस पा लिया। पियास्त्री के एक आक्रामक कदम से लगभग टक्कर हो गई थी। पिट स्टॉप के दौरान पियास्त्री को कुछ स्थान गंवाने पड़े। ट्रैफिक के बीच में अल्पाइन के फ्रेंको कोलापिंटो ने उन्हें घास पर जाने के लिए मजबूर कर दिया। हालांकि, उन्होंने वापसी की और नॉरिस के करीब पहुंचे। लेकिन वे उनसे आगे नहीं निकल पाए।नॉरिस ने बाद में कहा- हमारी एक शानदार लड़ाई हुई, यह निश्चित है। बहुत तनाव था, लेकिन बहुत मजा आया। एक अच्छी लड़ाई, ऑस्कर को बहुत-बहुत बधाई। मैक्स वेरस्टैपेन की रेस पहले लैप में किमी एंटोनेली के साथ टक्कर के बाद समाप्त हो गई। इसके बाद चैंपियनशिप की लड़ाई मैकलारेन के बीच केंद्रित हो गई है। पियास्त्री, नॉरिस से 15 अंक आगे हैं। वेरस्टैपेन 61 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।फेरारी ने अगले दो स्थान हासिल किए। चार्ल्स लेक्लर तीसरे स्थान पर रहे। यह उनकी चार रेसों में तीसरी पोडियम फिनिश थी। उनके टीम के साथी लुईस हैमिल्टन चौथे स्थान पर रहे। मर्सिडीज के ड्राइवर जॉर्ज रसेल, जो कनाडा ग्रां प्री में जीत के बाद आए थे, पांचवें स्थान पर रहे। रेसिंग बुल्स के लियाम लॉसन ने छठा स्थान हासिल किया। यह उनका इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ परिणाम है। एस्टन मार्टिन के फर्नांडो अलोंसो सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने सॉबर के गेब्रियल बोर्टोलेटो को पीछे रखा। दूसरी सॉबर के निको हुल्केनबर्ग नौवें स्थान पर रहे। हास के ड्राइवर एस्टेबन ओकन ने दसवें स्थान पर रहकर अंक हासिल किए।

20887499000 रुपये, एक गोल पर एक करोड़, क्लब में बड़ा हिस्सा... क्रिस्टियानो रोनाल्डो की छप्पर फाड़ डील समझें

नयी दिल्ली। स्टार स्ट्राइकरक्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कुछ समय पहले इशारा किया था कि अल-नासर के साथ उनका करार सऊदी प्रो लीग का सफर खत्म हो सकता है, लेकिन अब उन्होंने क्लब के साथ दो साल का नया करार करके यूरोपीय फुटबॉल में संभावित वापसी की सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। डील के अनुसार, उन्हें कम से कम 2027 तक क्लब में रखेगा, जब वह 42 वर्ष के हो जाएंगे। पिछले कुछ सीजन से सऊदी प्रो लीग के शीर्ष गोल स्कोरर होने के बावजूद रोनाल्डो अभी तक लीग खिताब नहीं जीत पाए हैं।क्लब के निराशाजनक प्रदर्शन ने उसे फीफा क्लब विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से भी रोक दिया है। क्लब के साथ उनकी एकमात्र ट्रॉफी अब तक 2023 में अरब क्लब चैंपियंस कप है। इसके बावजूद क्लब ने उन्हें रखने का फैसला किया है। रिपोर्टों के अनुसार, यह नया अनुबंध एक 'मेगा-मनी' डील है, जिसमें प्रति वर्ष जीबीपी 178 मिलियन (लगभग 2,000 करोड़ रुपये) का मूल वेतन शामिल है। इसमें निजी जेट से लेकर क्लब में हिस्सेदार तक शामिल है।अगर अल-नासर सऊदी प्रो लीग जीतता है तो जीबीपी 8 मिलियन (लगभग 94 करोड़ रुपये) का बोनस। अगर अल-नासर एशियाई चैंपियंस लीग जीतता है तो जीबीपी 5 मिलियन (लगभग 58 करोड़ रुपये) का बोनस। गोल्डन बूट जीतने पर जीबीपी 4 मिलियन (लगभग 47 करोड़ रुपये) का बोनस।जनवरी 2023 में अल-नासर में शामिल होने के बाद से रोनाल्डो एक शानदार स्कोरर रहे हैं। उन्होंने 111 मैचों में 99 गोल किए हैं, जिसमें 77 सऊदी प्रो लीग मैचों में 74 गोल शामिल हैं। केवल 2023-24 सीजन में उन्होंने 31 मैचों में 35 गोल किए, जो एक नया सऊदी प्रो लीग रिकॉर्ड है।

इस बारिश कर्मचारी रेन डांस से बचें

इस रविवार नासिक जाते वक्त जब मैं समुद्र तल से 3000 फीट ऊंचाई पर स्थित इगतपुरी से गुजर रहा था तो बादल कार की खिड़की से भीतर आ रहे थे और मुझसे कह रहे थे कि कार से बाहर आओ, एक डांस हो जाए।मैं देख रहा था कि उस छोटे-से हिल स्टेशन पर उससे भी अधिक ज्यादा कारें थीं, जितनी मुम्बई से आते वक्त पूरे 110 किमी के रास्ते में देखी थीं। सभी बादलों का आनंद ले रहे थे। इसी सप्ताह डिप्टी कमिश्नर ने भी कहा कि वहां रोज 15 हजार कारें पहुंची, जबकि शिमला में महज 5000 कारों की पार्किंग है।ये बताता है कि कामकाजी वर्ग नियमित तौर पर ब्रेक लेना चाहता है, खासकर बारिश में, ताकि रिमझिम के बीच डांस कर सके। पर मौसम विभाग की चेतावनी ने मुझे कुछ भी ऐसा करने से रोका, क्योंकि उसने अगले सप्ताह में कई राज्यों में भारी से अतिभारी बारिश की चेतावनी दी है। 23 जून को मप्र के कुछ इलाकों में 24 घंटों में 200 मिमी. से अधिक बारिश का अनुमान है। इसी के साथ कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात में भी 27 जून तक भारी से अतिभारी बारिश संभावित है। चूंकि मुझे उसी शाम मुम्बई वापस आना था, इसलिए मैं बादलों को फ्लाइंग किस देते हुए गुजर गया। कई नए व पुराने सहकर्मी वीकेंड रेन डांस की फोटो पोस्ट कर रहे थे, जिन्हें देखकर मुझे ईर्ष्या होने लगी।चूंकि, कामकाजी वर्ग वीकेंड पर वहां से दूर था, इसलिए ये नहीं देख पाया कि उनके ऑफिस में कॉर्नर ऑफिस की लाइटें जली थीं। वहां टॉप लीडर्स मिले और इस पर सहमत हुए कि कम कर्मचारी का मतलब है अधिक तेजी से उन्नति। एचआर रिकॉर्ड्स बताते हैं कि बीते कुछ ही समय में अकेले अमेरिका में प्रत्येक पांच में से एक कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या में 3.5प्रतिशत की कमी की है। इसी मंगलवार अमेजन के चीफ एक्जिक्यूटिव एंडी जैसी ने कर्मचारियों को दिए नोट में लिखा 'वंस इन ए लाइफटाइम' एआई का उदय अगले कुछ वर्षों में कुछ नौकरियों की जरूरत खत्म कर देगा।इसी माह प्रोक्टर एंड गेंबल ने कहा, 'व्यापक भूमिकाएं व छोटी टीमें' बनाने के लिए वो 7000 नौकरियों या गैर विनिर्माण कार्यबल में 15प्रतिशत की कटौती करेगा। हेवलेट पैकर्ड एंटरप्राइजेज (एचपीई) की फाइनेंस चीफ मैरी मायर्स ने इस महीने कर्मियों की कटौती पर निवेशकों से चर्चा में कहा, 'जो जितना समतल होगा, वो उतना तेज होगा'। उन्होंने बताया कि एक दशक पहले से लेकर अब तक 59 हजार से भी कम कर्मचारियों के साथ ये एचपीई का सबसे छोटा आकार है।टेक निवेशक और अडोबी के पूर्व एग्जीक्यूटिव जेसन लेमकिन ने हाल ही एक वेंचर केपिटल पॉडकास्ट में कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र समेत 500 कर्मचारियों या इससे अधिक की जिन भी कंपनियों से मैंने ऑफ द रिकॉर्ड बात की, उन्होंने कहा कि 'मुझे अपनी टीम में 30 से 40प्रतिशत लोगों की जरूरत नहीं है'। हम आसानी से ये महसूस कर सकते हैं कि ब्रिकी और लाभ में बढ़ोतरी के बावजूद कार्यबल में कटौती हो रही है।ये साफ दिखाता है कि कॉरपोरेट जगत कर्मचारियों के मूल्यांकन के तरीके में मौलिक रूप से बदलाव कर रहा है। दूसरी ओर, बारिश आते ही हममें से अधिकतर ने ब्रेक ले लिया, क्योंकि इन दिनों हमारे पास कामकाज ज्यादा था, जिम्मेदारियां ज्यादा थीं और कमी के चलते कर्मचारी तेजी से उस लाभ को खो रहे हैं, जिनका महामारी के दौरान आनंद लिया था, जब नौकरियां पर्याप्त संख्या में थीं और कंपनियां व्हाइट कॉलर प्रतिभाओं के लिए बोली लगा रही थीं।लेकिन जब एआई का दौर बढ़ रहा है और संस्थापकों व मालिकों की नई मानसिकता सामने आ रही है, जैसा हमने ऊपर पढ़ा, तो हमें हर कंपनी में घटती जा रही मैनपॉवर के बारे में जोर-जोर से बज रही चेतावनी की घंटी को अपने बहरे कानों से सुनना चाहिए। अपनी नौकरी पर तलवार चलने से बचने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।फंडा यह है कि इस बारिश में हर किसी को कंपनी के लीकेज देखने चाहिए, कौशल सुधारना चाहिए ताकि उन लीकेज को भरा जा सके। कंपनी की बिक्री और लाभ बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। मेरा मत है कि यदि हमारे हाथ में नौकरी रही तो डांस तो अगली बारिश में भी किया जा सकता है।

थोड़ा-सा 'अतिरिक्त' एक बड़ी रिलेशनशिप को बनाता है

लक्ष्मीनारायण को अरबी फ्राई पसंद है और मुथुरामन को पत्तागोभी, यह कहते हुए मेरी मां खूब सारा अरबी धोकर कुकर में डाल देतीं और आंच तेज कर देतीं ताकि यह सख्त सब्जी जल्दी पक जाए। इस बीच वे जल्दी से धुली हुई पत्तागोभी को काटकर अलग से पानी में उबाल लेतीं। अरबी के छिलके उतारने के लिए मेरी बहन की मदद लेने के बाद वे ताजा नारियल छीलना शुरू कर देतीं।वे मुझे अरबी को केरल वाले आलू के चिप्स की तरह काटने के लिए कहतीं। फिर ये दोनों सब्जियां दो अलग-अलग कढ़ाई में चली जातीं। उबली हुई पत्तागोभी को लाल सूखी मिर्च और ढेर सारी चना दाल (पहले से गरम पानी में भिगोई हुई) के साथ तड़का दिया जाता और कढ़ाई में डालने से पहले धीमी आंच पर पकाया जाता। अरबी पर सब तरफ से मसाला लगाने के बाद उन्हें बहुत कम तेल में मद्धम आंच पर भूना जाता। फिर कड़ाही में गोभी को चलाते हुए ऊपर से नारियल बुरककर डालते।लेकिन उस दिन ये दोनों सब्जियां हमारे खाने का हिस्सा नहीं होती थीं। यह सब इसलिए किया गया था, क्योंकि मेरे उपरोक्त दो दोस्त हमें बिना बताए भोजन के लिए चले आए थे। इस तरह से किसी के भी चले आने पर मां कभी मुंह नहीं बनातीं। वे घर आने वालों के चेहरों को पढ़कर बता देतीं कि उन्हें कितनी भूख लगी है और उनकी पसंद का खाना बनाने की कोशिश करतीं।वे हर किसी की पसंद को याद रखती थीं और उसी के अनुसार खाना बनाती थीं। बताने की जरूरत नहीं कि मेरे दोस्त उन सब्जियों को चाव से खाते, डकार लेते और चले जाते, और अगर मैं उनके हिस्से का खा लेता तो मुझसे झगड़ा करते।वैसे तो पूरा भोजन ही स्वादिष्ट होता था, लेकिन ये दोनों दोस्त अगले कुछ महीनों तक कॉलेज में अरबी और गोभी- इन दो 'अतिरिक्त' सब्जियों की तारीफ करते रहते, जब तक कि वे अगली बार मेरे घर नहीं आ जाते। मां की मृत्यु के 30 साल बाद भी उन्हें उन सब्जियों का स्वाद ठीक उसी तरह से याद है, जैसे उन्होंने उन्हें कल रात खाया हो।मुझे यह कहानी शनिवार को तब याद हो आई, जब मैं भिलाई में रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित एचआर कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहा था। 20 से अधिक एमएनसी के एचआर अधिकारी वहां गोलमेज सम्मेलन में शामिल हुए थे।मैंने अपना संबोधन यह कहते शुरू किया कि अपने बारे में कुछ बताइए। मुझे नहीं पता कि यह सवाल कितना पुराना है। लेकिन ये वो सवाल है, जो किसी भी कंपनी में ज्यादातर इच्छुक उम्मीदवारों की किस्मत तय करता है। यहां बैठे इन एचआर प्रमुखों से पूछिए। वे इस सवाल को बार-बार पूछने में कभी शर्म महसूस नहीं करते।ऐसा इसलिए, क्योंकि यह एक से दो मिनट की छोटी-सी अवधि उम्मीदवार के आत्मविश्वास, भाषा-शैली, हास्यबोध, सतर्कता, कहानी सुनाने की क्षमता और देहभाषा से परिचित कराती है। आप सभी को मेरी सलाह है कि इंटरव्यू खत्म होने तक रिज्यूमे में लिखी की गई जानकारी के अलावा भी अपने पास अपने बारे में कुछ 'अतिरिक्त' रखें।इसने मुझे एक फरसाण स्टोर की याद दिलाई, जिसके बुजुर्ग संस्थापक जब कैश काउंटर पर बैठते थे, तब उनकी बिक्री बहुत अच्छी चल रही थी और जब उनका एमबीए की पढ़ाई कर रहा बेटा उसी जगह पर बैठा, तो बिक्री में भारी गिरावट आई। वे हैरान थे कि ऐसा क्यों हो रहा है।अंत में पता चला कि ग्राहकों को यह बात बहुत अच्छी लगती थी कि बुजुर्ग प्लास्टिक बैग को सील करने से पहले फरसाण का एक 'अतिरिक्त' बड़ा टुकड़ा उसमें डाल देते थे, जबकि एमबीए की पढ़ाई कर रहा बेटा वजन के बराबर ही तौलता था। उस 'अतिरिक्त' से ही ग्राहकों और दुकान के बीच एक रिश्ता बन गया था। यह कुछ ऐसा ही था, जो अतीत के दिनों में दूधवाले किया करते थे।फंडा यह है कि आप युवाओं को ज्ञान, कहानियां, भोजन, साक्षात्कार के दौरान आत्म-गौरव से लेकर शुभकामनाएं तक कुछ भी दे सकते हैं, लेकिन दुनिया हमेशा उस 'अतिरिक्त' चीज की कद्र करती है, जो आप इस प्रक्रिया में देते हैं। और हां, आपकी मानवता की भी।

बीज पर काम करें, तो फल अपने आप आपको चौंका देंगे

नारायणा हेल्थ के चेयरमैन व कार्यकारी निदेशक डॉ. देवी प्रसाद शेट्टी ने काफी पहले एक कार्यक्रम में कहा था कि भारत पहला ऐसा देश बनने को तैयार है, जहां स्वास्थ्य देखभाल व पैसा अलग-अलग होगा और ये बदलाव अगले 5 से 10 वर्षों में ही हो जाएगा। इस दावे के समर्थन में डॉ. शेट्टी ने तीन बड़ी अर्थव्यवस्था- भारत, अमेरिका व चीन में मोतियाबिंद सर्जरी की तुलना की।उन्होंने कहा, 'अमेरिका में सालाना 35 लाख मोतियाबिंद सर्जरी होती हैं। आबादी के लिहाज से चीन को इसकी पांच गुना सर्जरी करनी चाहिए, पर वह सिर्फ 32 लाख ही करता है। जबकि भारत में 85 लाख सर्जरी सालाना होती हैं, जो अमेरिका, चीन और बहुत से यूरोपीय देशों को मिलाकर भी अधिक है।शेट्टी के अनुसार ये उन उद्यमी चिकित्सकों के कारण संभव हुआ, जिन्होंने स्वतंत्र क्लिनिक खोले। इससे सर्जरी का खर्च घटा। उन्होंने गर्व से कहा 'भारत अपने स्वास्थ्य देखभाल के ढांचे में बदलाव कर रहा है। जो हमने हासिल किया, वो कोई और देश नहीं कर सकता।'डॉ. शेट्टी ने पहले के एक इंटरव्यू में कहा था, 'निजी क्षेत्र में बहुत महंगी होती जा रही चिकित्सा शिक्षा के कारण हम आर्थिक तौर पर पिछड़े वर्गों में से बहुत से जादुई हाथ खोते जा रहे हैं।' उनका मतलब था कि भविष्य के ऐसे बहुत से प्रतिभावान डॉक्टर हैं, जो मेडिसिन में योगदान दे सकते हैं, पर महंगी पढ़ाई के कारण वे अवसर खो रहे हैं।डॉ. शेट्टी के वो दोनों कथन मुझे तब याद आए, जब मैंने हाल ही में सुना कि कैसे उत्तरप्रदेश के सर्वोदय स्कूल की 25 में से 12 छात्राओं ने नीट परीक्षा पास की है, जिसका परिणाम इसी सप्ताह जारी हुआ है। यहां उन छात्राओं की कहानी बताता हूं।प्रिंसी खेतिहर मजदूर की बेटी हैं, पूजा रंजन सोनभ्रद के किसान की बेटी हैं, वहीं कौशांबी की श्वेता, साइकिल का सीट कवर बेचने वाले परिवार में पली-बढ़ीं। उनका सपना सरकारी स्कूल से अधिक कुछ भी नहीं था और वे हॉस्पिटल बेड्स के बीच इधर-उधर भागती महिला डॉक्टर्स को दूर से देखकर सिर्फ अचरज करती थीं।एप्रन पहनकर गले में स्टेथोस्कोप लटकाए देखने की कल्पना मात्र से ही वह डर जाती थीं। पर अब ऐसा नहीं है। अपने स्कूल की नौ अन्य छात्राओं समेत इन तीनों ने इस वर्ष नीट परीक्षा पास कर ली है। यूपी के मिर्जापुर स्थित मरिहन में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सर्वोदय विद्यालय की 25 छात्राएं इस परीक्षा में शामिल हुई थीं, इनमें सभी अनुसूचित जाति, जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग से थीं और इनमें से आधी छात्राओं ने ये परीक्षा पास कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है।उन्होंने ये सब कैसे किया? आर्थिक तौर पर पिछड़े वर्ग के छठी से बारहवीं के बच्चों के लिए हॉस्टल सुविधा के साथ संचालित होने वाले सर्वोदय स्कूल में छात्राओं को मुफ्त आवासीय कोचिंग मिली। नियमित स्कूल के अलावा ये छात्राएं खासतौर पर नीट के लिए कोचिंग में भी शामिल होती थीं।वहां नीट-जेईई के लिए दाखिला लेने वाली 39 छात्राओं में से 25 ने परीक्षा दी और 12 उतीर्ण हुईं। इस सफलता से प्रेरित होकर समाज कल्याण विभाग के 'सेंटर फॉर एक्सीलेंस' को पूरे यूपी के अन्य सर्वोदय विद्यालयों में भी शुरू किया जा रहा है, यूपी में ऐसे स्कूलों की संख्या लगभग 100 है।मैं जयपुर के शेपिंग फ्यूचर नाम के एक संगठन के बारे में जानता हूं, जो आर्थिक तौर पर कमजोर ऐसे सैकड़ों बच्चों की सहायता करता है, बशर्ते वो बच्चे मेधावी हों और भविष्य के भारत की जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेने की योग्यता रखते हों।इन युवा मेधावी दिमागों को जो चाहिए, वह है सीखने की तकनीक में जरा सा प्रोत्साहन और थोड़ी सी वित्तीय सहायता। और फिर, जैसा कि डॉ.शेट्टी ने कहा, भारत को विभिन्न क्षेत्रों में दुनिया के किसी भी देश को मात देने से कोई नहीं रोक सकता। यहां तक कि हम जैसे लोग भी अपने आसपास ऐसे प्रतिभाशाली दिमागों को पहचान सकते हैं।फंडा यह है कि यदि हम बीजों पर काम करें, मेरा मतलब कि आर्थिक रूप से सबसे ?निचले पायदान पर बैठे गरीब बच्चों पर, तो उनमें से उपजाऊ बीज रूपी बच्चे प्रकाश की ओर बढ़ेंगे और संबंधित क्षेत्र में मिसाल कायम करेंगे।

6 खतरे हैं, जिनसे लोकतंत्र का बचाव करना चाहिए

चुनावों का दौर आने वाला है। बिहार और झारखंड में इस वर्ष के अंत में चुनाव होने जा रहे हैं। उसके बाद असम, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और केरल में मई 2026 में चुनाव होंगे। आलोचक भले ही कहते हों कि हमारे यहां बहुत चुनाव होते हैं, लेकिन चुनावी-लोकतंत्र ही हमारी सबसे बड़ी ताकतों में से एक है।

चीन और पाकिस्तान के पास यह ताकत नहीं है, न ही यह सोवियत संघ के पास थी। जिन सर्वसत्तात्मक शासनों में कतई भी लचीलापन ना हो, वो बहुत अस्थायी होते हैं। मॉस्को में राजनयिक के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान मैंने सोवियत संघ का विघटन अपनी आंखों से देखा था। मुझे लगता है चीन भी ऐसे ही टाइम बम पर बैठा है। इसके विपरीत लोकतंत्र अधिक लचीले होते हैं, क्योंकि उनमें जनता की नाराजगी को बाहर निकालने के लिए चुनावों का सेफ्टी वॉल्व होता है।विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि लोकतंत्र सरकार का सबसे खराब रूप है, सिवाय उन सभी के जो उससे पहले आजमाए गए थे। यह सही हो सकता है, किंतु लोकतंत्र के संचालन के लिए सतत निगरानी बहुत जरूरी है ताकि उसके स्वरूप से अधिक उसकी आत्मा अक्षुण्ण रहे। ऐसे छह खतरे हैं, जिनसे लोकतंत्र का बचाव किया जाना चाहिए।पहला खतरा है, अधिनायकवाद। जब कोई लोकतांत्रिक सरकार आलोचना और असहमति के प्रति असहिष्णु हो जाए तो प्रजातंत्र को जीवित रखने वाला संवाद मर जाता है। अपनी सहूलियत के लिए अमानवीय कानून बनाकर उनका दुरुपयोग, बिना निर्धारित प्रक्रिया अपनाए बुलडोजर-न्याय आदि लोकतंत्र की आत्मा के लिए अभिशाप जैसे हैं।अरस्तू ने कहा था कि 'स्वतंत्रता ही लोकतंत्र का आधार है।' दूसरा खतरा है बढ़ता वंशवाद। आज हमारे ज्यादातर राजनीतिक दल पारिवारिक जागीरों जैसे हैं। वे लोकतंत्र के बजाय मध्ययुगीन सामंतवाद की याद दिलाते हैं। तीसरा खतरा- जिस पर बहुत-से राजनीतिक दल भी कुछ नहीं बोल पाते- वह है कोई भी अनुचित तरीका अपनाकर येन-केन-प्रकारेण सत्ता हासिल करना। आज राजनीति में धर्म, जाति, धुर-राष्ट्रवाद, संकीर्ण मुद्दे, बेनामी सम्पत्ति और बाहुबल आम बात है।चौथा खतरा बहुमत का गलत तरीके से उपयोग है, जिसमें केंद्र या राज्य सरकारें रचनात्मक-संवाद के स्थान पर आंकड़ों की ताकत के बल पर अपनी इच्छा थोप देती हैं। संविधान पेश करते हुए डॉ. आम्बेडकर ने इस आशंका के प्रति चेतावनी भी दी थी।उन्होंने कहा था कि भारत जैसे देश में लोकतंत्र के अधि?नायकवाद में बदलने का खतरा है। खासतौर पर जब किसी दल की बहुत बड़ी जीत हो तो इस खतरे के वास्तविकता में बदलने की संभावना बहुत ज्यादा है। पांचवां खतरा है केंद्र-राज्य संबंधों को अस्थिर करने की कोशिश।केंद्र में मजबूत सरकारों ने राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारों के कामकाज को बाधित करने के लिए संविधान की गलत व्याख्या की है। वास्तव में तो 'डबल इंजन सरकार' का जुमला ही अपने आप में इस बात का सबूत है कि 'सिंगल इंजन सरकारें'- जिन्हें केंद्र का सहयोग नहीं है- नुकसान में ही रहेंगी। यह सोच लोकतांत्रिक संघवाद के लिए खतरा है।अंतिम और शायद सबसे प्रमुख तौर पर लोकतंत्र तब खतरे में होता है, जब चुनी हुई सरकारें जनता से किए वादे पूरे नहीं करतीं और सियासी ताकत को निजी हित साधने के लिए काम में लेती हैं। कालिदास ने राजधर्म की व्याख्या करते हुए कहा था : 'प्रवर्त्ततां प्रकृतिहिताय' यानी जनता के कल्याण के लिए काम करना। चाणक्य ने कहा था कि 'राजा को अपनी पूरी शक्ति लोककल्याण में समर्पित कर देनी चाहिए।' महाभारत में भी दायित्व पूरे नहीं करने वाले राजा के खिलाफ विद्रोह को उचित बताया गया है।लेकिन क्या लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों में हमारे नए 'राजा' इन मान्यताओं और दायित्वों का पालन कर रहे हैं? बिहार में भाजपा और कांग्रेस की बैसाखियों पर बीते 30 वर्षों से लालू-नीतीश सामाजिक न्याय के नाम पर राज करते रहे हैं। लेकिन आज भी बिहार वहीं पर है, जहां पहले था।सरकारी आंकड़ों के अनुसार राज्य की एक-तिहाई आबादी गरीबी की रेखा से नीचे जीवनयापन करती है। बिहार में देश की सबसे कम प्रति व्यक्ति आय है। स्वास्थ्य और शिक्षा का ढांचा बिगड़ता जा रहा है। व्यापक भ्रष्टाचार और सर्वाधिक बेरोजगारी दर के कारण युवा पलायन कर रहे हैं। ऐसे हालात में मतदाताओं के कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उनके पास ताकत है कि लोकतंत्र के खतरों का सामना करें और उनके हित में काम नहीं करने वाली सरकारों को वोट के दम पर उखाड़ फेंकें।वास्तव में 'डबल इंजन सरकार' का जुमला ही अपने आप में इस बात का सबूत है कि 'सिंगल इंजन सरकारें'- जिसे केंद्र का सहयोग नहीं है- नुकसान में ही रहेंगी। यह सोच लोकतांत्रिक संघवाद के लिए खतरा है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

बिहार चुनावों पर कड़ी नजर रखने जा रहे हैं विपक्षी दल

राहुल गांधी ने पिछले साल के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को

'फिक्स' बताकर राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। उस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने महा विकास अघाड़ी पर भारी जीत दर्ज कर सबको चौंका दिया था। शरद पवार की एनसीपी का तो उनके गढ़ पश्चिमी महाराष्ट्र में लगभग सफाया ही हो गया था, वहीं कांग्रेस 16 सीटों पर सिमटकर रह गई थी।राहुल ने कहा कि यह 'छोटे स्तर की धोखाधड़ी' नहीं थी, यह 'हमारे राष्ट्रीय संस्थानों पर कब्जा करने वाली औद्योगिक पैमाने की धांधली' थी। उन्होंने पांच बिंदुओं में बताया कि चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर परिणामों की पटकथा लिखी थी।भाजपा और उसके सहयोगियों ने उलटे राहुल पर आरोप लगाते हुए बयानों और ट्वीट्स की बौछार कर दी। महाराष्ट्र के भाजपा के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी के लेख पर एक जवाबी लेख लिखकर अद्भुत कौशल का परिचय दिया।वहीं चुनाव आयोग ने राहुल के दावों को बेतुका बताकर खारिज कर दिया, हालांकि उनके आरोपों का बिंदुवार खंडन करने से इनकार कर दिया। आयोग ने कहा कि वह ऐसा तभी करेगा, जब कांग्रेस नेता आयोग के पास आकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराएंगे। महाराष्ट्र चुनाव समाप्त हो चुके हैं और अब औपचारिक शिकायत का कोई मतलब नहीं है। चुनाव आयोग यह बात जानता है।लेकिन राहुल के आरोपों की चुनाव आयोग द्वारा जांच से भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के उसके सहयोगी दल भविष्य के चुनावों में हार से बचने के लिए क्या सावधानी बरतेंगे। कहते हैं जो पहले से ही चौकन्ना होता है, वो कम गलतियां करता है। तो क्या राहुल और उनके सहयोगी चुनाव प्रक्रिया की बारीकी से जांच करेंगे, ताकि सभी को समान अवसर मिल सकें?क्या उनके पास मतदाता सूची से लेकर उन निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान करने जहां वे कमजोर ?हालत में हैं, ईवीएम की सुरक्षा के लिए 24 घंटे नजर रखने और मतगणना प्रक्रिया की निगरानी करने की दृढ़ता, कठोरता और कार्यकर्ताओं की संख्या है?यह महत्वपूर्ण है कि राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनावों में धांधली सम्बंधी आरोप लगाने के बाद एक ट्वीट करते हुए आशंका व्यक्त की थी कि बिहार में होने जा रहे आगामी विधानसभा चुनावों में भी कुछ ऐसा ही हो सकता है। यह भी दिलचस्प है कि उन्हें एक अप्रत्याशित नेता से समर्थन मिला।चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर- जिनकी नवगठित जन सुराज पार्टी बिहार में अपना पहला चुनाव लड़ रही है- ने कहा कि राहुल के तर्कों में दम है। पीके का हस्तक्षेप इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वे 2014 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के प्रमुख रणनीतिकार थे।यह उभरता हुआ परिदृश्य बिहार के चुनावों को एक नया मोड़ देने वाला हो सकता है। पीके के समर्थन से उत्साहित राहुल की आक्रामक मुद्रा बताती है कि चुनाव आयोग की गतिविधियों की कड़ी निगरानी की जाएगी। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, राहुल की टीम इन दिनों बिहार में ही है और पूरे चुनाव के दौरान वहीं रहेगी।वह तेजस्वी यादव के राजद कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बिहार के निर्वाचन क्षेत्र-दर-निर्वाचन क्षेत्र, मतदान केंद्र-दर-मतदान केंद्र, मतदाता सूची-दर-मतदाता सूची का खाका तैयार कर रही है। प्रशांत किशोर की टीम तो इस तरह के विस्तृत चुनाव प्रबंधन में पहले से ही अनुभवी है।अगर महाराष्ट्र की तरह बिहार चुनाव परिणामों को लेकर भी सवाल उठते हैं तो चुनाव आयोग को प्रमाणों के साथ अपना बचाव करना होगा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि मई 2024 में हुए लोकसभा चुनाव और उसके महज पांच महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव के बीच महाराष्ट्र के मतदाताओं की संख्या में एक अजीबोगरीब उछाल आया था।दो लोकसभा चुनावों के बीच के पांच वर्षों में जहां यह संख्या 31 लाख बढ़ी थी, वहीं लोकसभा-विधानसभा चुनाव के पांच महीनों के अंतराल में यह 41 लाख बढ़ गई। राहुल ने चुनाव आयोग द्वारा जारी मतदान के आंकड़ों पर भी संदेह जताया।उन्होंने कहा कि शाम 5 बजे के बाद से मतदान में अचानक उछाल आया था। मतदान केंद्रों के वीडियो फुटेज साझा करने की मांग की गई तो इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तक पहुंच को प्रतिबंधित करने के लिए नियमों में संशोधन कर दिया गया। महाराष्ट्र के बारे में तो अब ज्यादा कुछ नहीं हो सकता। लेकिन लग रहा है बिहार चुनाव बहुत तनावपूर्ण होगा और चुनाव आयोग के हर कदम पर कड़ी नजर रखी जाएगी।यह महत्वपूर्ण है कि राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनावों में धांधली सम्बंधी आरोप लगाने के बाद एक ट्वीट करते हुए आशंका व्यक्त की थी कि बिहार में होने जा रहे आगामी विधानसभा चुनावों में भी कुछ ऐसा ही हो सकता है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं) 'आरती जेरथ'

पूर्वोत्तर के हमारे देशवासियों के साथ भेदभाव कब तक?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 मई, 2025 को कहा था कि 'आज गणेश-प्रतिमाएं भी विदेशों से आती हैं। छोटी आंख वाली प्रतिमाएं, जिनकी आंखें ठीक से खुलती भी नहीं।' पूर्वोत्तर के निवासी लंबे समय से नस्ली पूर्वग्रह और हिंसा झेल रहे हैं।2014 में दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश के एक किशोर की हत्या के बाद बेजबरुआ कमिटी बनी थी। कमिटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारतीय महानगरों में पूर्वोत्तर के 10 में से 9 लोगों को नस्ली भेदभाव का सामना करना पड़ता है। एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया कि पूर्वोत्तर की हर तीन में से दो महिलाएं किसी ना किसी प्रकार के भेदभाव की शिकार होती हैं।सबसे ताजा उदाहरण मेघालय हनीमून कांड का है, जो सुर्खियों में छाया रहा है। सोशल मीडिया पर मनगढ़ंत खबरों के जरिए एलीफेंट फॉल्स, डबल-डेकर लिविंग रूट ब्रिज, माव्स्माई गुफा जैसे दर्शनीय स्थलों वाले राज्य की छवि धूमिल की गई। न केवल मेघालय, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर को बदनाम करने का अभियान चलाया गया। वहां के

निवासियों के खानपान से लेकर उनकी कद-काठी और भाषा को भी नहीं बख्शा गया।सार्वजनिक क्षेत्र में ऐसा बहुत कम आधिकारिक डेटा है, जो पूर्वोत्तर के निवासियों के योगदान को बताता हो, खासतौर पर हॉस्पिटैलिटी, विमानन और स्वास्थ्य क्षेत्र में। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के 2020 के सर्वेक्षण के अनुसार पूर्वोत्तर के राज्यों की प्रत्येक चार में से एक प्रवासी महिला हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में कार्यरत है। पांच साल बाद यह आंकड़ा और बढ़ा ही होगा। सर्वे में सामने आया कि इनमें से अधिकतर महिलाएं अनौपचारिक, कम वेतन और बगैर सामाजिक सुरक्षा वाली नौकरियों में हैं।मेरा पूर्वोत्तर से पुराना नाता और विशेष लगाव है। 1991 में मैंने एडवरटाइजिंग की नौकरी छोड़कर क्विज शो करना शुरू किया। शुरुआती सालों में ये क्विज गुवाहाटी, शिलॉन्ग, कोहिमा, इम्फाल, दीमापुर समेत पूर्वोत्तर के कई शहरों में हुए थे। ये शो एक इंस्टैंट नूडल्स ब्रांड के प्रचार के लिए थे, जिसका उन क्षेत्रों में एक बड़ा बाजार था।हर शो के लिए मुझे 2500 रुपए मिलते थे। लेकिन साथ ही वह पूर्वोत्तर की यात्रा करने और उसे अच्छी तरह से समझने का बेहतरीन अवसर भी था। मैंने वहां के लोगों को हमेशा अपने स्वागत के लिए तत्पर पाया। जब भी कोई उनका गलत चित्रण करता है तो मुझे बेहद तकलीफ होती है।इस लेख को लिखते समय मैंने मणिपुर की 30 वर्षीय महिला तोंशिमला लीसन से बात की। वो एक प्रतिष्ठित एयरलाइन के केबिन क्रू में कार्यरत हैं। उन्होंने मुझे बताया कि एक वर्ष पहले दिल्ली मेट्रो में कुछ युवा उन्हें और मेरी मां को घूरे जा रहे थे।उन्होंने उन्हें देखकर 'चाइनीज', 'चिंकी' जैसी फब्तियां भी कसीं। उनके सहकर्मी भी उनके नामों को लेकर मजाक बनाते हैं। जहां कई या?त्री उनकी कड़ी मेहनत की तारीफ करते हैं, वहीं कई अन्य उन्हें अकसर नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं।

भारतीय अफसर बोले-ऑपरेशन सिंदूर में हमारे विमान तबाह हुए,पहले पाक सैन्य ठिकानों पर हमले का आदेश नहीं था,दूतावास बोला- बयान तोड़ा-मरोड़ा

नयी दिल्ली। इंडोनेशिया में भारतीय दूतावास के सैन्य अफसर कैप्टन शिव कुमार (डिफेंस अटैची) के एक बयान पर विवाद हो गया है। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के शुरुआती चरण में भारतीय वायुसेना को पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों (डिफेंस एस्टैबलिशमेंट) पर हमला करने की अनुमति नहीं थी। उसे सिर्फ आतंकी ढांचे को निशाना बनाने के निर्देश थे। इसी वजह से भारत ने कुछ लड़ाकू विमान खो दिए।' कैप्टन शिव कुमार 10 जून को जकार्ता की एक यूनिवर्सिटी में 'भारत-पाक वायु युद्ध और इंडोनेशिया की सामरिक रणनीति' विषय पर सेमिनार में बोल रहे थे। इसका वीडियो अब वायरल हो रहा है।कैप्टन शिव कुमार ने प्रजेंटेशन में कहा,- 'राजनीतिक नेतृत्व द्वारा तय निर्देशों के कारण ऑपरेशन के शुरुआती चरण में भारतीय वायुसेना पाक सैन्य ठिकानों पर हमला नहीं कर सकी। हमने कुछ विमान खोए। राजनीतिक नेतृत्व से सैन्य प्रतिष्ठानों या उनकी वायु रक्षा प्रणाली पर हमला न करने का निर्देश था।' डिफेंस अटैची सशस्त्र बलों (आर्म्ड फोर्सेस) के सदस्य होते हैं, जो विदेशों स्थित दूतावास में देश के रक्षा प्रतिनिधि के रूप में काम करते हैं।कैप्टन कुमार ने कहा, 'नुकसान के बाद भारत ने रणनीति बदली और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। सबसे पहले दुश्मन का एयर डिफेंस सिस्टम नष्ट किया। इसके बाद हमारे हमले सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और ब्रह्मोस जैसी सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों का इस्तेमाल कर सफल हो सके।' इससे पहले सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने एक इंटरव्यू में कुछ विमान खोने की बात स्वीकार की थी।इंडोनेशिया में भारतीय दूतावास ने ने कहा- 'डिफेंस अटैची का बयान संदर्भ से हटाकर बताया जा रहा है। उनके प्रजेंटेशन की मंशा और मूल उद्देश्य को गलत पेश किया गया। प्रजेंटेशन में कहा गया है कि भारतीय सेना राजनीतिक नेतृत्व के अधीन कार्य करती है, जो हमारे पड़ोस के कुछ देशों से अलग है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाना था। भारत की प्रतिक्रिया उकसावे वाली नहीं थी।कांग्रेस ने सरकार पर देश को 'गुमराह' करने का आरोप लगाया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'पहले सीडीएस ने को विश्वास में लेने से क्यों इनकार कर रहे हैं? संसद के विशेष सत्र की मांग क्यों खारिज कर दी गई?' 22 अप्रैल को पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए इंडियन एयरफोर्स ने 6-7 मई की आधी रात 1:05 बजे पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक की। सिर्फ 25 मिनट चले ऑपरेशन में 7 शहरों में 9 आतंकी ठिकाने तबाह कर दिए। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया।पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। 7 मई को ही पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संसद में दावा किया था कि हमने भारत के हमले के जवाब में कार्रवाई की, जिसमें 5 भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराया गया। पांच विमानों में 3 राफेल थे। बाद में पाकिस्तान 6 भारतीय विमान गिराने का दावा करने लगा था।

बिहार में 'एक फूल दो माली',मुजफ्फरपुर में 5 बच्चों की मां ने कर ली नाबालिग से शादी

मुजफ्फरपुर। बिहार में पांच बच्चों की मां ने अपने नाबालिग प्रेमी से शादी कर ली। इस घटना ने 'एक फूल दो माली' जैसी फिल्मी कहानियों को भी पीछे छोड़ दिया। मुजफ्फरपुर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने समाजिक सीमाओं को चुनौती दे दी है। यहां 5 बच्चों की मां ने अपने नाबालिग प्रेमी संग शादी कर ली। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। समाज की मर्यादा और उम्र की सीमा को दरकिनार करते हुए दोनों ने एक-दूसरे को जीवनसाथी चुन लिया। इस फैसले से परिजनों में हड़कंप मच गया है और गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है।मुजफ्फरपुर के औराई थाना क्षेत्र के विस्था गांव का मामला है। विस्था की रहने वाली महिला रुबी की शादी साल 2015 में भोरहा गांव के एक युवक से हुई थी। शादी के बाद दंपत्ति को तीन बेटे और दो बेटियां हुईं। पति दिल्ली में रहकर मजदूरी करता है, जिससे परिवार का पालन-पोषण होता है। इसी दौरान रुबी का एक किशोर उम्र के लड़के से मेल-जोल बढ़ा।बताया जा रहा है कि मोबाइल पर बातचीत शुरू हुई, जो धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। एक मेले में दोनों की मुलाकात हुई और फिर प्रेम कहानी परवान चढ़ने लगी। जब पति को इसकी भनक लगी तो उसने पत्नी को समझाने की कोशिश की, लेकिन रुबी ने अपना रास्ता तय कर लिया था।बताया जा रहा है कि महिला ने अपने प्रेमी को पहले 'भाई' बनाकर किराए के मकान में बुलाया और बाद में दोनों ने गुपचुप तरीके से शादी कर ली। इसके बाद वो 5 बच्चों को लेकर प्रेमी संग फरार हो गई।

ट्रेन निकलने से 8 घंटे पहले कन्फर्म होगा टिकट, अभी 4 घंटे पहले चार्ट बनने पर पता चलता है,देशभर में लागू होगा नियम

नयी दिल्ली। अब ट्रेनों का रिजर्वेशन चार्ट ट्रेन निकलने से 8 घंटे पहले तैयार किया जाएगा। अभी तक यह चार्ट सिर्फ 4 घंटे पहले बनता था। इससे यात्रियों को टिकट कन्फर्म नहीं होने पर वैकल्पिक यात्रा या दूसरा टिकट बुक करने के लिए ज्यादा वक्त मिलेगा। ये फैसला हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के बाद लिया गया है। रेलवे बोर्ड जल्द ही इन बदलावों को फेज वाइज लागू करेगा।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे बोर्ड को इस बदलाव को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का निर्देश दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसे 1 जुलाई, 2025 से शुरू करने की योजना है। शुरुआत में इसे कुछ खास ट्रेनों पर लागू किया जाएगा। हां, यह नियम मुख्य रूप से लंबी दूरी की ट्रेनों के लिए है। लेकिन शुरुआत में इसे चुनिंदा ट्रेनों, जैसे हमसफर श्रेणी की ट्रेनों पर लागू किया जाएगा। बाद में इसे राजधानी, शताब्दी, मेल, एक्सप्रेस और सुपरफास्ट जैसी अन्य ट्रेनों तक बढ़ाया जाएगा। जिन ट्रेनों का डिपार्चर दोपहर 2 बजे से पहले है, उनका चार्ट एक दिन पहले रात 9 बजे तैयार होगा। उदाहरण के लिए अगर ट्रेन सुबह 8 बजे की है तो उसका चार्ट रात 9 बजे बन जाएगा। इससे सुबह की ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को भी पर्याप्त समय मिलेगा।इससे पहले भारतीय रेलवे ने 1 मई से वेटिंग टिकट के लिए नए नियम लागू किए थे। इनके अनुसार, वेटिंग लिस्ट टिकट वाले यात्रियों को अब स्लीपर या एसी कोच में यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी। जिन यात्रियों के टिकट वेटिंग लिस्ट में हैं, वे अब सिर्फ जनरल कोच में ही सफर कर सकेंगे। अगर कोई यात्री वेटिंग टिकट पर एसी या स्लीपर कोच में यात्रा करता हुआ पाया जाता है, तो उस पर जुर्माना लगेगा। एसी के लिए जुर्मानाः रु440, स्लीपर के लिए जुर्मानाः रु250, इसके अलावा, आपको ट्रेन के शुरुआती स्टेशन से लेकर उस स्टेशन तक का किराया देना होगा, जहां आप पकड़े गए हैं।1 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आईआरसीटीसी की वेबसाइट या एप पर आधार ऑथेंटिकेशन जरूरी होगा। इसके अलावा, 15 जुलाई से ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार नंबर से जुड़ा ओटीपी लगेगा। इन बदलावों का मकसद टिकट बुकिंग में पारदर्शिता लाना और दलालों या फर्जी एजेंट्स की मनमानी पर रोक लगाना है। कई बार ऐसा देखा गया कि तत्काल टिकट शुरू होते ही कुछ ही मिनटों में बिक जाते थे, क्योंकि दलाल और फर्जी एजेंट्स सॉफ्टवेयर या गलत तरीकों से टिकट बुक कर लेते थे। इससे आम यात्रियों को टिकट मिलना मुश्किल हो जाता था। नए नियमों का मकसद यही है कि टिकट बुकिंग का मौका सिर्फ असली यात्रियों को मिले और फर्जीवाड़ा रुके। आधार वेरिफिकेशन से ये सुनिश्चित होगा कि टिकट वही बुक कर रहा है, जिसका आधार नंबर रजिस्टर्ड है। पहले 30 मिनट तक एसी और नॉन-एसी दोनों क्लास के लिए एजेंट्स को टिकट बुक करने की इजाजत नहीं होगी।अगर आप आईआरसीटीसी की वेबसाइट या ऐप से तत्काल टिकट बुक कर रहे हैं, तो आपको पहले अपने आधार नंबर को अपने आईआरसीटीसी अकाउंट से लिंक करना होगा। जब आप टिकट बुक करने जाएंगे, तो आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। ये ओटीपी डालने के बाद ही आपकी बुकिंग कन्फर्म होगी। काउंटर पर भी यही प्रोसेस होगा, जहां आपको आधार नंबर देना होगा और ओटीपी वेरिफाई करना होगा। फिलहाल नए नियमों के मुताबिक आधार ऑथेंटिकेशन जरूरी है। अगर आपके पास आधार कार्ड नहीं है, तो तत्काल टिकट बुक करना मुश्किल हो सकता है। बिना आधार के टिकट बुक करने का कोई और तरीका रेलवे की ओर से दी गई जानकारी में नहीं बताया गया है। रेल मंत्रालय ने तत्काल टिकट बुकिंग के नियमों को लेकर नोटिफिकेशन जारी किया। अगर आप रेलवे स्टेशन के काउंटर से तत्काल टिकट बुक करते हैं, तो 15 जुलाई 2025 से आपको आधार नंबर देना होगा। काउंटर पर आपका आधार वेरिफिकेशन ओटीपी के जरिए होगा। यानी, आपका मोबाइल नंबर आधार से लिंक होना चाहिए, ताकि धोखा आ सके। अगर आप किसी और के लिए टिकट बुक कर रहे हैं, तो भी उस यात्री का आधार नंबर और ओटीपी चाहिए होगा। हां, ये नियम सिर्फ तत्काल टिकट बुकिंग के लिए हैं। सामान्य टिकट या वेटिंग लिस्ट टिकट के लिए आधार ऑथेंटिकेशन की जरूरत नहीं बताई गई है।

लखनऊः कर्ज के 'मकड़जाल' में फंसे कपड़ा कारोबारी, पत्नी और 16 साल की बेटी संग जहर खाकर दी जान

लखनऊ। चौक थाना क्षेत्र स्थित अशरफाबाद इलाके में सोमवार सुबह एक परिवार के तीन सदस्यों की सामूहिक आत्महत्या से हड़कंप मच गया। कपड़ा कारोबारी शोभित रस्तोगी (48) ने अपनी पत्नी शुचिता (45) और 16 वर्षीय बेटी ख्याति के साथ जहर खा लिया। सुबह करीब 5 बजे ख्याति ने अपनी चाची को फोन कर बताया कि मम्मी-पापा की तबीयत ठीक नहीं है, जल्दी आइए। इसके बाद परिवार में हड़कंप मच गया। शोभित के भाई शेखर रस्तोगी तत्काल मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस को सूचना दी।पुलिस ने तीनों को बेहोशी की हालत में ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार तीनों के मुंह से झाग निकल रहा था, जिससे अंदेशा है कि जहरीला पदार्थ खाया गया। फ्लैट को सील कर दिया गया है और फॉरेंसिक टीम ने मौके से नमूने जुटाकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को फ्लैट से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें शोभित ने साफ-साफ लिखा है कि वे बैंक लोन की वजह से बेहद परेशान थे और उसे चुका नहीं पाने की स्थिति में आत्महत्या कर रहे हैं।सुसाइड नोट के अनुसार, हम कर्ज से परेशान हैं। बैंक से लोन लिया था जिसे चुका नहीं पा रहे हैं और लोन बढ़ता ही जा रहा है। अब हमारे पास जान देने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। परिजनों के मुताबिक, शोभित रस्तोगी की राजाजीपुरम क्षेत्र में जुगल फैशन पॉइंट नाम से कपड़े की दुकान थी। उन्होंने व्यापार को बढ़ाने के लिए बैंक से कर्ज लिया था। लेकिन बाजार में मंदी और व्यापार में घाटा होने से वे बीते कुछ समय से मानसिक तनाव में थे।बताया जा रहा है कि जब शोभित और उनकी पत्नी ने जहर खाया, तब बेटी ख्याति जिंदा थी। उसने जब अपने माता-पिता की हालत बिगड़ती देखी, तो चाची को फोन कर मदद मांगी। लेकिन जल्द ही उसने भी जहरीला पदार्थ खा लिया। पुलिस इस तथ्य की भी जांच कर रही है कि ख्याति ने स्वेच्छा से आत्महत्या की या किसी दबाव में आकर। घटना के बाद डीसीपी पश्चिमी क्षेत्र विश्वजीत श्रीवास्तव खुद मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला सामूहिक आत्महत्या का है। सुसाइड नोट मिला है, जिसमें कर्ज का जिक्र है। हर पहलू की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद स्थिति और स्पष्ट होगी।

'अगर संविधान में किसी भी शब्द को छुआ...': प्रस्तावना में बदलाव की मांग पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की चेतावनी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि अगर संविधान में कोई भी शब्द बदला गया तो उनकी पार्टी इसका पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने यह बात आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के उस बयान पर कही, जिसमें उन्होंने संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा करने का विचार रखा था। खरगे ने बेंगलुरु में अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए होसबाले को 'मनुस्मृति का आदमी' बताया। उन्होंने कहा कि होसबाले नहीं चाहते कि गरीब लोग आगे बढ़ें और वे चाहते हैं कि हजारों साल पहले जो प्रथाएं थीं, वही जारी रहें। इसलिए उन्हें समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा पसंद नहीं है। खरगे के अनुसार, यह केवल होसबाले की राय नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की भी राय है।हाल ही में इमरजेंसी पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए होसबाले ने कहा था कि 'बाबा साहेब अंबेडकर ने जो संविधान बनाया था, उसकी प्रस्तावना में ये शब्द (समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता)नहीं थे। उन्होंने कहा कि 'इमरजेंसी के दौरान, जब मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया था, संसद ने काम नहीं किया, और न्यायपालिका कमजोर हो गई, तब इन शब्दों को जोड़ा गया।' आरएसएस नेता ने कहा कि बाद में इस मुद्दे पर चर्चा हुई, लेकिन उन्हें प्रस्तावना से हटाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया। उन्होंने आगे कहा, 'इसलिए इस पर विचार किया जाना चाहिए कि क्या उन्हें प्रस्तावना में रहना चाहिए।'मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया, 'आरएसएस हमेशा गरीब लोगों, दलितों और अनुसूचित जाति और अन्य समुदायों के खिलाफ है। अगर वे इतने इच्छुक हैं, तो वे अस्पृश्यता को हटा सकते थे। वे दावा करते हैं कि वे हिंदू धर्म के चैंपियन हैं। यदि वे ऐसा हैं, तो उन्हें अस्पृश्यता को दूर करना चाहिए।' राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने यह भी कहा कि आरएसएस को अपने सभी स्वयंसेवकों को यह सुनिश्चित करने के लिए तैनात करना चाहिए कि अस्पृश्यता को दूर किया जाए और देश को एकजुट रखा जाए। खरगे ने कहा, 'इसके बजाय, केवल बात करना, शोर मचाना और देश में भ्रम पैदा करना बहुत बुरा है, और हम इसके खिलाफ हैं। अगर संविधान में कोई भी शब्द बदला गया तो पार्टी इसका पुरजोर विरोध करेगी।'हालांकि, आरएसएस के इस विचार पर केंद्र सरकार के मंत्रियों की ओर से भी सकारात्मक संकेत मिले हैं। दरअसल, मूल संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवाद' और 'धर्मनिरपेक्षता' जैसे शब्द नहीं थे, जो कि मौजूदा राजनीति के सबसे प्रभावशाली शब्द बन चुके हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में संविधान के 42वें संशोधन के माध्यम से ये दोनों शब्द प्रस्तावना में डाल दिए गए। यह मुद्दा तभी से विवाद का विषय रहा है कि अगर ये शब्द इतने जरूरी होते तो संविधान निर्माताओं ने इन्हें अहमियत देने की जरूरत क्यों नहीं महसूस की थी।

मुंबई-ऑनलाइन फूड ऑर्डर..! फ्लैट में 3 साल तक खुद को रखा कैद, बिफोर आफ्टर तस्वीर से पता चल जाएगी कहानी

मुंबई। नवी मुंबई से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। 55 साल के अनूप कुमार नायर अकेलेपन और डिप्रेशन से जूझ रहे थे। उन्होंने खुद को तीन साल से ज्यादा समय तक अपने फ्लैट में बंद रखा। वह केवल ऑनलाइन खाना ऑर्डर करके बाहरी दुनिया से संपर्क कर पाते थे। ऐसे में एक भले आदमी से सूचना मिलने के बाद सोशल एंड इवेंजेलिकल एसोसिएशन फॉर लव (सील) के समाजसेवकों ने सराहनीय पहल की। वे उनके फ्लैट पर पहुंचे और उनके गंदे अपार्टमेंट में प्रवेश किया। दरअसल अनूप अपने फ्लैट में अकेले रहते थे। जो गंदगी से भरा हुआ था। उनके माता-पिता की मृत्यु और भाई की आत्महत्या के बाद वे डिप्रेशन में चले गए थे। फिलहाल उनका सील आश्रम में इलाज चल रहा है। अनूप कुमार नायर जुईनगर के रहने वाले हैं। वे शहरी जीवन की परेशानियों से जूझ रहे थे। अकेलापन, डिप्रेशन और अविश्वास ने उन्हें बुरी तरह प्रभावित किया। इसी वजह से उन्होंने खुद को अपने फ्लैट में बंद कर लिया था। वे तीन साल से ज्यादा समय तक फ्लैट में बंद रहे। अनूप पहले कंप्यूटर प्रोग्रामर का काम करते थे। वे फ्लैट में अकेले रहते थे। फ्लैट में हर जगह गंदगी फैली हुई थी। उनके माता-पिता अब इस दुनिया में नहीं हैं। उनकी मां पूनम्मा नायर भारतीय वायु सेना (टेलीकम्युनिकेशन ब्रांच) में काम करती थीं। वहीं उनके पिता वीपी कुट्टी कृष्णन नायर टाटा हॉस्पिटल मुंबई में नौकरी करते थे।सोशल एंड इवेंजेलिकल एसोसिएशन फॉर लव के पादरी के एम फिलिप ने बताया कि अनूप के माता-पिता की मौत पिछले छह सालों में हो गई थी। उनका बड़ा भाई 20 साल पहले आत्महत्या कर चुका था। इन घटनाओं के बाद अनूप डिप्रेशन में चले गए और उन्होंने फ्लैट से बाहर निकलना बंद कर दिया। फिलिप ने यह भी बताया कि अनूप लिविंग रूम में एक कुर्सी पर सोते थे। ऐसा लगता है कि किसी ने उनके फर्नीचर हटा दिए थे। उनके पैर में इन्फेक्शन भी है। इसके लिए तुरंत इलाज की जरूरत है। उनके कुछ रिश्तेदारों ने उनके माता-पिता की मौत के बाद उनसे संपर्क करने की कोशिश की। लेकिन अनूप को किसी पर भरोसा नहीं है। फिलहाल उन्हें पनवेल के एसोसिएशन के आश्रम में रखा गया है। अनूप के पड़ोसी विजय शिबे घारकूल सीएचएस के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने बताया कि अनूप शायद ही कभी अपने फ्लैट का दरवाजा खोलते थे। वे अपना कचरा भी बाहर नहीं निकालते थे। ऐसे में सोसायटी के सदस्यों को उन्हें कचरा बाहर निकालने के लिए मनाना पड़ता था। उन्होंने अनूप को उनके माता-पिता की फिक्स्ड डिपॉजिट उनके खाते में ट्रांसफर करने में भी मदद की। जब टीओआई ने पनवेल के रेस्क्यू सेंटर में अनूप से बात की तो उन्होंने कहा कि मेरा अभी कोई दोस्त नहीं है। मेरे माता-पिता और भाई की पहले ही मौत हो चुकी है। मेरी सेहत खराब होने की वजह से मुझे कोई नई नौकरी नहीं मिल रही है। मासिना हॉस्पिटल की कंसल्टेंट साइकियाट्रिस्ट डॉ प्रियंका महाजन ने इस घटनाक्रम पर कमेंट किया है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति अपने किसी करीबी को खो देता है तो अकेलापन और भावनात्मक दुख होना स्वाभाविक है। कुछ लोगों के लिए यह दुख डिप्रेशन में बदल सकता है। डिप्रेशन में व्यक्ति हेल्पलेस, निराशा और बेकार महसूस करता है। जैसे-जैसे डिप्रेशन बढ़ता है। व्यक्ति सामाजिक रूप से दूर होने लगता है।हार्मनी फाउंडेशन के संस्थापक और सील के मुख्य संरक्षक अब्राहम मथाई ने कहा कि यह विडंबना है कि कैसे कुछ लोग इस भीड़ भरे शहर में बेहद अकेले और उदास हो जाते हैं। वे मदद के लिए आगे नहीं आ पाते हैं। अनूप को तो किस्मत से बचा लिया गया, लेकिन ऐसे अनगिनत लोग हैं जो अपने बंद घर में अकेले मर जाते हैं। उनकी लाशें कई दिनों बाद मिलती हैं।

घर कब ले जाएंगे सर? पूछते ही कार का गेट बंद, आखिरकार अनुष्का से मिलने पहुंच ही गए तेज प्रताप

पटना। तेज प्रताप यादव और अनुष्का यादव की कथित प्रेम कहानी एक बार फिर चर्चा में है। सोशल मीडिया पर दोनों की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के करीब 35 दिन बाद तेज प्रताप सोमवार को अनुष्का के घर पहुंचे और लगभग 7 घंटे तक वहीं रुके। इस मुलाकात ने एक बार फिर सियासी गलियारों और पारिवारिक हलकों में हलचल पैदा कर दी है। पत्रकारों से बातचीत में तेज प्रताप ने साफ कहा कि यह उनका पारिवारिक रिश्ता है और कोई उन्हें आने-जाने से रोक नहीं सकता। सोमवार की सुबह करीब 9 बजे तेज प्रताप यादव अनुष्का यादव के घर पहुंचे। ये मुलाकात करीब 7 घंटे चली और शाम 4 बजे वह वहां से रवाना हुए। यह पहली बार है जब वायरल तस्वीरों के बाद तेज प्रताप और अनुष्का की प्रत्यक्ष भेंट सामने आई है। घर से निकलते वक्त पत्रकारों ने तेज प्रताप से इस मुलाकात का कारण पूछा तो उन्होंने जवाब दिया, 'हमारा पारिवारिक रिलेशन है... हम सबसे मिलते रहते हैं। कोई हमको रोकेगा थोड़े ही आने-जाने से।' पत्रकारों ने जब पूछा कि अनुष्का को घर कब ले जाएंगे, तो उन्होंने जवाब देने के बजाय कार का गेट बंद कर लिया और रवाना हो गए।24 मई को सोशल मीडिया पर तेज प्रताप और अनुष्का की फोटो और वीडियो वायरल हुए थे। 25 मई को लालू यादव ने तेज प्रताप को पार्टी और परिवार दोनों से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। इसके बाद तेज प्रताप ने भी अपने पुराने प्रेम को लेकर फेसबुक पोस्ट किया था। तेज प्रताप यादव ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा, 'प्रेम किया तो किया... इसमें कोई गलती नहीं है। कोई मुझे जनता के दिल से नहीं निकाल सकता।' उन्होंने यह भी माना कि वायरल फोटो वही थे जो उन्होंने खुद पोस्ट किए थे। हालांकि, बाद में यह कहकर कि 'किसी और ने डाला', वे विवाद में घिर गए थे। आरजेडी से 6 साल के लिए निष्कासित किए गए तेज प्रताप ने कहा कि अगर पार्टी और परिवार ने निकाल भी दिया, तो भी उन्हें जनता के दिल से कोई नहीं निकाल सकता। यह बयान राजनीतिक वापसी की संभावनाओं को फिर हवा दे रहा है। अब देखना होगा कि यह प्रेम कहानी राजनीति को किस दिशा में ले जाती है। तेज प्रताप यादव की यह मुलाकात सिर्फ एक व्यक्तिगत मुलाकात नहीं, बल्कि सियासत और पारिवारिक रिश्तों के बीच उलझी एक कहानी बन चुकी है। आने वाले समय में यह प्रकरण आरजेडी और तेज प्रताप के राजनीतिक भविष्य पर क्या असर डालेगा, यह देखना दिलचस्प होगा।

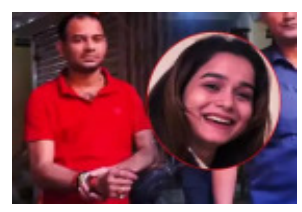

पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह का एलान, नहीं मिला टिकट तो लड़ेंगी निर्दलीय चुनाव

सासाराम। भोजपुरी फिल्मों के पावर स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। रोहतास जिले के डेहरी में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचीं ज्योति ने कहा कि वो इस बार काराकाट क्षेत्र की किसी विधानसभा सीट से चुनाव जरूर लड़ेंगी। उन्होंने साफ कहा कि अगर उन्हें किसी बड़ी पार्टी से टिकट नहीं मिला तो वह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरेंगी। पिछले एक साल से वो इलाके में लगातार सक्रिय हैं और विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेती रही हैं, जिससे उनके चुनावी इरादे अब स्पष्ट हो गए हैं। ज्योति सिंह ने साफ कहा कि पिछले दो महीने से किसी भी राजनीतिक दल से बातचीत नहीं हुई है। अगर किसी भी पार्टी से टिकट नहीं मिला तो वह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि जनता का आशीर्वाद उनके साथ है और वो चुनाव में अपनी किस्मत जरूर आजमाएंगी। ज्योति सिंह ने जोर देते हुए कहा कि चाहे किसी पार्टी से टिकट मिले या नहीं, वह काराकाट क्षेत्र की किसी एक विधानसभा सीट से चुनाव जरूर लड़ेंगी। इस बयान से यह स्पष्ट है कि उन्होंने अपने क्षेत्र और रणनीति को लेकर पूरी तैयारी कर ली है।

पिछले लोकसभा चुनाव में पवन सिंह काराकाट से मैदान में थे, लेकिन हार का सामना करना पड़ा था। उस दौरान ज्योति सिंह लगातार उनके साथ प्रचार में सक्रिय थीं। चुनाव के बाद भी वह क्षेत्र में बनी रहीं और छोटे-बड़े कार्यक्रमों में लगातार हिस्सा लेती रही हैं।

श्वेता तिवारी के मारपीट के दावे को राजा ने नकाराःकहा- फिजिकल वायलेंस हुआ ही नहीं, एक-दो बार दरवाजे तोड़े हैं, जाट खोपड़ी सटक जाती है

नयी दिल्ली। टेलीविजन की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने

सालों पहले पूर्व पति राजा चौधरी पर मारपीट करने के आरोप लगाए थे। हालांकि अब राजा ने एक इंटरव्यू में इन दावों को नाकारा है। उन्होंने इसके अलावा अपनी शादी टूटने पर भी बात की। साथ ही उन्होंने श्वेता और कसौटी जिंदगी की को-स्टार सेजान खान की नजदीकियों पर सवाल खड़े किए। हिंदी रश को दिए इंटरव्यू में जब राजा चौधरी से श्वेता के साथ मारपीट करने से जुड़े सवाल किए गए तो उन्होंने कहा, 'कोई फिजिकल वायलेंस हुआ ही नहीं। एक-दो बार उसके घर के दरवाजे जरूर तोड़े हैं। ये भी तब की ही बात होगी, जब हम लोग अलग-अलग हो ही चुके थे। वो भी बेवकूफी में। उन लोगों को क्या ही जरूरत है कि बाहर ही खड़ा रहेगा, अंदर नहीं आ सकता। दरवाजा खोल दो इज्जत से, बात करके चला ही जाएगा न आदमी। लेकिन उसे उकसा लो, दरवाजे बंद कर दो, नहीं मिलना है, ये करना है। जाट खोपड़ी सटक जाती है कई बार, दरवाजे तोड़ दिए, पुलिस आ गई। उन लोगों को कहानी बनाने में बहुत मजा आता है। एक से दो, दो से चार। ये सब फर्जी कहानियां हैं जो चली जा रही हैं।' आगे राजा चौधरी ने कहा, '2007 के अगर आप न्यूज क्लिप देखो, तो उसमें था कि श्वेता तिवारी के पति ने उसे पीटा, उसका तलाक हो गया। श्वेता तिवारी के पति को पुलिस ने पकड़ लिया। एक हीरोइन बना दी उन्होंने और एक विलेन बना दिया। हीरोइन पहले से फेवरेट है, टीवी शो कर रही है। वो एक फेवरेट एक्टर है, तो विलेन तो बनना ही था। उसमें सपोर्टिव कैमरा मैन और न्यूज एंगल ऐसे ही थे। उस समय किसने बताया कि स्टोरी क्या है। बस भेड़ चाल चली जा रही थी।'बातचीत में राजा ने बताया है कि वो एक शो की शूटिंग के दौरान श्वेता से मिले थे। साथ काम करते हुए दोनों एक दूसरे को पसंद करने लगे और महज 3 महीनों के रिलेशनशिप में शादी कर ली। दोनों के परिवार इस शादी के खिलाफ थे। उस समय श्वेता 20-21 साल की थीं और राजा भी महज 24-25 साल के थे। राजा ने कहा कि अगर वो ध्यान देते तो तलाक 2002 में ही हो सकता था। उन्होंने कहा कि एक बार वो कार से जरूरी कागज लेने श्वेता के शो कसौटी जिंदगी की के सेट पर पहुंचे थे। श्वेता सुबह से शूटिंग के लिए निकली थीं, लेकिन जब राजा सेट पर पहुंचे तो देखा कि ड्राइवर श्वेता की कार लेकर सेट पर पहुंचा, जबकि वो को-स्टार सेजान खान के साथ उनकी गाड़ी में वहां पहुंची थीं। जब राजा ने उनसे सवाल किए, तो ये कहकर झगड़ने लगीं कि राजा नशे करते हैं और घर के लिए श्वेता कमाई करती हैं।बताते चलें कि श्वेता और राजा की शादी 1998 में हुई थी। इस शादी से कपल को एक बेटी पलक है। साल 2007 में दोनों ने तलाक ले लिया था। तलाक के बाद श्वेता ने अभिनव कोहली से दूसरी शादी की है। इससे उन्हें एक बेटा है, हालांकि साल 2018 में दोनों अलग हो चुके हैं।

नसीरुद्दीन शाह ने दिलजीत दोसांझ का सपोर्ट किया,बोले- ये जुमला पार्टी की गंदी चालें हैं, भारत-पाक रिश्तों को बिगाड़ना चाहती हैं

नयी दिल्ली। दिलजीत दोसांझ इन दिनों फिल्म सरदार जी 3 में

पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर की कास्टिंग को लेकर विवादों में हैं। फिल्म संगठनों ने इस विवाद के चलते उन्हें बॉर्डर 2 से हटाने की मांग की है। हालांकि, इस मामले में दिलजीत को कई सेलिब्रिटीज सपोर्ट भी कर रहे हैं। इम्तियाज अली और जावेद अख्तर के बाद अब नसीरुद्दीन शाह ने भी दिलजीत का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कला को सरहदों से नहीं बांधना चाहिए।नसीरुद्दीन शाह ने फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, मैं दिलजीत के साथ मजबूती से खड़ा हूं। जुमला पार्टी की गंदी चालें चलाने वाला विभाग लंबे समय से उन्हें निशाना बनाने का मौका तलाश रहा था और उन्हें अब लगा कि ये मौका मिल गया है। फिल्म की कास्टिंग का फैसला दिलजीत का नहीं था। वह डायरेक्टर का था। लेकिन डायरेक्टर को कोई नहीं जानता, जबकि दिलजीत पूरी दुनिया में जाना जाता है और उसने कास्टिंग इसलिए स्वीकार की क्योंकि उसका मन जहर नहीं था।ये गुंडे असल में भारत और पाकिस्तान के लोगों के बीच सीधे संबंध खत्म करना चाहते हैं। मेरे कुछ करीबी रिश्तेदार और प्यारे दोस्त वहां हैं और मुझे उनसे मिलने या उन्हें प्यार भेजने से कोई रोक नहीं सकता। और जो लोग कहेंगे 'पाकिस्तान जाओ, तो मेरा जवाब होगा तुम कैलासा जाओ।'एनडीटीवी क्रिएशन मंच में जावेद अख्तर से दिलजीत दोसांझ के हानिया आमिर के साथ काम करने पर सवाल किया गया था। साथ ही ये भी कहा गया कि उनका दावा है कि फिल्म पहले बनाई गई है। इस पर जावेद अख्तर ने दिलजीत के सपोर्ट में कहा, 'ये पिक्चर मालूम नहीं कब बनाई गई। वो क्या करे बेचारा। आगे क्या होगा, वो तो उसे नहीं पता था न। पैसा तो उसने लगाया, इसमें पाकिस्तान का पैसा तो डूबेगा नहीं। पैसा तो हमारे हिंदुस्तानी आदमी का डूब जाएगा। तो क्या फायदा है इससे।

शेफाली के निधन की कवरेज पर वरुण धवन ने मीडिया को कहा था असंवेदनशील,जान्हवी कपूर ने सपोर्ट में कहा- आखिरकार, किसी ने ये कहा

नयी दिल्ली। 27 जून को पॉपुलर एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का निधन हो गया। कई पैपराजी

और सोशल मीडिया पेजेस द्वारा एक्ट्रेस के निधन के बाद शोक मना रहे परिवार से जुड़े वीडियो पोस्ट किए थे, जिस पर कई सेलेब्स नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। वरुण धवन ने मीडिया पर भड़कते हुए कवरेज को असंवेदनशील कहा था। अब जान्हवी कपूर ने भी वरुण को सपोर्ट का सहमति दी है। वरुण धवन की पोस्ट री-शेयर कर जान्हवी कपूर ने उनकी बात पर सहमति जताई और लिखा, 'आखिरकार किसी ने ये कहा।'वरुण धवन ने एक पोस्ट शेयर कर लिखा, 'एक बार फिर मीडिया द्वारा ने एक आत्मा के निधन को असंवेदनशील तरीके से कवर किया गया। मुझे समझ नहीं आता कि आपको किसी के दुख को कवर क्यों करना है। हर कोई इससे बहुत असहज हो जाता है। इससे किसी को क्या फायदा हो रहा है। मैं मीडिया में अपने दोस्तों से अनुरोध करता हूं, कोई भी व्यक्ति नहीं चाहेगा कि उसकी अंतिम यात्रा को इस तरह कवर की जाए।'जान्हवी और वरुण के अलावा रश्मि देसाई ने भी उस वीडियो पर आपत्ति जताई थी, जिसमें शेफाली जरीवाला के अंतिम संस्कार में उनके बिहेवियर पर सवाल उठाए जा रहे थे। रश्मि ने वीडियो री-शेयर कर लिखा था, 'क्या वाकई। क्या आप इसे जर्नलिज्म कहना चाहते हैं। शर्म आनी चाहिए।'बताते चलें कि शेफाली के अंतिम संस्कार का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें एक्टर पारस छाबड़ा एक जर्नलिस्ट को फटकार लगाते नजर आए थे। दरअसल, पेज पर शेफाली के पति पराग को उनका पालतु कुत्ता टहलाते दिखाया गया था। पराग के बिहेवियर पर सवाल खड़े करने वाली रिपोर्टर से जब पारस का सामना हुआ तो उन्होंने सरेआम उन्हें फटकार लगाते हुए कहा था, मैंने आपकी कुत्ते वाली न्यूज देखी, बहुत ही बेकार बात है ये। लड़की ने पूछा, क्या न्यूज बनाई। तो पारस ने कहा कि कुत्तों को लेकर घुमा रहे हैं सुबह-सुबह। क्या करे वो बंदा। बहुत ही बेकार न्यूज बनाते हो आप लोग। क्या बोलना क्या है। ये कहते हुए पारस ने उस रिपोर्टर को भगा दिया।

आमिर को अंडरवर्ल्ड ने दिया था पार्टी का न्योता,लेकिन एक्टर बोले- पीटो या हाथ बांधों, मैं फिर भी नहीं जाऊंगा

नयी दिल्ली। 1990 के दशक में अंडरवर्ल्ड का हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर

काफी असर था। हाल ही में जब आमिर खान ने एक इंटरव्यू में उनसे अंडरवर्ल्ड की धमकी को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि धमकी तो नहीं आई, लेकिन कॉल्स जरूर आए। द लल्लनटॉप से बात करते हुए आमिर ने कहा कि अंडरवर्ल्ड की तरफ से उन्हें पार्टी में जाने का बुलावा आया था। आमिर ने कहा, 'मैंने मिडिल ईस्ट, शायद दुबई में होने वाली उनकी पार्टी में जाने का न्योता ठुकरा दिया। कुछ लोग मुझे बुलाने आए थे।' आमिर ने आगे कहा, 'मैं किसी का नाम नहीं लेता, इंडस्ट्री के लोगों का भी नहीं। यही मेरी आदत है। उन्होंने बहुत कोशिश की। पैसे ऑफर किए। कहा जो काम चाहो करवा देंगे। फिर भी मैंने मना कर दिया।'आमिर खान ने आगे बताया, 'बाद में उनका लहजा बदल गया। बोले अब तो आना पड़ेगा। तुम्हारा नाम अनाउंस हो चुका है। ये इज्जत का सवाल है। यह आखिरी मुलाकात थी। मैंने कहा, एक महीने से मिल रहे हो और मैं शुरू से कह रहा हूं कि नहीं आऊंगा। तुम ताकतवर हो जिस दिन चाहे आ सकते हैं। मुझे पीटिए, सिर पे मारिए, हाथ-पांव बांधकर जहां ले जाना है ले जाइए। मैं नहीं आऊंगा। आप फोर्सिबली ले जाइए, लेकिन मैं नहीं आऊंगा, तो उन्होंने फिर कांटेक्ट करना छोड़ दिया।' आमिर ने माना कि उस समय उन्हें बहुत डर लगा था। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं परिवार के लिए ज्यादा डर था। मेरे दो छोटे बच्चे थे। माता-पिता बहुत परेशान थे। बोले ये बहुत खतरनाक लोग हैं।' आमिर ने माता-पिता को कहा था, 'मैं अपनी जिंदगी अपनी शर्तों पर जीना चाहता हूं। वहां नहीं जाना चाहता।' आमिर ने कहा, 'मुझे अपनों की फिक्र ज्यादा थी।' उस वक्त उनके दो बच्चे इरा और जुनैद थे। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, कुछ साल पहले आमिर 'मोगुल' नाम की फिल्म में काम करने वाले थे। यह दिवंगत निर्माता गुलशन कुमार की बायोपिक थी। गुलशन कुमार की 1997 में अंडरवर्ल्ड ने हत्या कर दी थी। यह फिल्म गुलशन के बेटे भूषण कुमार बना रहे थे। निर्देशन सुभाष कपूर कर रहे थे। आमिर के हटने के बाद अक्षय कुमार को रोल के लिए देखा जा रहा था, लेकिन अभी तक इस फिल्म पर कोई नई जानकारी नहीं है।

'राणा नायडू 2' में अर्जुन ने एक ही कॉस्ट्यूम पहनाःरोल को लेकर बोले- उम्मीद नहीं थी इतना असर होगा, खुशी है कि लोगों ने सराहा

एक्टर अर्जुन रामपाल हाल ही में वेब सीरीज 'राणा नायडू 2' में नजर आए। सीरीज में अर्जुन का किरदार 'रउफ' एक ग्रे शेड वाला है। 'राणा नायडू' सीरीज का निर्देशन करण अंशुमान और सुपर्ण वर्मा ने किया है। सीरीज का पहला पार्ट 10 मार्च 2023 को रिलीज हुआ और 'राणा नायडू 2' 13 जून 2025 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।उन्होंने बताया यह रोल मार्टिन स्कॉर्सेसे की फिल्मों के गैंगस्टर जैसा है। इस बातचीत में अर्जुन ने बताया कि कैसे वह टाइपकास्ट होने से बचते हैं और दर्शकों को हमेशा सरप्राइज करना पसंद करते हैं। आजकल ज्यादातर फिल्में मल्टी-स्टारर होती हैं। सोलो हीरो वाली फिल्में अब कम बनती हैं, जब कोई बायोपिक हो जैसे मेरी फिल्म 'डैडी'। मैं हमेशा किरदार को प्राथमिकता देता हूं। 90 के दशक की तरह फिल्में अब नहीं बनतीं क्योंकि दर्शक और कहानियां दोनों बदल गए हैं।वैसे भी पहले भी 'शोले' या 'अमर अकबर एंथनी' जैसी फिल्मों में कई कलाकार साथ काम करते थे। अब रियलिज्म पर ज्यादा जोर है और मुझे भी रियलिस्टिक फिल्में और किरदार ज्यादा पसंद आते हैं। जब कहानी रियल हो, तो अभिनय भी उतना ही सच्चा होना चाहिए।मैंने 'राणा नायडू' का पहला सीजन देखा था और मुझे यह पसंद आया, खासकर इसकी ग्रे शेड वाले जटिल किरदार। राणा और उसके पिता के बीच की प्रतिस्पर्धा मुझे बहुत दिलचस्प लगी। जब प्रोड्यूसर सुंदर मेरे पास सीजन 2 के लिए विलेन रोल का ऑफर लेकर आए, तो मैंने डायरेक्टर करण अंशुमान से मिलकर उनका विजन समझा। सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि सीजन 2 को पहले से बेहतर बनाना था, जो हमेशा कठिन होता है। हमने सीजन 1 की कमियों को बचाना चाहता है।मेरे लिए सबसे जरूरी बात ये थी कि किरदार को पूरी आजादी और रियलिज्म के साथ निभाया जाए। मैंने मेकर्स से कहा था कि अगर ओटीटी में इतनी छूट है तो इस कैरेक्टर को भी खुलकर और अनएक्सपेक्टेड बनाइए, जो एक पल मीठा हो और अगले ही पल पलट जाए। हम चाहते थे कि इसमें वैसा ही शेड हो जैसा मार्टिन स्कॉर्सेसे की फिल्मों के गैंगस्टर कैरेक्टर्स में होता है, हिंसक होकर भी एंटरटेनिंग। मुझे लगा हम ये सब किरदार में ला पाए और इसे निभाना मेरे लिए बहुत मजेदार रहा। दिलचस्प बात ये रही कि मुझे पूरी शूटिंग में एक ही कॉस्ट्यूम पहनना था। मुझे इस बात की उम्मीद नहीं थी कि दर्शकों पर इसका इतना असर होगा। लेकिन खुशी है कि यह रोल लोगों को पसंद आया। ऐसा नहीं है। शायद आपको इसलिए लग रहा है क्योंकि हाल में जो फिल्में रिलीज हुईं, जैसे 'धाकड़' या 'क्रैक', उनमें मेरे किरदार ग्रे थे लेकिन 'रा.वन' या 'ओम शांति ओम' में वो रोल जानबूझकर चुने गए थे। वैसे मैंने कई पॉजिटिव रोल्स भी किए हैं जो जल्द रिलीज होने वाले हैं। जैसे अब्बास-मस्तान की एक फिल्म '3 मंकीज', एक 'ब्लाइंड गेम' है। मैं कभी खुद को टाइपकास्ट नहीं करना चाहता। मेरा मानना है कि एक एक्टर के पास सबसे बड़ा हथियार एलिमेंट ऑफ सरप्राइज होता है। हर दिन नया होता है, हर किरदार अलग और अगर मैं खुद को चौंका सकूं तो दर्शक भी चौंकेंगे। यही मेरी हर फिल्म में कोशिश रहती है।बिल्कुल 100इ साथ काम करेंगे। राणा न सिर्फ कमाल के एक्टर हैं बल्कि बेहतरीन इंसान भी हैं। 'राणा नायडू' के दौरान हमारी अच्छी दोस्ती हो गई। उन्होंने सीजन 2 में जो गहराई और ठहराव के साथ अपना जटिल किरदार निभाया है, वो वाकई काबिल-ए-तारीफ है। वेंकी सर की बात करें तो उनकी कॉमिक टाइमिंग और डायलॉग डिलीवरी बेमिसाल है। जब वो सेट पर होते हैं माहौल ही अलग हो जाता है। पूरी स्टारकास्ट बहुत ही प्रोफेशनल और अपनी कला में माहिर है। बल्कि तीन डायरेक्टर्स सुपर्ण, करण और अभय के साथ काम करना मेरे लिए पहली बार था। तीनों की सोच अलग थी लेकिन विजन एक जैसा था। वो हर सीन में कुछ नया इनपुट देते थे, जो इस प्रोजेक्ट को और भी रोमांचक बना देता था। ऐसे माहौल में काम करना एक शानदार अनुभव था और उम्मीद है कि आगे भी हम साथ कुछ और दिलचस्प प्रोजेक्ट करेंगे।फिलहाल मुझे भी नहीं पता फिल्म का क्या स्टेटस है। प्रोड्यूसर को कुछ दिक्कतें आ गई थीं, जिससे फिल्म अटक गई। स्क्रिप्ट बहुत शानदार थी और काफी हिस्सा शूट भी हो चुका है। उम्मीद है कि प्रोड्यूसर अपनी परेशानियां जल्दी सुलझा लें और फिल्म फिर से ट्रैक पर आ जाए। इस फिल्म के लिए मैंने काफी मेहनत की थी। हां, ऑफर्स तो कई आ रहे हैं लेकिन अभी तक किसी नई फिल्म के लिए साइन नहीं किया है। सभी पर बातचीत ही चल रही है।बिल्कुल, मैं अपने करियर के इस दौर से संतुष्ट हूं। मुझे जो प्यार, सम्मान और पुरस्कार मिले हैं, उसके लिए मैं दर्शकों और फिल्म मेकर्स का आभारी हूं। जो भी होता है अच्छे के लिए होता है।सबसे पहले मैं खुद से पूछता हूं कि अगर मैं इस फिल्म का हिस्सा न भी होऊं, तो क्या मैं इसे देखना चाहूंगा? यानी मैं ऑडियंस के नजरिए से सोचता हूं। देखता हूं कि फिल्म कहना क्या चाह रही है, उसमें एंटरटेनमेंट है या नहीं और सबसे जरूरी कि उसका कंटेंट क्या है।मैंने पिछले पांच-छह सालों में जो भी फिल्में की हैं, वो सारी कंटेंट-ड्रिवन रही हैं। आज की ऑडियंस समझदार है, इसलिए अब सिर्फ ग्लैमर या एक्शन से बात नहीं बनती, फिल्म या सीरीज की स्क्रिप्ट भी मजबूत होनी चाहिए।

यूट्यूब चार्ट पर टॉप-10 लिस्ट में हरियाणा का सिंगर, दिग्गज हनी सिंह सोनू निगम,एआर रहमान को पीछे छोड़ा,हफ्ते भर में 13.28 करोड़ व्यूज

नयी दिल्ली। गूगल के सबसे बड़े प्लेटफॉर्म में शुमार यूट्यूब की मोस्ट पॉपुलर सिंगर लिस्ट में हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा का नाम आया है। यूट्यूब की ओर से जारी की गई इस सप्ताह के टॉप-10 आर्टिस्ट की लिस्ट में मासूम शर्मा सातवें नंबर पर हैं। उन्होंने हनी सिंह जैसे बड़े पंजाबी सिंगर के अलावा वर्ल्ड फेम सोनू निगम, एआर रहमान और पाकिस्तानी गायक आतिफ असलम को भी पछाड़ दिया है। हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा को यूट्यूब पर एक सप्ताह में 13.28 करोड़ लोगों ने देखा है। यूट्यूब की इस लिस्ट में पहले नंबर पर आर्टिस्ट अलका याग्निक, दूसरे नंबर पर उदित नारायण और तीसरे नंबर पर कुमार सानू हैं। इस लिस्ट में हनी सिंह 13वें और एआर रहमान 17वें नंबर पर हैं।हरियाणा में गन कल्चर को बढ़ावा देने वाले गाने यूट्यूब पर बैन किए जाने के बाद मासूम शर्मा सुर्खियों में आए थे। सरकार की ओर से गन कल्चर को प्रमोट करने वाले 30 गानों को यूट्यूब से हटाया है, जिनमें सबसे

ज्यादा 10 गाने मासूम शर्मा के हैं। मासूम शर्मा ने 13 मार्च को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लाइव आकर अपना दर्द बयां किया था, जिसके बाद मासूम शर्मा को हर जगह से सपोर्ट मिलने लगा और उनकी पॉपुलैरिटी बढ़ने लगी।मासूम शर्मा की अब काफी फैन फॉलोइंग हो चुकी है। यही वजह है कि हरियाणा के अलावा अब चंडीगढ़, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश में भी उन्हें लाइव कन्सर्ट के लिए बुलाया जाने लगा है। इंटरनेशनल लेवल के म्यूजिक चार्ट बिलबोर्ड पर हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा के 3 गाने ट्रेंड कर चुके हैं। इनमें सरकार की ओर से बैन किए गए गाने भी शामिल हैं।हरियाणा में विवाद बढ़ने के बाद 27 अप्रैल को पंचकूला के देवीलाल स्टेडियम में भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम कराया गया था। इसमें हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने मासूम शर्मा की तारीफ करते हुए कहा था कि ये हमारे ऐसे हरियाणवी कलाकार हैं, जिनके गानों पर लोग खड़े होकर नाचने लग जाते हैं।27 मार्च 1991 में जींद जिले के जुलाना क्षेत्र के ब्राह्मणवास गांव में जन्मे मासूम शर्मा ने 2009 में म्यूजिक एल्बम 'जलवा हरियाणा' से कलाकारी की शुरुआत की थी। उनका पहला बड़ा हिट गाना 'कोठे चढ़ ललकारूं' 2014 में आया, जिसने उन्हें हरियाणवी युवाओं के बीच मशहूर कर दिया। इसके बाद ट्यूशन बदमाशी का, दो नंबरी, लोफर, एक खटोला जेल के भीतर जैसे गाने दिए। मार्च माह में मासूम शर्मा के तीन गाने 60 मुकदमे, ट्यूशन बदमाशी का, खटोला गाने को यूट्यूब पर बैन कर दिया था। इसके बाद 7 और गाने बैन किए गए। मासूम शर्मा समेत अमित सैनी रोहतकिया, नरेंद्र भगाना, सुमित पारता, अंकित बालियान, गजेंद्र फोगाट के भी गाने हटाए गए।हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा के दो इंस्टाग्राम पेज पिछले डेढ़ माह में सस्पेंड हो चुके हैं। 12 मई को भी उनका 7.61 लाख फॉलोअर्स वाला इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड किया गया तो 26 जून को दूसरा पेज टीम मासूम शर्मा सस्पेंड हो गया। मासूम शर्मा के बड़े भाई विकास शर्मा ने फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी थी और कहा था कि उसके छोटे भाई मासूम को टारगेट किया जा रहा है।

शेफाली के निधन की असंवेदनशील कवरेज पर भड़के वरुण धवन,कहा- हर कोई असहज हो जाता है, क्या फायदा मिलता है

नयी दिल्ली। शेफाली जरीवाला के निधन की कवरेज को बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन ने इनसेंसिटिव कहा है। वरुण ने भड़कते हुए कहा है कि इस तरह की कवरेज से हर कोई असहज हो जाता है। साथ ही एक्टर ने सवाल उठाया है कि आखिर इस तरह से किसी की अंतिम यात्रा को क्यों कवर किया जाता है। इससे पहले भी वरुण धवन ने मलाइका अरोड़ा के पिता के अंतिम संस्कार की कवरेज पर नाराजगी जताई थी। उनके अलावा कई सेलेब्स पहले भी ये मुद्दा उठा चुके हैं। वरुण धवन ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है, 'एक बार फिर मीडिया द्वारा ने एक आत्मा के निधन को असंवेदनशील तरीके से कवर किया गया। मुझे समझ नहीं आता कि आपको किसी के दुख को कवर क्यों करना है। हर कोई इससे बहुत असहज हो जाता है। इससे किसी को क्या फायदा हो रहा है। मैं मीडिया में अपने दोस्तों से अनुरोध करता हूं, कोई भी व्यक्ति नहीं चाहेगा कि उसकी अंतिम यात्रा को इस तरह कवर की जाए।'ये पहली बार नहीं है, जब वरुण धवन ने पैपराजी के बिहेवियर पर नाराजगी जताई है। इससे पहले मलाइका अरोड़ा के पिता के निधन के बाद भी वरुण ने चेहरे के करीब कैमरा ले जाने वाले फोटोग्राफर्स को फटकार लगाई थी। उन्होंने लिखा था- 'यह सबसे इनसेंसिटिव चीज है कि आप उन लोगों के चेहरे पर कैमरा पॉइंट कर रहे हैं जो शोक मना रहे हैं। जरा सोचिए आप लोग क्या कर रहे हैं और जब आप यह कर रहे हैं तब कोई किस दौर से गुजर रहा होगा। मैं समझता हूं कि यह आपका काम है पर कभी-कभी किसी दूसरे इंसान को इससे तकलीफ हो सकती है, इंसानियत दिखाइए।'वरुण धवन की ये पोस्ट तब सामने आई है, जब सोशल मीडिया में हर तरफ शेफाली जरीवाला के अंतिम संस्कार के वीडियो वायरल हो रहे हैं। कई पैपराजी पेजेस से शोक मना रहे एक्ट्रेस के परिवार को बेहद करीब से दिखाया गया है।सेलेब्स के अलावा कई सोशल मीडिया यूजर्स ने भी पैपराजी और सेलिब्रिटी सोशल मीडिया पेज पर निधन और अंतिम संस्कार की कवरेज पर आपत्ति जताई है। रविवार को पैपराजी पेज पर शेफाली के पति पराग त्यागी का एक वीडियो पोस्ट किया गया था, जिसमें वो पत्नी की अस्थियां थामे फूट-फूटकर रोते दिखे थे। इस पर कई यूजर्स ने पैपराजी की आलोचना की। एक यूजर ने लिखा, 'इस इमोशनल मूमेंट में उसके चेहरे में कैमरा लगा रहे हो, आप कितने बेशर्म इंसान हैं।' वहीं एक ने लिखा है, 'उन्हें थोड़ी प्राइवेसी दो।'शेफाली जरीवाला के निधन से पहले भी कई सेलेब्स ने अंतिम संस्कार की असंवेदनशील कवरेज पर नाराजगी जाहिर की।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।